आज का मौसम 30.0° अधिकतम तापमान 25.0° न्यूनतम तापमान सूर्योदय 05.58 सूर्यास्त 06.15

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष एकादशी 11:39 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 17 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 298, पृष्ठ 12+4 मूल्य 6 रुपये

देश के प्यारे नरेंद्र हमारे

17 सितंबर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस केवल एक नेता के जीवन का उत्सव नहीं है, बल्कि यह उस नए भारत की यात्रा का भी प्रतीक है, जिसने बीते एक दशक में तकनीक विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयां छुई हैं।

मोदी @ 75

शुरुआती जीवन

- **जन्म** : 17 सितंबर 1950 वडनगर (गुजरात) में।
- **परिवार** : साधारण परिवार, पिता चाय बेचते थे।
- **शिक्षा** : वडनगर से स्कूली शिक्षा, दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक व गुजरात विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर।
- **संघ से जुड़ाव** : किशोरावस्था में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े, बाद में पूर्णकालिक प्रचारक बने।

राजनीतिक पारी

1980

के दशक में भाजपा से जुड़े। चुनावी रणनीति, सांगठनिक मजबूती व कार्यकर्ताओं से जुड़ने की कला में दक्ष।

1990

के दशक में बने भाजपा के प्रमुख नेता।

गुजरात के मुख्यमंत्री

- अक्टूबर, 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने।
- अवसंरचना, सड़क, बिजली, उद्योग व कृषि सुधार पर विशेष जोर दिया।
- तीव्र औद्योगिक विकास के कारण गुजरात मॉडल को बनाया मिसाल।
- वर्ष 2001 से 2014 तक लगातार चार बार गुजरात के रहे मुख्यमंत्री।

प्रधानमंत्री पद: 26 मई, 2014 को बने भारत के 14वें प्रधानमंत्री

1 कार्यकाल (2014–2019) में उपलब्धियां

- स्वच्छ भारत मिशन (गांव-गांव शौचालय)।
- जन धन योजना (सभी को बैंक खाता)।
- मेक इन इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया।
- उज्ज्वला योजना (गरीब महिलाओं को गैस कनेक्शन)।
- आयुष्मान भारत (स्वास्थ्य बीमा योजना)।

2 कार्यकाल (2019–2024, ऐतिहासिक बहुमत के साथ दूसरी बार बने पीएम) की उपलब्धियां

- जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाई।
- नागरिक सुविधाओं व बुनियादी ढांचे पर बड़ा निवेश।
- कोरोना महामारी के समय विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया।
- आत्मनिर्भर भारत अभियान।

3 कार्यकाल की (2024 से अब तक, नेहरू के बाद तीसरी बार पीएम बन रचा इतिहास) उपलब्धियां

- भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य।
- विश्व मंच पर बढ़ाई भारत की साख।
- ग्लोबल अवॉर्ड्स – संयुक्त राष्ट्र, विभिन्न देशों और संगठनों से कई सम्मान।
- स्टैच्यू ऑफ यूनिटी – सरदार पटेल की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा (वर्ष2018)।
- जी 20 शिखर सम्मेलन (2023) – भारत की मेजबानी, दुनिया में नई पहचान।

2016 नवाचार और वित्तीय क्रांति

- स्टार्ट-अप इंडिया अभियान ने युवाओं के सपनों को पंख दिए। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बना। भीम ऐप और यूपीआई ने डिजिटल भुगतान प्रणाली को ऐसा विस्तार दिया, जिसने भारत को कैशलेस अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर किया। वैश्विक नवाचार सूचकांक 2024 में भारत 133 अर्थव्यवस्थाओं में से 39वें स्थान पर है, जो 2015 में 81वें स्थान से एक महत्वपूर्ण छलांग है।

2017 कर व्यवस्था में सुधार

- गुड्स एंड सर्विस टैक्स नेटवर्क (जीएसटीएन) लागू कर भारत ने टैक्स प्रणाली को पूरी तरह आईटी-आधारित और पारदर्शी बना दिया। इसकी सफलता को देखते हुए सरकार ने जीएसटी 2.0 में में राहत दी। देश की आर्थिक वृद्धि 7 से 7.5 फीसदी हो सकती है। फिलहाल चालू वित्तवर्ष में विकास दर 6.3 से 6.8 फीसदी रहने का अनुमान है।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
आयुष्मान भारत
PM-JAY

2018 स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति

- आयुष्मान भारत योजना ने करोड़ों परिवारों को ई-हेल्थ कार्ड और मुफ्त उपचार की गारंटी दी। यह दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ-टेक पहल साबित हुई। मेडिकल कॉलेजों की संख्या 780 हो गई। एमबीबीएस की सीटें 1.20 लाख और सात एम्स की जगह आज एम्स 23 हो गए हैं। वहीं 41.50 – करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड यूजर हैं।

2019 अंतरिक्ष और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर

- चंद्रयान-2 मिशन ने भारत की अंतरिक्ष शक्ति का नया परिचय दिया। जेम ट्रिनिटी (जनधन, आधार, मोबाइल) ने डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) को करोड़ों नागरिकों तक पहुंचाया। आज तक 55 करोड़ जनधन खाते खोले जा चुके हैं।

2014 मेक इन इंडिया का शंखनाद

- प्रधानमंत्री बनने के साथ ही मोदी जी ने मेक इन इंडिया अभियान शुरू किया। उद्देश्य था भारत को केवल बाज़ार नहीं, बल्कि मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी हब के रूप में स्थापित करना। यह वही दौर था जब विदेशी निवेशकों ने भारत की नई संभावनाओं की ओर रुख किया। आज हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के करीब हैं।

2020: महामारी प्रबंधन का तकनीकी मॉडल

- कोविड संकट के बीच भारत ने कॉविन पोर्टल और आरोग्य सेतु ऐप से दुनिया को दिखाया कि कैसे डिजिटल टेक्नोलॉजी से महामारी प्रबंधन किया जा सकता है। साथ ही आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल निर्माण को प्रोत्साहन मिला।

2021: स्वास्थ्य और ऊर्जा में आत्मनिर्भरता

- राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के तहत हर नागरिक को यूनिक हेल्थ आईडी दी गई।
- राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन से भारत ने ग्रीन एनर्जी और क्लीन टेक्नोलॉजी की दिशा में कदम बढ़ाए।

2022: 5जी और गगनयान

- भारत ने 5जी सेवाओं की शुरुआत कर नई डिजिटल क्रांति की नींव रखी। साथ ही गगनयान मानव अंतरिक्ष मिशन की तैयारियों ने भारत को अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में और मजबूत किया।

2015 डिजिटल इंडिया का सपना

- डिजिटल इंडिया प्रोग्राम ने भारत को डिजिटल लोकतंत्र का मॉडल बनाया। गाँव-गाँव इंटरनेट कनेक्टिविटी, ई-गवर्नेंस और नागरिक सेवाओं तक आसान पहुँच ने सामान्य नागरिक को सशक्त किया। आज टेलीफोन कनेक्शन 93.3 करोड़ से बढ़कर 120 करोड़ हो गए, इंटरनेट यूजर में 285% की वृद्धि हुई, ब्रॉडबैंड कनेक्शन में 1,452% की वृद्धि हुई।

2023: चंद्रयान-3, आदित्य एल1 और जी20 की चमक

- चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग से भारत चाँद के दक्षिणी ध्रुव तक पहुँचने वाला पहला देश बना।
- जी20 शिखर सम्मेलन में भारत ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (यूपीआई, आधार, कॉविन) को दुनिया के सामने रखा।
- आदित्य एल1 ने सूर्य अध्ययन के क्षेत्र में भारत की वैज्ञानिक क्षमता को साबित किया।

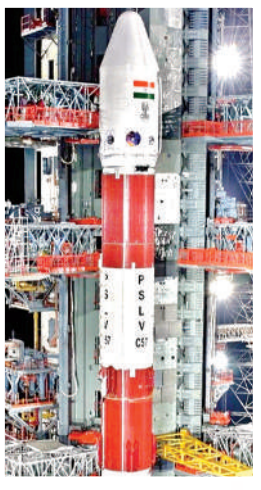

2024: तीसरी बार प्रधानमंत्री और विकसित भारत 2047 का संकल्प

- तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत 2047 विज़न पेश किया, जिसमें एआई, क्वांटम टेक्नोलॉजी और स्पेस इनोवेशन को भविष्य की धुरी बनाया गया। यह संकल्प भारत को विश्वगुरु और वैश्विक टेक्नोलॉजी लीडर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

देश के प्यारे नरेंद्र हमारे

अमृत विचार

www.amritvichar.com
बरेली, बुधवार, 17 सितंबर 2025

2014 से 2025 तक कितना बदला देश

स्थिति	वर्ष 2014	वर्ष 2025
गरीबों की संख्या	**27.1** प्रतिशत	**5.3** प्रतिशत (विश्व बैंक की रिपोर्ट)
मेडिकल कॉलेज	**387**	**780**
एमबीबीएस की सीटें	**51,348**	**1.20** लाख
खुदरा महंगाई दर	**9.8** प्रतिशत	**2.07** प्रतिशत
बिजली उत्पादन	**2,48,554** मेगावाट	**4,70,448** मेगावाट
एयरपोर्ट	**74**	**157**

अमृत विचार विशेष

56.16 करोड़ से अधिक बैंक खाते प्रधानमंत्री जन-धन योजना में अगस्त, 2025 तक खोले गए हैं।

25% सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान लक्ष्य है मेक इन इंडिया के जरिए इस साल के अंत तक।

10.34 करोड़ कनेक्शन उज्ज्वला योजना के तहत अगस्त, 2025 तक जारी किए जा चुके हैं।

1.87 लाख मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं देश में, इनमें 18 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार हैं।

11.87 करोड़ शौचालयों का स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत निर्माण हुआ है।

3.75 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी 2025 में है जबकि 2014 में 2 ट्रिलियन डॉलर थी।

एक रिश्ता ऐसा भी, जहां विश्वास और संकल्प की अद्भुत साझेदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस सिर्फ एक राष्ट्रीय नेता के सम्मान का अवसर नहीं है, बल्कि यह उस रिश्ते को भी याद करने का क्षण है जो भारतीय राजनीति की दिशा बदलने में निर्णायक साबित हुआ। यह रिश्ता है प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का। एक ऐसा रिश्ता जिसमें पारस्परिक विश्वास, आदर्शों के प्रति निष्ठा और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का साझा संकल्प झलकता है।

गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जब 2017 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तो, सियासी हलकों में कई तरह की चर्चाएं हुईं। लेकिन मोदी ने जिस आत्मविश्वास के साथ उन्हें राज्य की जिम्मेदारी सौंपी, उसने यह साबित किया कि वह नेतृत्व में साहसिक फैसले लेने से पीछे नहीं हटते। दूसरी ओर, योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री की इस आस्था को कभी टूटने नहीं दिया। यूपी को कानून-व्यवस्था के संकट से निकालकर विकास और निवेश का केंद्र बनाने का उनका प्रयास, मोदी के 'न्यू इंडिया' के सपनों को जमीन पर उतारने जैसा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ प्रधानमंत्री मोदी। **फाइल फोटो**

यूपी से मिली नए भारत को पहचान

- प्रधानमंत्री मोदी कई बार कह चुके हैं कि 'नया भारत' तब ही बन सकता है जब उत्तर प्रदेश बदलता है। योगी आदित्यनाथ ने इसे मंत्र मानकर हर कदम पर आगे बढ़ाया। चाहे निवेश समिट हों, एक्सप्रेसवे का जाल हो, डिफेंस कॉरिडोर की परिकल्पना हो या फिर गरीब कल्याण की योजनाएं। हर मोर्चे पर योगी ने मोदी के विजन को विस्तार दिया। मोदी भी हर मंच से यूपी की सराहना करते हुए कहते हैं कि 'योगी जी ने उत्तर प्रदेश को दंगों और अपराधों से निकालकर विकास की पटरी पर ला दिया है।'
- दोनों नेताओं का रिश्ता सिर्फ सत्ता की साझेदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भावनात्मक गहराई भी है। मोदी योगी को हमेशा एक तपस्वी और ईमानदार जननेता के रूप में देखते हैं, तो योगी मोदी को राष्ट्रनायक मानकर उनके नेतृत्व को अपने कर्म का मार्गदर्शक मानते हैं। यही कारण है कि दोनों के बीच कोई सियासी खटपट या अहंकार की दीवार कभी नजर नहीं आती।
- यह विश्वास का रिश्ता ही है कि यूपी की हर बड़ी योजना को मोदी सरकार का पूरा सहयोग मिलता है, और केंद्र की हर प्राथमिकता को योगी सरकार मिशन मोड में लागू करती है।
- प्रधानमंत्री जब यूपी आते हैं, तो योगी आदित्यनाथ उनके साथ खड़े होकर सिर्फ औपचारिक स्वागत नहीं करते, बल्कि यह संदेश देते हैं कि दोनों का लक्ष्य एक है-भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना। प्रधानमंत्री मोदी का जन्म दिवस इस रिश्ते की गहराई को याद करने का भी दिन है। यह रिश्ता भारतीय राजनीति को यह सिखाता है कि जब नेता व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देते हैं, तो प्रदेश और देश दोनों नई ऊँचाइयाँ छूते हैं। योगी और मोदी की यह जोड़ी आज करोड़ों भारतीयों के लिए विश्वास और संकल्प का प्रतीक है। एक ऐसी साझेदारी जो भारत को आत्मनिर्भरता, समृद्धि और वैश्विक सम्मान की ओर ले जा रही है।

नरेंद्र मोदी : नए भारत की धड़कन और निर्णायक नेतृत्व की पहचान

प्रधानमंत्री में झलकता है 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाएं और विश्वास

धीरेंद्र सिंह

अमृत विचार: 17 सितंबर का दिन सिर्फ एक नेता का जन्मदिन नहीं है। यह उस यात्रा का प्रतीक है, जिसमें एक साधारण परिवार से निकलकर एक व्यक्ति ने न केवल राजनीति की ऊँचाइयाँ छुईं बल्कि भारत की आत्मा को नया आत्मविश्वास दिया। नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व एक तरफ़ अनुशासित साधक का है, तो दूसरी तरफ़ दूरदर्शी विज़नरी का, जिसने भारत को 'संकोच से साहस, आयात से आत्मनिर्भरता और क्षेत्रीय से वैश्विक नेतृत्व' की ओर मोड़ दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी का जीवन उस सपने की जीवंत कहानी हैं। जिसमें संघर्ष से सफलता तक का हर पड़ाव केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय रहा है। उनका जन्मदिवस केवल एक नेता का उत्सव नहीं है, बल्कि उस आशा का पर्व है जिसमें 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाएं और विश्वास झलकते हैं। गुजरात के वडनगर कस्बे में जन्मे नरेंद्र मोदी का बचपन साधारण परिस्थितियों में बीता। रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाले बालक नरेंद्र को तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि एक दिन वही बालक भारत का प्रधानमंत्री बनेगा। लेकिन कठिनाइयों ने उन्हें हारने नहीं दिया, बल्कि मजबूत बनाया। उनका जीवन इस संदेश का प्रतीक है कि साधारण पृष्ठभूमि से निकला इंसान भी अपनी मेहनत और सेवा भावना से राष्ट्र को दिशा दे सकता है।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के उद्घाटन के दौरान लोगों पर पुष्पवर्षा करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। **फाइल फोटो**

सत्ता नहीं सेवा ही मोदी का मूल मंत्र

- नरेंद्र मोदी की राजनीति का मूल मंत्र सत्ता नहीं, बल्कि सेवा रहा है। संगठन में काम करते हुए उन्होंने लोगों की तकलीफें देखीं, उनके सपनों को समझा और उन्हें बदलने की ठानी। मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात को विकास की नई पहचान दी और प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत को आत्मविश्वास से भर दिया। मोदी ने अपने शासन में गरीब और वंचित वर्ग को केंद्र में रखा। उज्ज्वला योजना से माताओं को धुएं से मुक्ति मिली, आयुष्मान भारत से गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली, हर घर जल और प्रधानमंत्री आवास जैसी योजनाओं ने आम लोगों को सम्मानजनक जीवन दिया। उनकी नीतियों ने यह भरोसा दिलाया कि सरकार केवल कागज़ों पर नहीं, बल्कि ज़मीनी हकीकत में लोगों के जीवन को बदल सकती है।
- मोदी सरकार ने साफ़ संदेश दिया कि भारत अब चुपचाप सहने वाला देश नहीं है। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक ने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि भारत अपने सैनिकों और नागरिकों की रक्षा के लिए हर कदम उठाने को तैयार है। सेनाओं के आधुनिकीकरण और स्वदेशी रक्षा उत्पादन पर ज़ोर ने देश को और मज़बूत किया। मोदी की कूटनीति ने भारत की छवि बदल दी। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज़ अब अनसुनी नहीं की जा सकती। जी-20 की अध्यक्षता, जलवायु परिवर्तन पर ठोस पहल और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित संबंधों ने भारत को वैश्विक राजनीति में अग्रणी बनाया।अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का कायाकल्प और देश की आध्यात्मिक धरोहरों का सम्मान, सब मोदी युग की पहचान हैं। उन्होंने दुनिया को दिखाया कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि साथी हैं।

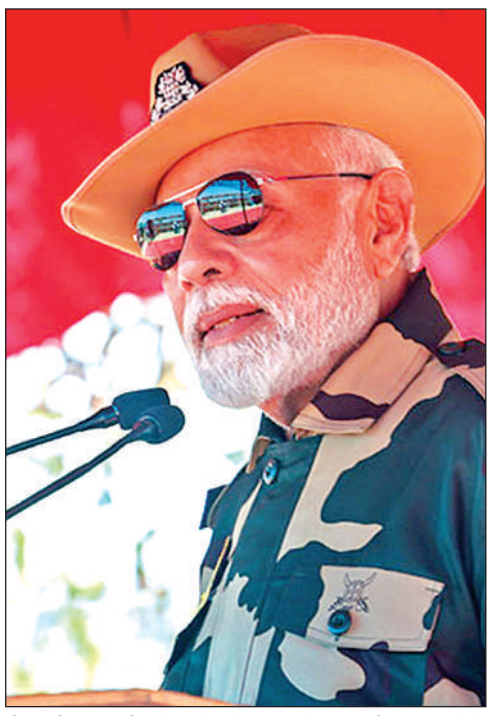

दीपावली पर भारतीय सेना को संबोधित करते प्रधानमंत्री। **फाइल फोटो**

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य

- मोदी का लक्ष्य केवल आज तक सीमित नहीं है। वे 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना रखते हैं। इसमें युवा शक्ति, महिला सशक्तिकरण, तकनीकी नवाचार और समावेशी विकास प्रमुख स्तंभ हैं। उनकी सोच है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। नरेंद्र मोदी बार-बार कहते हैं कि वे प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि प्रधान सेवक हैं। यही भाव उन्हें जनता से जोड़ता है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि कठिनाइयाँ चाहे जितनी हों, अगर निष्ठा और परिश्रम हो तो कोई भी सपना पूरा हो सकता है। आज उनका जन्मदिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि उस भारत की ओर बढ़ते कदमों की याद दिलाता है जिसका सपना हर भारतीय ने देखा है। मोदी केवल भारत के प्रधानमंत्री नहीं हैं, वे हर उस भारतीय की आशा और विश्वास हैं जो अपने देश को महान देखना चाहता है। उनका जीवन बताता है कि नेतृत्व केवल कुर्सी से नहीं, बल्कि समर्पण से बनता है। आज उनके जन्मदिवस पर हर भारतीय के मन में यही भावना है कि 'मोदी जी, आपका समर्पण और आपकी तपस्या हमें उस भारत की ओर ले जा रही है जिसका सपना हमने सदियों से देखा है। आप हमारे लिए प्रेरणा हैं, राष्ट्र के प्रहरी हैं और भविष्य के पथप्रदर्शक हैं।

मोदी सरकार की उपलब्धियां

- भारत की अर्थव्यवस्था 2024-25 में 6.5% की दर से बढ़ी, जो दुनिया की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज है।

- पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना में 80 करोड़ से ज़्यादा लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है।

- 2025 तक देश की 64.3% आबादी (लगभग 94 करोड़ लोग) किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत कवर होंगे।

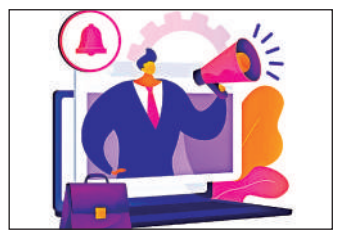

- प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना का लक्ष्य 2 साल में 3.5 करोड़ से ज्यादा रोज़गार पैदा करना है।

- प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) में अब तक लाभार्थियों के खातों में करीब 50 लाख करोड़ रुपये भेजे गए हैं।

- प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब तक 4 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण पूरा हो चुका है।

- 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है।

- 41.50 - करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड अगस्त, 2025 तक जारी किए जा चुके हैं।

साधारण से असाधारण होने का नाम नरेंद्र मोदी

रुस के राष्ट्रपति पुतिन से गले मिलते प्रधानमंत्री मोदी। **फाइल फोटो**

ह्रदयनारायण दीक्षित

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज अपनी जीवन यात्रा के 75 वर्ष पूरे कर रहे हैं। धरती और आकाश केसरिया हो गए हैं। लग्न मुहूर्त अनुकूल हो गए हैं। मोदी के नेतृत्व में भारत का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। मोदी का व्यक्तित्व आश्वस्ति देता है। कर्मठता के लिए प्रेरित करता है। वे इतिहास रच रहे हैं और इतिहास को नए सिरे से जांचने के भी प्रश्न उठा रहे हैं। उनके व्यक्तित्व में महात्मा गांधी जी का त्याग भाव है। वे सत्य के प्रति आग्रही हैं। उनके व्यक्तित्व में डॉक्टर हेडगेवार, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी का विचार प्रवाह है तो अटल बिहारी वाजपेयी जैसी संसदीय गरिमा और लोक सम्मोहन की कला भी है।

यूरोपीय काल गणना में 'ईसा के पूर्व' व ईसा के बाद' समय का विभाजन चलता है। भारत के संदर्भ में धर्म संस्कृति और लोकमंगल का वातावरण मोदी के पहले नहीं था। अब इस विचार में लोकमंगल का उद्देश्य स्पष्ट दिखाई पड़ रहा है। मोदी के पहले भारत का मन उदास था। अब मोदी के समय भारत का मन उल्लास में है मोदी के पहले हम सब का मन आत्मविश्वासहीन था। अब भारत का मन आत्मनिर्भर हो गया है। राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों में उत्साह व उमंग है। सभी क्षेत्रों में एक नई तरह का पुनर्जागरण दिखाई पड़ रहा है। मोदी स्वभाव से अभियानकर्ता हैं। मोदी के 'मन की बात' पर राष्ट्र को भरोसा है। सामान्यतया सत्ता दल जनअभियान नहीं चलाते। लेकिन मोदी के नेतृत्व में उन्हीं की प्रेरणा से 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जनअभियान बना। स्वच्छ भारत अभियान चला। प्रधानमंत्री के अभियानों से मोटे तौर पर दो बातें स्मरणीय हैं। पहली कि देश की समस्याओं में सरकार और जनता की भागीदारी से ज्यादा उत्पादकता मिलती है। दूसरा कि धर्म और संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता किसी भी रूप में सांप्रदायिक नहीं होती। मोदी ने भारत की संस्कृति को विश्व प्रतिष्ठित किया है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति दिलाने, विरासत पर गर्व, एकता व एकजुटता पर जोर और नागरिकों के कर्तव्य पांच प्रण बताए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोदी की प्रशंसा हम भारतवासियों को बड़ा सुख देती है। योग संपूर्ण विज्ञान है। मोदी ने योग को बढ़ावा दिया। मोदी विरोधी योग विज्ञान पर आक्रामक थे। मोदी ने भारतीय ध्यान साधना के योग को संयुक्त राष्ट्र से मान्यता दिलाई। संयुक्त राष्ट्र में 170 से ज्यादा देशों का समर्थन मिला। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर राष्ट्र का स्वप्न था। तमाम विद्वान भी कहते थे कि जम्मू कश्मीर विषयक अनुच्छेद 370 छेड़ोगे या राम मंदिर की बात करोगे, तो देश में आग लग जाएगी। सेकुलरपंथियों की परवाह न करते हुए श्रीराम मंदिर के शिलान्यास में मोदी पहुंचे। वाराणसी की गंगा आरती में वे जाते हैं। केदारनाथ मंदिर में कई घंटे साधनारत रहे। उनकी साधना की सिद्धि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि बनी है। मोदी विदेश दौरे पर जहां-जहां जाते हैं, वहां वहां भारतीय संस्कृति का ध्वज ऊंचा करते हैं। गीता भारतीय दर्शन का प्रतिनिधि ग्रंथ है। उन्होंने अनेक राष्ट्राध्यक्षों को गीता की प्रति भेंट की है। महानायक यों ही लोक स्वीकृति नहीं पाते। मोदी में छात्र जीवन से ही देश सेवा की भावना है। एक संगठनकर्ता के रूप में उनके काम सराहे गए। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके किए काम को 'गुजरात मॉडल' कहा गया। वे अपनी ध्येय साधना में लगे रहे। अथर्ववेद के व्रात्य सूक्त में ऐसे ही धुन के पक्के व्रात्य के बारे में कहा गया है कि व्रात्य उठा। वह एक दिशा की ओर चला। लोग साथ चलने लगे। वह दूसरी तीसरी चौथी दिशाओं की ओर चला। उसका जय घोष हुआ। वह आगे बढ़ा। चलता रहा। लोग उसकी जय जयकार करने लगे। इतिहास और गाथाएं भी उसके साथ-साथ चलीं। जीवनव्रती लोगों के साथ ऐसा ही होता है। मोदी किसी राजघराने के परिजन नहीं थे। वे चले तो लोग उनके पीछे चलने लगे। संस्कृति और राष्ट्रभाव उनकी कार्यसूची में प्रथम वरीयता पर थे। विरोधियों ने उन्हें गालियां दीं। कदाचित देश का ऐसा कोई प्रधानमंत्री नहीं होगा जिसे इतनी गालियां दी गई हों। गलियां कम पड़ गईं। विपरीत परिस्थितियां आईं। मोदी डटे रहे। मोदी का व्यक्तित्व असाधारण है। साधारण से असाधारण हो जाना बड़ी बात नहीं है। बड़ी बात है कि असाधारण होकर भी साधारण कार्यकर्ता बने रहना। मोदी ऐसे ही हैं। उनके व्यक्तित्व में महानायक का सौंदर्य है। छत्रपति शिवाजी का शौर्य है। 75 वर्ष की आयु में भी कठोर परिश्रम करते हैं। जन्म दिवस की हार्दिक बधाई।

दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर जश्न मनाते प्रधानमंत्री। **फाइल फोटो**

- मोदी को उपहार में मिली 1300 से अधिक वस्तुओं की आज से की जाएगी ई-नीलामी - 8

- अमेरिका से व्यापार वार्ता बहाल होने की उम्मीद से झूमा बाजार - 8

- गाजा पर कब्जे की तैयारी शुरू, इजराइल ने बड़े पैमाने पर शुरू किए जमीनी हमले- 9

- विश्व चैंपियनशिप में अब चोपड़ा पर निगाह, खिताब बचाने के लिए उतरेंगे - 10

आज का मौसम

30.0° अधिकतम तापमान

25.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.58

सूर्यास्त 06.15

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष एकादशी11:39 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 17 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 298, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

नेशनल हेराल्ड केस में 26 को पेश होंगी फाइलें

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मामले में फाइलों की जांच जारी रखने के लिए 26 सितंबर तक की तारीख तय की है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने जांच अधिकारी को मामले की फाइलें लेकर पेश होने का निर्देश दिया। अदालत ने सोमवार को कहा कि एक आदेश के बाद ईडी ने ईसीआईआर और सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर शिकायत की एक प्रति जमा कर दी है। अदालत ने इससे पहले मामले की अन्य फाइलों का भी निरीक्षण किया था।

वैष्णो देवी यात्रा आज से फिर होगी शुरू

जम्मू। माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा मौसम की अनुकूल स्थिति के आधार पर बुधवार को फिर से शुरू होगी। श्राइन बोर्ड ने यह जानकारी दी। तीर्थस्थल तक जाने वाले मार्ग पर भूस्खलन की घटना के बाद यात्रा 26 अगस्त को स्थगित कर दी गई थी। इस हादसे में 34 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई थी और 20 अन्य घायल हो गए थे। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने एक्स पर कहा कि वैष्णो देवी यात्रा 17 सितंबर, 2025 (बुधवार) से पुनः शुरू होगी।

आरओ/एआरओ प्री का परिणाम घोषित

प्रयागराज। उप्र लोक सेवा आयोग ने आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा-2023 का परिणाम घोषित कर दिया है। 27 जुलाई को हुई परीक्षा में कुल 4,54,589 अभ्यर्थी बैठे थे। समीक्षा अधिकारी के 338 पदों के सापेक्ष 6093, सहायक समीक्षा अधिकारी के 79 पदों के सापेक्ष 1386 व सहायक समीक्षा अधिकारी (लेखा) के दो पदों के सापेक्ष 30 अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए सफल घोषित किया गया है।

नवाचार सूचकांक में भारत 38वें पायदान पर

नई दिल्ली। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) की ओर से मंगलवार को जारी वैश्विक नवाचार सूचकांक 2025 में भारत 38वें पहुंच गया है। देश 2015 में 139 देशों की सूची में 81वें स्थान पर था। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस रिपोर्ट पर अपनी टिप्पणी में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नवाचार दृष्टिकोण से प्रेरित, यह प्रगति ज्ञान सृजन और सतत विकास के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। गोयल ने इसके लिए देश के उद्यमियों और नव प्रवर्तकों तथा वैज्ञानिकों को बधाई दी है।

देहरादून में बादल फटने से तबाही, 15 मौतें, कई लापता

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : देहरादून और अन्य इलाकों में कई बार बादल फटने, अतिवृष्टि और भूस्खलन से भीषण तबाही मची है। इस आपदा में 15 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई जबकि कई लापता हैं। सैलाब के साथ आए मलबे ने कई घरों, होटलों, रिसॉर्ट, मंदिरों, पुलों, सड़कों और एप्रोच रोड को भारी नुकसान पहुंचाया। एनडीआरएफ व एसडीआरएफ ने एक हजार से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया है।

आपदा में देहरादून के सदर, विकासनगर, सहस्त्रधारा, कार्लीगाड़, मंझारा, मालदेवता, मसूरी के झड़ीपानी, प्रेमनगर, झाझरा, गुच्चूपानी, ठाकुरपुर और डालनवाना सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं। सहस्त्रधारा से करीब 3 किमी आगे कार्लीगाड़ व मंझारा गांव के बीच नाले पर बादल फटने से मकानों और रिसॉर्ट में मलबा घुस गया तथा आधा दर्जन लोग लापता हो गए। यहां रेस्क्यू टीमों ने 400 स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। झड़ीपानी में एक मकान में मलबा घुसने से दो लोगों की मौत हो गई। डीआईटी कॉलेज, राजपुर रोड मसूरी डायवर्जन के पास पिता-पुत्री की मौत हो गई। प्रेमनगर देवभूमि कॉलेज के मांडूवाला स्थित हॉस्टल से करीब 500 छात्रों को रेस्क्यू किया गया।

कालसी में जजरेट के पास पहाड़ी से पत्थर गिरने से लुधियाना निवासी विनय की मौत हो गई। भगतसिंह कॉलोनी में मिथुन व विकास, राजपुर शिखर फॉल के पास धर्मेंद्र व श्यामलाल और टपकेश्वर में सचिन व सुरेंद्र बह गए। पर्यटक स्थल गुच्चू पानी में कई संपत्तियां क्षतिग्रस्त हो गईं। आसन नदी में आए सैलाब में कई लोग फंस गए। इनमें से एक युवक वहां बिजली के खंभे पर चढ़ गया, जिसे एनडीआरएफ ने उतारा। विकासनगर में टोंस नदी के तेज बहाव में खनन कार्य में लगे 14 श्रमिक ट्रैक्टर समेत बह गए। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने 8 लोगों के शव बरामद कर लिए। जबकि चार लापता और दो घायल हैं। सभी यूपी के मुरादाबाद व संभल जिले के बताए गए। उधर, देहरादून में तमसा नदी में उफान आने से किनारे स्थित प्रसिद्ध टपकेश्वर मंदिर पानी में डूब गया। वहीं, मालदेवता से करीब सात किमी ऊपर फुलेट गांव में मकान जमींदोज होने से आठ लोग दब गए। वहीं, कुमाऊं के पिथौरागढ़ में घर के मलबे में दबकर महिला की मौत हो गई जबकि नैनीताल के कालाढूंगी में गरुड़ी नाले में वाहन बह गया।

देहरादून में सहस्त्रधारा में बादल फटने के बाद नदी के तेज बहाव में ध्वस्त हो गए कई घर।

मुरादाबाद के 12 लोग बहे, 7 के शव मिले

बिलारी/अमरोहा। देहरादून के सहस्त्रधारा में बादल फटने से बिलारी के 9 लोग बह गए। इनमें छह के शव बरामद हो गए जबकि तीन लापता हैं। वहीं अमरोहा के तीन युवक बह गए। इनमें एक का शव मिला। ये सभी वहां मजदूरी करने गए थे। बिलारी क्षेत्र के ग्राम मुंडिया जैन के दर्जन से अधिक लोग देहरादून में मजदूरी करने गए थे। मंगलवार तड़के बादल फटने से नदी में बाढ़ आ गई जिसमें नौ मजदूर बह गए। प्रशासन ने तीन महिलाओं सोमवती, रीना, किरण के अलावा हरचरण, मदन और नरेश बाबू के शव बरामद कर लिए। हो राम, राजकुमार व एक महिला सुंदरी लापता हैं। अमरपाल और अमन घायल हैं। एसडीएम विनय कुमार सिंह ने गांव पहुंचकर मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी। अमरोहा के रहरा थाना क्षेत्र से दो दर्जन मजदूर देहरादून के बजेवाला गांव में बेजवा नदी से बजरपुट व बजरी निकालने गए थे। बादल फटने के कारण पानी के तेज बहाव में तीन मजदूर पुष्पेंद्र, पीतम और पंकज बह गए। पंकज का शव बरामद कर लिया गया। पुष्पेंद्र, पीतम की तलाश की जा रही है।

यूपी के मृतक आश्रितों को दो-दो लाख की सहायता

लखनऊ। उत्तराखंड के देहरादून जिले में टोंस नदी में हुए दर्दनाक हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस दुखद घड़ी में सरकार शोक संतप्त परिजनों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने और सभी पार्थिव शरीरों को सम्मानपूर्वक घर तक पहुंचाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। सीएम योगी ने प्रभु श्रीराम से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना भी की है।

अमेरिका से रिश्तों में सुधार की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन किया और उनके 75वें जन्मदिन से पहले उन्हें शुभकामनाएं दीं, जिससे द्विपक्षीय संबंधों में सुधार की उम्मीद जगी है। वाशिंगटन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया था। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि ट्रंप की तरह वह भी भारत-अमेरिका व्यापक एवं वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को यह भी बताया कि यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में उनकी पहल का भारत समर्थन करता है।

ट्रंप ने कहा कि मोदी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और उन्होंने यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने में प्रधानमंत्री के सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन ऐसे दिन किया, जब भारत और अमेरिका ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर नई दिल्ली में वार्ता का एक नया दौर आयोजित किया। मोदी ने एक्स पर कहा कि मेरे मित्र राष्ट्रपति ट्रंप, मेरे 75वें जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और बधाई के लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा कि आपकी तरह मैं भी भारत-अमेरिका व्यापक एवं वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं।

उन्होंने कहा कि हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपकी पहल का समर्थन करते हैं। ट्रंप का यह फोन कॉल प्रधानमंत्री के 75वें जन्मदिन से एक दिन पहले आया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि अभी-अभी अपने मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बहुत अच्छी बातचीत हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं! वह बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरेन्द्रः रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद यह पहली फोन कॉल है, जिसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ट्रंप ने मोदी को फोन पर दी जन्मदिन की बधाई

भारतीय वस्तुओं पर 50% शुल्क लगाने से बढ़ गया था तनाव

ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को बढ़ाकर 50 प्रतिशत किए जाने के बाद नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे, जिसमें भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल था। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया। पिछले कुछ सप्ताह में व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो सहित ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों ने भारत को निशाना बनाने के लिए आक्रामक भाषा का प्रयोग किया है, विशेष रूप से रूस के साथ उसके ऊर्जा संबंधों पर।

वाहन स्वामियों को बड़ी राहत

2017 से 2021 तक के ई-चालान होंगे समाप्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- परिवहन विभाग ने वाहनों पर 5 साल का जुर्माना खत्म करने का लिया निर्णय
- 30 दिनों में पूरी होगी प्रक्रिया, परिवहन पोर्टल पर देख सकेंगे स्थिति

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परिवहन विभाग ने वाहन स्वामियों को बड़ी राहत दी है। विभाग ने वर्ष 2017 से 2021 तक के गैर-कर ई-चालानों को समाप्त करने का निर्णय लिया है। अब ये चालान पोर्टल पर यदि मामला न्यायालय में लंबित था तो 'निस्तारित' और यदि कार्यालय में लंबित था तो 'बंद' की श्रेणियों में दिखाई देंगे। इसे देखने के लिए वाहन स्वामी को 30 दिन इंतजार करना होगा। लेकिन जिसने इस अवधि का चालान जमा किया है, उसे धन वापसी नहीं होगी।

परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि पुराने चालानों से अनावश्यक लंबित मामले बढ़ रहे थे और सेवाओं में बाधा आ रही थी। इस निर्णय से जनता को राहत मिलेगी, कार्यप्रणाली सरल होगी और पारदर्शिता बढ़ेगी। इन चालानों से जुड़े फिटनेस, परमिट, वाहन हस्तांतरण और उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (एचएसआरपी) जैसे अवरोध भी स्वतः समाप्त हो जाएंगे। हालांकि, कर से जुड़े चालान इस राहत में शामिल नहीं होंगे। यह पूरी प्रक्रिया 30 दिनों में पूरी कर दी जाएगी। इसके बाद वाहन स्वामी परिवहन पोर्टल पर जाकर अपनी चालान स्थिति देख सकेंगे। पुराने चालानों पर न तो किसी को धन वापसी मिलेगी और न ही उन्हें पुनः खोला जाएगा। सहायता के लिए परिवहन विभाग की हेल्पलाइन 149 या नजदीकी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

30 लाख से अधिक मामलों का निस्तारण

आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2017 से 2021 के बीच कुल 30.52 लाख ई-चालान बनाए गए थे। इनमें से 17.59 लाख का निस्तारण पहले ही हो चुका था, जबकि 12.93 लाख चालान अब तक लंबित थे। इनमें 10.84 लाख न्यायालयों में और 1.29 लाख कार्यालय स्तर पर लंबित थे। अब सभी का डिजीटलीय निस्तारण किया जाएगा। सामने की सेवाओं पर लगे सभी अवरोध हट जाएंगे जबकि पृष्ठभूमि में पूरा अभिलेख और लेखा-परीक्षण सुरक्षित रहेगा।

छात्र की हत्या के बाद बवाल, पूरी पुलिस चौकी निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोरखपुर के पिपराइच के जंगल धूसड़ का मामला
- देर शाम पहुंचे एडीजी ने की परिजनों से बातचीत

अमृत विचार : पिपराइच के जंगल छत्रधारी गांव में सोमवार देर रात गो-तस्करों ने पीछा कर रहे छात्र दीपक (16) की हत्या कर दी और शव दूसरे थाना क्षेत्र में फेंक दिया। तस्करों की गाड़ी बरेली के नंबर की है और मालिक बिलारी (मुरादाबाद) का है। इस मामले में मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने जाम लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस पर गंभीर आरोप लगाया। इस दौरान पथराव व आगजनी भी की गई। मामले में चौकी प्रभारी समेत छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। मामले की जानकारी के बाद मुख्यमंत्री योगी ने डीआईजी, डीएम व एसएसपी को आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सीएम के निर्देश पर एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश देर शाम गोरखपुर पहुंचे और मृतक के परिजनों से बात की।

पिपराइच स्थित जंगल छत्रधारी गांव निवासी दीपक नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था। सोमवार देर रात पशु तस्करों ने पीछा करने का संदेह होने पर दीपक को अगवा कर लिया और उसकी हत्या कर शव को गुलरिहा इलाके में फेंक दिया। तस्करों की दूसरी गाड़ी को ग्रामीणों ने घेर लिया। गाड़ी फंसने पर उतरकर भाग रहे तस्करों में एक को ग्रामीणों ने दबोच लिया और गाड़ी में आग लगा दी। पकड़े गए तस्कर को पुलिस ने हिरासत में लेने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने हमला बोल दिया। हमले में पिपराइच थानेदार का हाथ फ्रैक्चर हो गया, जबकि एसपी (उत्तरी) के कंधे व पैर तथा अन्य पुलिसवालों के सिर व कंधे में चोट आई।

ग्रामीणों ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

छात्र की हत्या से आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार को सड़क को जाम कर प्रदर्शन किया। परिजनों की ओर से पांच मांग रखी गई। जिसमें से एक मांग जंगल धूषण चौकी की पुलिस पर कार्रवाई शामिल थी। ग्रामीणों का आरोप है कि चौकी इंचार्ज को तस्करों के आने की जानकारी दी गई थी लेकिन कुछ नहीं किया। लापरवाही पर एसएसपी ने मंगलवार की रात चौकी इंचार्ज ज्योति नारायण तिवारी, सिपाही अंकित यादव, राकेश यादव, संदीप यादव, हेड कांस्टेबल शाहिद खान को निलंबित कर दिया। विभागीय जांच के आदेश भी दिए हैं।

युवराज, उथप्पा, सोनू सूद को ईडी का समन

नई दिल्ली। ईडी ने एक अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी एप से जुड़े धन शोधन मामले में पूर्व क्रिकेटरों रॉबिन उथप्पा और युवराज सिंह तथा अभिनेता सोनू सूद को पूछताछ के लिए तलब किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि उथप्पा (39), युवराज सिंह (43) और सूद (52) को 1एक्सबेट नामक प्लेटफॉर्म से जुड़े एक मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत अगले सप्ताह दिल्ली में एजेंसी के मुख्यालय में जांच इकाई के सामने पेश होने और उनके बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। एजेंसी पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन से पूछताछ कर चुकी है।

अनामिका सिंह बनीं बरेली की मंडलायुक्त

- सरकार ने किया 16 आईएएस अफसरों का तबादला

लखनऊ। सरकार ने मंगलवार को 16 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। लखनऊ, बरेली और प्रयागराज के कमिश्नर भी बदल दिए।

रोशन जैकब की जगह आईएएस विजय विश्वास पंत को लखनऊ का मंडलायुक्त बनाया गया है। वहीं, मंडलायुक्त बरेली सौम्या अग्रवाल को इसी पद पर प्रयागराज भेजा गया है। वन, पर्यावरण एंव जलवायु विभाग की सचिव अनामिका सिंह को बरेली का मंडलायुक्त बनाया गया है। रोशन जैकब अब सचिव व आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की कमान संभालेंगी। चैत्रा वी को महानिदेशक आयुष बनाया गया है। अपर्णा यू को चिकित्सा शिक्षा विभाग महानिदेशक का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है। बी. चंद्रकला वन, पर्यावरण विभाग की सचिव होंगी। किंजल सिंह को परिवहन आयुक्त बनाया गया है।

मिलेगी राहत | सरकार ने बेसिक शिक्षा विभाग को रिवीजन दाखिल करने के दिए निर्देश

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ कोर्ट जाएगी योगी सरकार

- योगी बोले-शिक्षकों की योग्यता और सेवा वर्षों को नजरअंदाज करना अनुचित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नरम रुख सामने आया है। राज्य सरकार ने बेसिक शिक्षा विभाग को इस केस में रिवीजन दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, यूपी के शिक्षक योग्य और अनुभवी हैं, समय-समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहा है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षों को नजरअंदाज करना उचित नहीं।

ऐसे में बेसिक शिक्षा विभाग के सेवारत शिक्षकों को टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) से राहत दिलाने के लिए अहम कदम उठाया गया है। योगी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उच्चतम न्यायालय द्वारा हाल ही में दिए गए आदेश के खिलाफ रिव्यू पिटीशन (समीक्षा याचिका) दाखिल की जाए।

मुख्यमंत्री का कहना है कि, राज्य सरकार शिक्षकों की योग्यता और अनुभव का सम्मान करती है। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश की समीक्षा में राज्य का पक्ष मजबूती से रखा जाए, ताकि सेवारत शिक्षकों को राहत मिल सके। सरकार का प्रयास रहेगा कि शिक्षक निश्चिंत होकर बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें और उनकी सेवाओं का सम्मान बना रहे। शिक्षा अधिकारियों का कहना है कि शासन स्तर पर जल्द ही एक बैठक होनी है। इसमें सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू याचिका दाखिल करने, अन्य राज्यों के रुख को देखने सहित अन्य संभावित विकल्पों पर विचार होगा।

उधर, शिक्षकों का कहना है कि 29 जुलाई 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों को शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत छूट मिली थी। मांग है कि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट में उनका पक्ष रखे और जरूरत पड़ने पर नियमों या अधिनियम में संशोधन कराए, ताकि पहले से कार्यरत शिक्षकों को राहत मिल सके।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से चिंतित हैं शिक्षक

एक सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि कक्षा एक से आठवीं तक पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए टीईटी पास करना अनिवार्य होगा। इससे लाखों सेवारत शिक्षक चिंतित हैं। उनका मानना है कि वर्षों की सेवा और अनुभव के बावजूद यदि उन्हें केवल एक परीक्षा के आधार पर अयोग्य करार दिया गया, तो यह उनके भविष्य और परिवार की आजीविका पर संकट ला सकता है। दरअसल, प्रदेश में लगभग डेढ़ लाख शिक्षक ऐसे हैं जो बगैर टीईटी के नियुक्त हुए हैं।

मदर डेयरी के सभी उत्पाद होंगे सस्ते

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की इकाई मदर डेयरी का टेट्रा पैक में मिलने वाला अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर दूध, पनीर, घी, मक्खन समेत लगभग सभी उत्पाद 22 सितंबर से सस्ते हो जाएंगे। पाउच में उपलब्ध फुल क्रीम, टोन्ड, काउ मिल्क आदि पर असर नहीं होगा।

- 22 से घट जाएंगी दूध पनीर, घी, बटर की कीमतें

एक लीटर यूएचटी दूध (टोन्ड) अब 77 की जगह 75 रुपये का मिलेगा जबकि 450 मिली. वाले डबल टोन्ड यूएचटी दूध की कीमत 33 से 32 रुपये हो गई है। पनीर के दाम तीन रुपये प्रति 200 ग्राम घटे हैं। बटर में चार रुपये प्रति 100 ग्राम की कमी हुई है। घी में 30 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है।

न्यूज ब्रीफ

युवक से किया कुकर्म नामजद रिपोर्ट

शीशगढ़, अमृत विचार : युवक को फुसलाकर जंगल में ले जाकर गांव के दो युवकों ने कुकर्म किया। पीड़ित के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पिता ने पुलिस को बताया कि उसके 18 वर्षीय बेटे को गांव के ही रूप बसंत व राम प्रसाद 14 सितंबर की शाम फुसलाकर जंगल में ले गए। जहां दोनों आरोपियों ने बेटे के साथ जबरन कुकर्म किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पीड़ित को मेडिकल को भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तांत्रिक पर बलात्कार के प्रयास का आरोप

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव धन्तिया में महिला ने एक तांत्रिक पर दुराचार करने के प्रयास का आरोप लगाया है। मामले की तहरीर थाने में दी गई है। पीड़ित ने बताया कि उनकी सास की तबियत खराब चल रही थी। उपचार के लिए वह अपनी सास व देवर के साथ गांव धन्तिया में बाबा बब्लू के पास गई थी। दिन भर इलाज कराने के बाद रात में तांत्रिक ने उसे अकेले बुलाकर अंधेरी कोठरी में ले जाकर गंदी बाते करना शुरू कर दिया और शरीर पर हाथ फेरने लगा। इस दौरान उसने जबरन दुराचार का प्रयास किया लेकिन वह बाबा के चंगुल से छूटकर भाग आई और परिजन को जानकारी दी। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर बाबा के खिलाफ कार्रवाईकी मांग की है।

नामी कंपनी के कपड़ों की बिक्री, छापेमारी

बहेड़ी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र में पूमा कंपनी की टीम ने दिल्ली होजरी नामक दुकान पर छापेमारी की। इस दौरान दुकान से 481 नग कंपनी के नकली कपड़े बरामद किए गए। कंपनी के प्रतिनिधि नरेश कुमार ने बताया उन्होंने टीम के साथ बहेड़ी कोतवाली में तहरीर दी। जिसके आधार पर पुलिस ने दुकान मालिक इजराइल अहमद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोप है कि इजराइल अहमद कंपनी के नाम से नकली माल बेचकर कंपनी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रहा था।

शादी का झांसा देकर बनाए यौन संबंध

फरीदपुर, अमृत विचार : थाना बिथरी चैनपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती को शादी का झांसा देकर फरीदपुर क्षेत्र के गांव निवासी युवक ने बार-बार यौन संबंध बनाए। इस दौरान युवक ने उसके अश्लील फोटो व वीडियो भी बना लिए अब उन्हीं को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा है। युवती ने फरीदपुर कोतवाली में लिखित तहरीर दी है। उसमें शादी का झांसा देकर यौन संबध बनाने और बार-बार जोर देने पर आरोपी ने उसे 8 लाख रुपए देने पर शादी करने की बात कही है। युवती ने तहरीर देकर आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

क्षेत्र पंचायत बैठक में हंगामा, बीडीओ को किया बंद

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. एके गंगवार व जिला पंचायत सदस्य छेदा लाल के बीच में हुई तीखी नोकझोंक, हर गांव में विकास की बात कही

संवाददाता, नवाबगंज।

अमृत विचार : क्षेत्र पंचायत की बैठक हंगामेदार रही। बैठक से पहले ही प्रधानों ने बीडीओ पर मनरेगा की लाखों की किस्त मात्र तीन पंचायतों में बांटने का आरोप लगाते हुआ जमकर हंगामा किया और उन्हें कमरे में बंधक बना लिया। बैठक हाल में ब्लाक प्रमुख की मौजूदगी में उनके प्रतिनिधि के साथ सदस्यों की तीखी नोकझोंक हुई। पूर्व ब्लाक प्रमुख ने बैठक के दौरान मंच पर ब्लाक प्रमुख के प्रतिनिधि की मौजूदगी को लोकतांत्रिक मर्यादा के विरुद्ध और सदन का अपमान बताया है।

नवाबगंज में क्षेत्र पंचायत की बैठक बिना प्रधान औरबीडीसी अपनी बात नहीं कह सके। सदन की बैठक में बाहरी व्यक्ति नहीं बैठ सकता है लेकिन क्षेत्र पंचायत की बैठक में ब्लाक प्रमुख के प्रतिनिधि मंच पर मौजूद रहकर बैठक मे सहभागिता की। एक सदस्य से तो उनकी नोंकझोंक भी हो गई। बीडीओ ने किसी तरह की नोंकझोक से इंकार किया है।

मंगलवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक हंगामेदार रही। पेंशन, पशुओं के इलाज और कोटेदारों द्वारा कम राशन तौलने जैसे मुद्दों को लेकर प्रधान संघ अध्यक्ष लालबहादुर गंगवार और जिला पंचायत सदस्य छेदा लाल दिवाकर के बीच नोकझोंक हुई।

लालबहादुर ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा कोटेदारों को ई-पाश मशीन देने के बावजूद वह कम राशन तौलते हैं। इस पर दिवाकर ने पलटवार करते हुए कहा कि कोटेदारों से हजारों रुपये की उगाही की जाती है, इसलिए वह मजबूरी में कम राशन देते हैं।

यह चर्चा खत्म हुई थी कि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. ए.के. गंगवार और जिला पंचायत सदस्य दिवाकर के बीच भी तीखी बहस हो गई। दिवाकर ने उन पर पक्षपात का आरोप लगाया तो डॉ. गंगवार ने जवाब देते हुए कहा कि ब्लॉक के हर गाँव में काम हुआ है, ऐसा कोई गाँव नहीं जहां कार्य न कराया गया हो।

बैठक में सांसद छत्रपाल गंगवार, विधायक डॉ. एम.पी. आर्य, ब्लॉक प्रमुख प्रज्ञा गंगवार, डॉ. अमित गंगवार, जिला पंचायत सदस्य मुन्ने अंसारी, छेदा लाल दिवाकर, बीडीओ ओमप्रकाश, सप्लाई इंस्पेक्टर सुनील भटनागर समेत क्षेत्र पंचायत सदस्य व प्रधान मौजूद रहे।

सांसद छत्रपाल गंगवार ने कहा कि गाँव-गाँव पेयजल योजना का कार्य अधूरा है, जिसे जल्द पूरा कराया जाएगा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख का आरोप

पूर्व ब्लॉक प्रमुख पिंटू गंगवार ने आरोप लगाया कि बैठक लोकतांत्रिक मर्यादा के विरुद्ध थी। मानक के हिसाब से सदन मेंबर उपलब्ध नहीं थे तो ब्लाक प्रमुख की मौजूदगी के बावजूद भी उनके प्रतिनिधि मंच पर मौजूद रहे। बैठक में केवल सदस्य ही भाग ले सकते हैं। लेकिन मीटिंग हाल में ज्यादातर बाहरी लोग बैठे थे। सीसीटीवी फुटेज से इसका खुलासा हो जाएगा।

उन्होंने सोशल मीडिया में जनप्रतिनिधियों से सवाल किया कि लोकसभा और विधानसभा सदन के दौरान वह अपने प्रतिनिधि को सदन में अपने बगल में बैठा सकते हैं। यदि नहीं तो क्षेत्र पंचायत की बैठक में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ने बैठकर सदन का अपमान किया है।

सांसद छत्रपाल गंगवार और विधायक डा. एमपी आर्य का स्वागत करतीं ब्लाक प्रमुख प्रज्ञा गंगवार।

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डा. एके गंगवार व जिला पंचायत सदस्य छेदालाल आपस में भिड़ते हुए।

> बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई। नोंकझोंक होने की बात गलत कही जा रही है।
> -प्रज्ञा गंगवार ब्लाक प्रमुख

> सभी जनप्रतिनिधि अपने साथ प्रतिनिधियों को लाते हैं वह बैठक में मौजूद रहते हैं। इसलिए आपत्ति नहीं होती है। बैठक में कोई विवाद नहीं हुआ था।
> -ओमप्रकाश प्रजापति बीडीओ

> सांसद विधायक जी चाहेंगे तो वह बैठक में बैठ सकते हैं। विधायक ने कहा कि मंच पर बैठो तो वह मंच पर बैठे थे। उनका विवाद नहीं हुआ था वह सदस्य की बात का जवाब दे रहे थे।
> -डा. एके गंगवार, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि

प्रधानों ने बीडीओ को दफ्तर में किया नजरबंद

बैठक शुरू होने से पहले ही प्रधानों ने बीडीओ ओमप्रकाश प्रजापति पर मनरेगा की लाखों की किस्त मात्र तीन पंचायतों में बांटने का आरोप लगाते हुआ जमकर हंगामा किया। आक्रोशित प्रधानों ने बीडीओ को आधे घंटे तक ब्लॉक दफ्तर में बंद कर नारेबाजी की। बीडीसी बैठक में मौजूद ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. एके गंगवार ने ग्राम प्रधानों को समझा बुझाकर ताला खुलवा कर बीडीओ को आजाद कराया।

दो जगह आग लगने से नुकसान

मीरगंजः क्षेत्र के ग्राम सिंधौली में बीती रात एक गरीब की झोपड़ी पूरी तरह से जलकर राख हो गयी और महिला भी झुलस गयी। गांव सिंधौली में पीलाखार नदी के पास सत्यवीर कश्यप का परिवार फूस की झोपड़ी में आग लग गई। रात खाना खाकर परिजन सो रहेथे तभी आग की तपिश से लोगों की आंख खुली आग बुझाने के प्रयास में पत्नी जशोदा झुलस गई। आग से गृहस्थी का सामान राख हो गया है।

इशरत खान की कोयला भट्टी में अचानक आग लग गई। दमकल टीम ने आग पर काबू पा लिया।

हिंजामं अध्यक्ष हिरासत में, हंगामा

रिठौरा। कस्बा में सोमवार को मनोनीत हुए हिंदू जागरण मंच के नगर अध्यक्ष सुरेंद्र गंगवार का पड़ोस के राजाराम सक्सेना की बेटियों के साथ झगड़ा हो गया। पुलिस ने दोनों पक्षों से सुरेंद्र गंगवार, नितिन सक्सेना को हिरासत में ले लिया। सुरेंद्र गंगवार को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया जबकि राजाराम के बेटे नितिन सक्सेना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया। मंगलवार सुबह मंच के पदाधिकारियों नगर अध्यक्ष को छुड़ाने को नारेबाजी की। थानाध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने सफाई दी तो मामला शांत हुआ।

होम्योपैथी विभाग के कर्मी का शव बंद मकान में मिला

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : मोहल्ला बिजौंरिया मार्ग स्थित गोल्डन सिटी कॉलोनी में मंगलवार शाम उस समय सनसनी फैल गई जब एक मकान के अंदर युवक का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान सुरजीत पुत्र महेश कुमार निवासी ग्राम गरेम के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, सुरजीत फरीदपुर के रजऊ स्थित होम्योपैथिक विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी था। सोमवार सुबह वह नौकरी पर गया था और शाम को अपने नए मकान, गोल्डन सिटी में आकर रुक गया। मंगलवार को जब उसका फोन रिसीव नहीं हुआ तो बड़ा भाई पंकज, जो उसी विभाग में कार्यरत है, शाम करीब छह बजे घर पहुंचा। मकान अंदर से बंद था। परिजनों और मोहल्लेवालों की मौजूदगी में दरवाज़े का ताला आरी से काटा गया, तो गेट के पास ही सुरजीत का शव पड़ा मिला।

दोनों भाई फरीदपुर के रजऊ में नौकरी करते थे। करीब दो साल पहले ही परिवार ने बिजौंरिया मार्ग स्थित गोल्डन सिटी में दो मंजिला मकान बनवाया था, जहाँ सुरजीत और पंकज अक्सर ड्यूटी के बाद रुक जाते थे।

नदी से महिला का शव बरामद

फतेहगंज पश्चिमी : शंखा नदी में मंगलवार दोपहर एक अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से महिला के शव को नदी से बाहर निकाला। शव की पहचान नहीं हो सकी थी।

नहाने गये युवक की नदी में डूबकर मौत

संवाददाता, भुता

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के ग्राम खजुरिया संपत निवासी युवक बहगुल नदी में नहाने गया। वह नहाने के लिए पुल से नदी में कूदा और उसमें डूब गया। ग्रामीणों ने उसे निकालने का प्रयास किया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

थाना क्षेत्र के ग्राम खजुरिया संपत निवासी प्रेम शंकर का बेटा शिवम शर्मा(25) मंगलवार फैजनगर में बहगुल नदी में पुल से नहाने के लिए कूदा था लेकिन गहरे पानी में डूब जाने से वह निकल नहीं पाया वहगुलनदी के पुल नहाने के लिये कूदा था। लेकिन वह गहरे पानी में जाने से डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस से शव का पोस्टमार्टम करने के लिए मना कर दिया। मृतक दो भाई है। परिजनों ने बताया कि हिमाचल में प्राइवेट कंपनी में काम करता था। तीन दिनों पहले ही घर आया था।

ट्रक चालक की हापुड़ में मौत, घर में मचा कोहराम

भमोराः हाइवे पर वाहन की टक्कर से ट्रक पलटने से चालक की मौत हो गई। हापुड़ में हुई दुघर्टना के बाद मंगलवार को शव गांव पहुंचने पर घर में कोहराम मचा है।

ग्राम सिरोही निवासी नवाब खां के तीन पुत्रों में दूसरे नंबर का पुत्र रिजवान उम्र 30 वर्ष सोमवार को अपना ट्रक लेकर हापुड़ जाने की बात कह कर गया था। देर रात हापुड़ हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से ट्रक पलट गया। जिससे रिजवान की ट्रक में दबकर मौत हो गई। हापुड़ पुलिस की सूचना पर परिवार को सूचना दी गई।

आंवला के व्यक्ति की करनाल में हादसे में मौत

आंवलाःरामनगर गांव निवासी प्रदीप चौहान (30) पुत्र रंजन चौहान करनाल में कई वर्षो से काम करते थे। 5 सितंबर को वह अपनी बाइक से मिल जा रहे थे। रास्ते में अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। राहगीरों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा। जहां मंगलवार की उनकी इलाज के दौरान मौत हो गयी। मंगलवार को शव गांव पहुंचा। शाम को उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

लापता युवक का शव झाड़ियों में मिला, हत्या की आशंका

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : सोमवार रात से लापता युवक का शव मंगलवार शाम रहपुरा अंडरपास के पास सर्विस रोड किनारे झाड़ियों में बरामद हुआ। युवक के सिर पर चोटों के निशान थे और आंख, नाक, कान से खून निकल रहा था। परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका जताई है। पुलिस हादसा और हत्या दोनों बिदुओं पर जांच कर रही है।

गांव बल्लिया निवासी हिमांशु मिश्रा (28) जुन्हाई बिजली घर पर कंप्यूटर ऑपरेटर था। सोमवार शाम वह बाइक से अपने चाचा के घर श्राद्ध में बरेली गया था। रात नौ बजे पत्नी को फोन कर घर लौटने की बात कही थी। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। रातभर परिजन उसकी तलाश करते रहे। सुबह स्कूल जाते छात्रों ने रहपुरा अंडरपास के पास लावारिस खड़ी बाइक देखकर पुलिस को सूचना दी। जब परिजन थाना पहुंचे तो वहां बाइक देखी। पुलिस की जानकारी पर वे उसी स्थान पर तलाश में जुटे और करीब 50 मीटर दूर घने पेड़ों के बीच हिमांशु का शव मिला। सूचना पर थाना प्रभारी अभिषेक कुमार, एसपी उत्तरी मुकेश मिश्रा और सीओ हाइवे शिवम आशुतोष कुमार सिंह मौके पर पहुंचे।

गन्ना समिति परिसर में मांगों को लेकर दिया धरना

बहेड़ी, अमृत विचारः भारतीय किसान यूनियन टिकैत के तहसील अध्यक्ष राजेश गुप्ता के नेतृत्व में किसानों ने गन्ना समिति में अपनी मांगों को लेकर धरना दिया और चार सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। इसमें कहा गया कि हर माह किसानों के साथ बैठक होने के बाद भी उनकी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। किसानों ने मांग कि तीन वर्षों से गन्ना मूल्य में वृद्धि नहीं हुई है जबकि दवाई खाद अन्य चीजों के रेट आसमान छू रहे हैं। आवारा पशुओं से किसानों की फसल नष्ट हो रही है। इस दौरान तमाम किसानों ने यूनियन की सदस्यता भी ग्रहण की। इस दौरान किसान नेता चौधरी जगत सिंह, यामीन मलिक सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

गन्ना समिति पर प्रदर्शन करते किसान नेता।

अरिल नदी के काले पानी से मछलियां मरीं, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

आंवला। क्षेत्र की अरिल नदी में एक सप्ताह से दुर्गंधयुक्त काला पानी आने से ग्रामीणों में आक्रोश और भारी चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर दूषित और दुर्गंध पानी को साफ कराकर नदी में छुडवाने की मांग की है।

डरुआपुर गांव के ग्रामीणों ने बताया कि निराश्रित गोवंश इसी पर निर्भर रहते थे। ग्रामीणों का आरोप है कि बिशारतगंज के इस्माईलपुर इलाके में बनी फैक्ट्रियों से कैमिकल युक्त गंदा पानी सीधे नदी में छोड़ा जा रहा है, इसी कारण मछलियां मर रही हैं और पशुओं ने नदी का पानी पूरी तरह से पीना बंद कर दिया है। गांववासियों ने प्रशासन से मांग की है कि फैक्ट्रियों का गंदा पानी साफ करने के बाद ही नदी में छोड़ा जाए।

इस दौरान रंजीत, पूरनलाल, राधेश्याम, मोरपाल, रामकुमार, सौरभ कुमार, धर्मवीर, हरीश, छोटेलाल, बनवारीलाल, रामदास आदि ग्रामीण मौजूद रहे। एसडीएम आंवला विदुषी सिंह ने बताया कि उक्त मामला उनके संज्ञान में है। बुधवार को जांच कराकर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

आंवला में बैंडबाजों के साथ नगर में भव्यता से निकाली श्रीराम बरात

आंवला, अमृत विचारः रामलीला मेला दशहरा कमेटी की ओर से मंगलवार को नगर में श्रीराम बरात निकाली गयी।

बारात का शुभारंभ भाजपा के बृज क्षेत्र अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य द्वारा किया गया। इस दौरान वीरसिंह पाल, अमित कुशवाहा, रामनिवास मौर्य, नंदकिशोर मौर्य, संजय अग्रवाल दिनेश मौर्य आदि रहे।

गणेश पूजन के साथ रामलीला मेले का शुभारंभ

बहेड़ी। 167 वें मेला श्रीरामलीला मेले के आगाज पर परंपरागत रूप से गणेश पूजन और हवन कर झंडा फहराया गया। एसडीम रत्निका श्रीवास्तव और मेला कमेटी के सदस्यों ने संयुक्त रूप से रामलीला मंचन स्थल पर गणेश पूजन और हवन कर मेले परिसर में झंडा में फहराया। इस अवसर पर भाजपा नेता अजय जायसवाल बॉबी, ईओ शशि प्रभा चौधरी, प्रमोद अग्रवाल आदि रहे।

शहरा मेला आज से सेना ने दी अनुमति

नवाबगंज : नगर का ऐतिहासिक दशहरा मेला 17 सितम्बर से आरम्भ होगा। सेना ने अपनी भूमि पर होने वाले 22 दिवसीय मेले के लिए रामलीला सोसाइटी के पक्ष में अनुमति जारी की है। मेलाध्यक्ष रबिन्द्र पाल गंगवार ने बताया कि विशेष आयोजनों के साथ मेला 6 अक्टूबर तक चलेगा।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना
मैंने अपने छोटे पुत्र अंशुल सक्सेना को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **माया सक्सेना पत्नी स्व. विशाल सक्सेना निवासी 831/45, शान्ति बिहार सिठौरा रोड, मढ़ीनाथ, बरेली**

सूचना
मैंने अपना नाम सृष्टि कटियार व पिता का नाम वीरेन्द्र कटियार व पता 140/ ए जेड़ 1, हेमंत बिहार, बर्रा 1, पोस्ट बर्रा जिला कानपुर नगर बदल लिया है। अब मुझे सृष्टि पटेल व पति को अनिमेष पटेल निवासी मकसूदपुर परगना व थाना पसगवां खीरी के जाना पहचाना जाएं। आज दिनांक 16 सितंबर से मुझे उपरोक्त नाम व पते से जाना जाए

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का नाम आधार कार्ड में भूलवश नाम अंशुमन रस्तोगी लिख गया है जबकि उसका वास्तविक नाम युवांश रस्तोगी है। अन्य दस्तावेजों में भी उसका नाम युवांश रस्तोगी ही दर्ज है। **प्रिया रस्तोगी पुत्री राजेश कुमार रस्तोगी निवासी म.नं. 43 सनराइज एनक्लेव फेस 2 डोहरा गांव, बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र उमेश कुमार व उसकी पत्नी रेखा को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **रोशन लाल पुत्र झब्बू लाल निवासी मोहल्ला मिश्रन टोला थाना जहानाबाद पीलीभीत।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

भगवान कृष्ण ने बचाई ब्रजवासियों की जान

बरेली, अमृत विचार : बाबा त्रिवटीनाथ मंदिर में श्री राधा माधव संकीर्तन मंडल की ओर से आयोजित रासलीला भक्तलीला के सातवें दिन श्री नाथ प्रकटोत्सव और गोवर्धन पूजा की लीला का मंचन किया। वृंदावन से पधारे डॉ. स्वामी देवकीनंदन महाराज ने बताया कि कैसे भगवान कृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र की पूजा करने से रोका और गोवर्धन पर्वत की पूजा करने के लिए कहा। इससे इंद्र क्रोधित हो गए और उन्होंने ब्रज में भारी वर्षा कर दी। भगवान कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की। इस अवसर पर अन्नकूट महोत्सव का भी प्रारंभ हुआ, जिसमें नई अनाज और विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भगवान कृष्ण को भोग लगाया जाता है। लीला का विश्राम प्रसाद वितरण के साथ हुआ। बुधवार को दानवीर कर्ण की लीला का मंचन होगा। आयोजन में जुगल किशोर, मोहन गुप्ता, सुरेश मिन्ना, मीडिया प्रभारी कैलाश चंद्र शर्मा, विकास शर्मा, आशीष, प्रेम शंकर अग्रवाल, नवीन गोयल, संजय शर्मा, रिंकू आदि का सहयोग रहा।

नईम अहमद बने तकनीकी मेंबर व प्रभारी संयोजक

बरेली, अमृत विचार : स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने इंटरनेशनल बोर्ड स्कूल्स स्पोर्ट्स ऑर्गेनाइजेशन को निलंबित कर दिया है। इसकी वजह कुछ शिकायतें और अनियमितताएं बताई गई हैं। हालांकि फेडरेशन ने यह सुनिश्चित किया है कि अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड के स्कूलों के छात्र-खिलाड़ियों को खेलों से दूर न रहना पड़े, इसके लिए एक अस्थायी समिति बनाई है, जिसमें राजकीय इंटर कॉलेज के शारीरिक शिक्षक नईम अहमद को तकनीकी मेंबर और प्रभारी संयोजक बनाया है। इस व्यवस्था के तहत, स्कूलों के जो बच्चे खेलों में रुचि रखते हैं और खेलों में भाग लेते हैं। विजेता बनकर राज्य स्तर की प्रतियोगिता जीतते हैं। ऐसे खिलाड़ियों को परेशानी नहीं होगी। वह राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे और उनकी प्रतिभा को पहचाना जाएगा।

अतिक्रमण हटाने पर नोक-झोंक सामान जब्त, फिर सज गईं दुकानें

नगर निगम ने कर्मचारी नगर, बटलर प्लाजा के बाहर चलाया अभियान, 55 हजार वसूले

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बदायूं रोड पर नाले के ऊपर से हटाया गया अतिक्रमण
- बदायूं पुल रोड से करगैना तक आज चलेगा अभियान

अमृत विचार : शहर में हर रोड पर बेतरतीब ढंग से दुकानों के बाहर तक सामान पसरा नजर आता है। अतिक्रमण के चलते सिकुड़ती सड़कों पर लगने वाले जाम से लोगों को रोजाना जूझना पड़ता है। नगर निगम की टीम ने सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए लगातार अभियान चला रही है। यह अलग बात है कि टीम के हटते अतिक्रमणकारी फिर सड़कों पर कब्जा कर लेते हैं। बटलर प्लाजा और कर्मचारी नगर समेत अन्य इलाकों में अतिक्रमण हटाने के दौरान टीम की दुकानदारों के साथ तीखी नोकझोंक भी हुई। विरोध के बीच अतिक्रमण हटाकर और सड़कों पर सजा सामान जब्त कर अतिक्रमणकारियों से 55 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला।

सड़क पर किए अतिक्रमण को जेसीबी से हटवाती नगर निगम की टीम। ● अमृत विचार

नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को देर शाम सुभाष नगर इलाके के बदायूं पुल से लेकर चुंगी तक रोड किनारे का अतिक्रमण हटाया था। इसके बाद सोमवार की सुबह टीम ने चुंगी से लेकर वाजपेयी डेरी तक अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया। नगर निगम की टीम के जाते ही लोगों ने दोबारा अतिक्रमण कर लिया। इसके साथ ही कर्मचारी नगर, बटलर प्लाजा और जीआईसी इंटर कॉलेज के बाहर से अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया। इस दौरान कई स्थानों पर स्थानीय दुकानदारों और टीम के बीच नोकझोंक भी हुई।

टीम ने सार्वजनिक स्थलों पर रखे टेबल, ठेले, रेहड़ियां और अन्य सामान जब्त कर लिया।नगर निगम की टीम ने बटलर प्लाजा के सामने सड़क किनारे लगे टीन शेड और ठेले हटाने शुरू किए, तो कुछ दुकानदार बिगड़ गए और बहस करने लगे।, मौके पर मौजूद पुलिस बल ने स्थिति को संभालते हुए कार्रवाई को बिना रुके अभियान को पूरा कराया। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. भानु प्रकाश ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से बदायूं रोड पर नाले के ऊपर से अतिक्रमण को हटाया गया। अतिक्रमण हटाने के साथ ही अतिक्रमण कारियों से 55 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। बुधवार को सुबह बदायूं पुल रोड से करगैना तक व्यापक रूप से अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

छात्रों को बताया श्री हनुमान चालीसा का महत्व

बरेली, अमृत विचार: संजयनगर के प्रतिमा मेमोरियल जूनियर हाई स्कूल में मंगलवार को बाल रामायण के रचयिता डॉ. दीपंकर गुप्त ने बाल सभा में कहा कि सनातन संस्कृति की रक्षा और संवर्धन के लिए हमारी नई पीढ़ी में शिक्षा के साथ संस्कारों की महत्वपूर्ण भूमिका सदैव से वंदनीय और अभिनंदनीय है। अच्छे भाव और विचार हमें उच्च संस्कारों से ही मिलते हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन गाथा बाल रामायण हमारे ऐसे ही आदर्श जीवन का निर्माण करती है और हमारी सनातन पीढ़ी में सांस्कृतिक चेतना को जाग्रत करती है। उन्होंने प्रधानाचार्य सुमन शर्मा, प्रबंधिका नीलम झा को सनातन सम्मान पत्र भेंट किया। सचिन शर्मा को भी सम्मानित किया। इसके साथ ही सनातन संस्कृति ज्ञान प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया।

सेपक टाकरा में बरेली के खिलाड़ियों का दबदबा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- अयोध्या में प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ टीमों का चयन
- मेजर ध्यानचंद स्टेडियम साई सेंटर में हुआ प्रतियोगिता का आयोजन

अमृत विचार: आरएन टैगोर इंटर कॉलेज ने सोमवार को मेजर ध्यानचंद स्टेडियम साई सेंटर मैदान पर सेपक टाकरा मंडलीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया।

प्रतियोगिता में बरेली और शाहजहांपुर की बालक वर्ग की टीमों ने हिस्सा लिया। बालक वर्ग में अंडर-19 और अंडर-17 दोनों श्रेणियों में बरेली की टीम विजेता रही। प्रतियोगिता के बाद अयोध्या में होने वाली सेपक टाकरा प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए मंडलीय टीमों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों में अंडर-19 बालक वर्ग में बरेली के मोहम्मद अबू सुफियान, सागर राय, अभय तोमर, मुकुल तोमर और राहुल पाल और अंडर-17 बालक वर्ग में बरेली के कृष्णा चावला, अनमोल सिंह, सुमित और शाहजहांपुर के अनुराग वर्मा, सार्थक शर्मा शमिल हैं। अंडर-14 बालक वर्ग में बरेली के देवांश, आयुष सिंह, कृष्णा सागर, पवन और अभिषेक और अंडर-17 बालिका वर्ग में बरेली की अंशिका, शानू, प्रतिमा, राखी और निशा और अंडर-14 बालिका वर्ग में बरेली की अल्फा, वंशिका, अदिति पाल और राखी का चयन हुआ।

गंदा पानी आने से दो दिन से लोग हो रहे परेशान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सुरेश शर्मा नगर क्षेत्र की अरोड़ा कोठी रोड स्थित कॉलोनियों में टंकियों से गंदे पानी की सप्लाई हो रही है। बदबूदार पानी आने से लोग काफी परेशान हैं। स्थानीय लोगों ने नगर निगम से शिकायत की लेकिन मंगलवार दोपहर तक स्थिति जस की तस बनी रही।

तीन कॉलोनियों में करीब 50 परिवार रहते हैं। सोमवार सुबह जैसे ही महिलाओं ने टंकी के नीचे बाल्टी लगाई तो गंदा पानी आने लगा। शाम तक भी स्थिति ऐसी ही रही जिस पर लोगों ने नगर निगम के कंट्रोल रूम में शिकायत दर्ज कराई लेकिन मंगलवार तक भी कोई सुनवाई नहीं हुई है। कई लोग बाजार से पीने के लिए पानी के कैंफर व बोतलें भी लाए।

अरोड़ा कोठी में आ रहा गंदा पानी ।

नगर निगम में शिकायतें लेकर पहुंचे फरियादी, मिला सिर्फ आश्वासन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- जनसुनवाई में टैक्स विसंगति, स्ट्रीट लाइटें न जलना समेत रहीं जनता की शिकायतें

अमृत विचार : नगर निगम के मीटिंग हॉल में मंगलवार को जनसुनवाई में बड़ी संख्या में फरियादी शिकायतें लेकर पहुंचे। अधिकांश शिकायतें टैक्स संबंधी दिक्कतों, स्ट्रीट लाइट और अतिक्रमण समेत अन्य समस्याओं की रहीं लेकिन फरियादियों को इस बार भी अफसरों की ओर से हर बार सिर्फ आश्वासन ही दिया गया।

मीटिंग हाल में सुबह 10 बजे जनसुनवाई शुरू होने से पहले ही फरियादी पहुंच गए। रहपुरा चौधरी की पुष्पलता ने बताया कि उनके मकान का बिल बढ़कर आ रहा है, जबकि मकान में कोई नया निर्माण नहीं कराया। इस पर उन्हें जांच कराने का आश्वासन मिला। बाग ब्रिगटान निवासी सैमुअल ने लाइट लगवाने की मांग की, जबकि कटघर निवासी हामिद अली और बुखारपुरा निवासी युवक ने अवैध अतिक्रमण की शिकायत दर्ज कराई। नगर निगम अधिकारियों ने सभी को जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया। जनसुनवाई में संयुक्त नगर आयुक्त मंयक यादव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भानू प्रकाश, उप नगर आयुक्त पूजा त्रिपाठी, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी समेत कई पार्षद भी मौजूद रहे।

अभिषेक के गोल से फाइनल में पहुंची बरेली की टीम

कार्यालय सवाददाता, बरेली

- प्रदेशीय विद्यालयी फुटबॉल प्रतियोगिता में क्वार्टर फाइनल में बरेली ने गोरखपुर को हराया

अमृत विचार: गाजीपुर में 69वीं प्रदेशीय विद्यालयी फुटबॉल प्रतियोगिता में बरेली मंडल की अंडर-17 टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए सेमीफाइनल में बरेली ने मेजबान वाराणसी मंडल को कड़े संघर्ष में 1-0 से मात दी। मैच का निर्णायक गोल दूसरे हाफ के 20वें मिनट में अभिषेक ने दागा, जिसने टीम को फाइनल का टिकट दिला दिया।

इससे पहले क्वार्टर फाइनल में बरेली ने गोरखपुर पर 3-0 की बड़ी जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। बुधवार को फाइनल में बरेली का मुकाबला स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई इटावा से होगा। टीम के मैनेजर आदेश सिंह यादव और कोच आशु भारती लगातार खिलाड़ियों को रणनीति और मानसिक मजबूती देकर मैदान पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर रहे हैं। टीम की इस उपलब्धि पर मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक राकेश कुमार, मुन्ने अली, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अजीत कुमार, जीआईसी प्रिंसिपल ओम प्रकाश राय ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

बीटेक की रिक्त सीटों पर काउंसिलिंग की तिथि तय

बरेली, अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय में एमटेक और बीटेक की रिक्त सीटों पर काउंसिलिंग की तिथि 19 सितंबर निर्धारित की हैं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल में एमटेक की काउंसिलिंग सुबह 10 से 11 बजे तक तक होगी। इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की काउंसिलिंग सुबह 11 से दोपहर 12 बजे तक होगी। बीटेक लेटरल एंट्री में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग और मेकेनिकल इंजीनियरिंग में काउंसिलिंग सुबह 9 से 10 बजे तक होगी। बीटेक की इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल और मेकेनिकल इंजीनियरिंग में स्पॉट काउंसिलिंग भी सुबह 9 से 10 बजे तक होगी।

- एमएससी गणित में रिक्त सीटों पर सेकेंड स्पॉट काउंसिलिंग 18 सितंबर को गणित विभाग में सुबह 10 बजे से होगी

अमृत विचार

बरेली, बुधवार,17 सितंबर 2025

चकबंदी लेखपाल समेत 4 पर रिपोर्ट

आंवला, अमृत विचार: चकवंदी लेखपाल पर भ्रष्टाचार की शिकायत करने से नाराज होकर अपने साथियों के साथ उसके बेटे पर चाकू से हमला कर लहूलुहान करने और पुत्रवधू को मारने पीटने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने के आरोप विधवा ने लगाए हैं। घटना के 22 दिन बाद लेखपाल समेत 4 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। गांव मधपुरी मजरा दिगोई निवासी नेकपाल की विधवा उर्मिला देवी ने बताया कि चकबन्दी लेखपाल अवधेश कुमार यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत की थी। उसके बेटे फूल सिंह के मोबाइल में रिश्वत से सम्बन्धित रिकार्डिंग थी। इस बात पर लेखपाल रंजिश मानने लगा। गांव निवासी लेखपाल के साथ गांव के ही जयलाल, विजय शर्मा, दिगोई निवासी संजीव सिंह भ्रष्टाचार करने में मदद करते हैं।

श्रद्धा से मनाया ज्योति ज्योत पर्व

अखंड पाठ साहिब के समापन पर कीर्तन, अरदास और अटूट लंगर में उमड़ी संगत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बाहर से आए रागी जत्थों ने भावविभोर किया

अमृत विचार: श्री गुरु नानक देव जी के ज्योति ज्योत पर्व पर गुरुद्वारों में भक्ति और श्रद्धा का माहौल रहा। 10 सितंबर को शुरू हुआ श्री संपट अखंड पाठ साहिब का मंगलवार को समापन हुआ। पाठ के समापन के बाद श्रद्धालुओं ने आरती की और पुष्प वर्षा कर गुरु चरणों में नमन किया।

सुबह 10 बजे मुख्य दीवान सजा, जिसमें अखंड कीर्तनी जत्थे ने मधुर कीर्तन प्रस्तुत किया। इसके बाद सचखंड गली बताशे वाली से आए बच्चों और मनदीप सिंह और उनके साथियों ने कीर्तन किया, जिसने संगत को भावविभोर कर दिया। दोपहर 12 बजे विशेष रूप से दिल्ली से आए चरणजीत सिंह हीरा ने कीर्तन शबद गायन कर श्रद्धालुओं को निहाल किया। इसके बाद पटना साहिब से पधारे सरबजीत सिंह ने भी कीर्तन प्रस्तुत कर संगत का मन मोह लिया। श्री आनंद साहिब जी का पाठ हुआ। इसके बाद अरदास कराई गई और गुरु ग्रंथ साहिब जी को कीर्तन करते हुए सचखंड में विश्राम कराया गया। कार्यक्रम के बाद गुरु का अटूट लंगर दोपहर 1 से शाम 4 बजे तक चलता रहा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। गुरुद्वारा के प्रधान रविंदर पाल सिंह कालरा ने बताया कि 17 सितंबर को सुबह 9 बजे से श्री संपट अखंड पाठ साहिब का एक और क्रम आरंभ होगा, जिसकी संपूर्णता 19 सितंबर की सुबह 9 बजे होगी। समापन अवसर पर विशेष दीवान और लंगर का आयोजन होगा। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने इस पावन अवसर पर सहयोग देने वाली संगत का आभार प्रकट किया। इस मौके पर गुरुद्वारा महासचिव गुरमीत सिंह, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार, प्रीतम सिंह, जितेंद्र कुमार और मनोज मूलचंदानी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

गुरुद्वारा बताशे वाली गली में सजे दीवान में कीर्तन करता रागी जत्था। • अमृत विचार

आई लव मोहम्मद लिखने पर एफआईआर अधिकारों का उल्लंघन

बरेली, अमृत विचार: कानपुर में 'आई लव मोहम्मद' लिखे पोस्टर लगाने के मामले में 25 युवकों पर रिपोर्ट की कार्रवाई का आला हजरत से जुड़े संगठन विरोध कर रहे हैं। जमात रजा-ए-मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान हसन खान (फरमान मियां) ने कार्रवाई को भारतीय संविधान के मूल अधिकारों का खुला उल्लंघन करार दिया।

उनका कहना है कि आई लव मोहम्मद लिखना कोई अपराध नहीं। व्यक्तिगत आस्था और सम्मान की अभिव्यक्ति है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त है। पैगम्बर हजरत मोहम्मद से प्रेम जताना इसी अधिकार का हिस्सा है, जिसे किसी भी कानून से रोका नहीं जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि अनुच्छेद 25 हर व्यक्ति को अपने धर्म का पालन और प्रचार करने की स्वतंत्रता देता है, वहीं अनुच्छेद 21 नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। ऐसे में धार्मिक प्रेम की अभिव्यक्ति पर कार्रवाई करना असंवैधानिक है।

मौलाना बोले, सुन्नी वक्फ बोर्ड बना भ्रष्टाचार का अड्डा

- सीएम से की बोर्ड को भंग करने की मांग, बोले, अखिलेश यादव का करीबी 18 साल से अध्यक्ष

बरेली, अमृत विचार : ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि सुन्नी वक्फ बोर्ड करप्शन का अड्डा बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से मांग की है कि वक्फ बोर्ड उत्तर प्रदेश को जल्द से जल्द भंग किया जाए।

उन्होंने कहा कि ये जुमला लखनऊ में काफी मशहूर है कि वक्फ बोर्ड के दरवाजे से अन्दर कदम रखते ही बोर्ड की दीवारों से आवाजें आती हैं कि यहां की एक-एक ईंट पैसा मांगती है। बोर्ड के सदस्य, कर्मचारी और उच्च पदों पर बैठे हुए लोग करप्शन में लिप्त हैं। एक छोटी सी मस्जिद की कमेटी या काब्रिस्तान की कमेटी या दरगाह की कमेटी बनवाने के लिए सालों साल बोर्ड कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं और बगैर रिश्वत दिए काम नहीं हो सकता। अब इस तरह के बोर्ड की जरूरत नहीं है, इसको तत्काल प्रभाव से उत्तर प्रदेश सरकार भंग करने की घोषणा करे।

मौलाना ने आगे कहा कि योगी सरकार करप्शन में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। मुसलमानों की सबसे बड़ी संस्था वक्फ बोर्ड से सम्बंधित सभी लोगों के करप्शन की जांच की जानी चाहिए। इन लोगों के खिलाफ उत्तर प्रदेश के कई जनपदों में मुकदमे लिखे हुए हैं, उन पर भी कार्रवाई होना चाहिए। बोर्ड के उच्च पद पर बैठे हुए समाजवादी पार्टी के समर्थक को भी बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए। बोर्ड के अध्यक्ष सपा मुखिया अखिलेश यादव के खास हैं। सपा शासन काल में भी वह अध्यक्ष थे और आज भी भाजपा के पहले शासनकाल और दूसरे शासन काल में भी अध्यक्ष बने हुए हैं। वह भाजपा के लोगों से पूछना चाहते हैं कि इनके अंदर कौन सी खूबियां हैं जिसकी वजह से अखिलेश यादव के खास को अध्यक्ष बना रखा है। बोर्ड के अध्यक्ष बसपा शासनकाल में 5 साल अध्यक्ष रहे, फिर सपा शासन काल मे 5 साल अध्यक्ष रहे।

ओजोन परत संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी

बरेली, अमृत विचार: मानव सेवा क्लब ने नैनीताल रोड मार्ग पर मंगलवार को विश्व ओजोन दिवस और इंजीनियर्स डे पर एक गोष्ठी और सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बरेली कालेज के चीफ प्रॉक्टर और वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. आलोक खरे ने कहा कि ओजोन परत हमारी पृथ्वी और मानव की सुरक्षा कवच है। इसका घटता आकर गम्भीर चिंता का विषय है। इसको संरक्षित करने का सबसे सरल उपाय पौधे लगाना है। मानव सेवा क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र बीनू सिन्हा ने कहा कि धरती की तीव्र गर्मी को देखते हुए हमें एसी के प्रयोग पर नियंत्रण करना चाहिए। इंजीनियर्स डे पर इंजीनियर्स केबी अग्रवाल, प्रदीप माधवार, एएल गुप्ता, महेश चंद्र शर्मा, डीडी शर्मा और वेदप्रकाश सक्सेना का सम्मान किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अतिथि रोटरी गवर्नर सीए राजेन विद्यार्थी, प्रकाश चंद्र सक्सेना, गंगाराम पाल, मधुरिमा सक्सेना, निर्भय सक्सेना, अभय सिंह भटनागर, अखिलेश कुमार, अविनाश सक्सेना, डॉ. एमएम अग्रवाल,कल्पना सक्सेना, अरुणा सिन्हा, मंजू लता सहित अन्य मौजूद रहे।

ओजोन दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता

बरेली, अमृत विचार: रानी अवंतीबाई महिला महाविद्यालय में मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य प्रो. संध्या रानी शाक्य ने की। वनस्पति विज्ञान की असि. प्रो. डॉ. निशा वर्मा ने छात्राओं को ओजोन परत के महत्व पर जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. रंजू राठौर, डॉ. पंकज अग्रवाल, डॉ. विकास वी पटेल , डॉ. सुरभि श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

दवाओं के सैंपल रिपोर्ट का इंतजार, कई दवा कारोबारियों की बढ़ेंगी मुश्किलें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आगरा में नकली दवाओं की बिक्री का मामला उजागर होने पर हरकत में आए अफसर
- दवाओं के नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद कई कारोबारियों पर कार्रवाई की आशंका

अमृत विचार : आगरा में नकली दवाओं की बिक्री का खेल उजागर होने के बाद प्रदेश भर में अलर्ट जारी है इसी क्रम में बरेली के अफसर भी लगातार हर बिंदु पर जांच कर रहे हैं। अफसरों के अनुसार अब जिले में आगरा से दवाओं की खरीद करने वाले मंडल के 16 दवा कारोबारियों कर मुश्किलें बढ़ सकती है।

दरअसल, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग के अफसरों ने आगरा के मंगाई गईं दवाओं के स्टाक के साथ ही बिल भुगतान संबंधी ब्यौरा मांगा गया है। इसके साथ ही 15 से अधिक दवाओं के सैंपल जो पूर्व में लैब को जांच को भेजे गए है इनकी जांच रिपोर्ट का भी अफसर इंतजार कर रहे हैं दरअसल इन दवाओं के इन नमूनों में वह दवाएं भी शामिल हैं जो कि आगरा से खरीदी गई हैं। सूत्रों के अनुसार आगरा की जिस फार्मा कंपनी से दवाओं की सप्लाई हुई हैं अन्य जिलों के साथ ही बरेली में भी इनके सप्लायर मौजूद हैं। हालांकि दवा के सैंपलों की जांच रिपोर्ट आने के बाद कई कारोबारियों को जांच के दायरे में लिया जा सकता है।

तो सस्ते दामों पर मिली थीं दवाएं : आगरा से जो सप्लाई बरेली के दवा कारोबारियों ने ली है उनको अन्य कंपनियों की तुलना में कुछ सस्ते दामों पर दवा कारोबारियों को बेचा गया है। ऐसे में कारोबारियों ने बिना संदेह के ही इन दवाओं की खरीद कर ली। हालांकि दवा कारोबारी इन दवाओं का स्टाक वापस भेजने की बात कर रहे हैं।

पूर्वांचल के 11 जिलों में लंपी रोग नियंत्रण को युद्धस्तरीय अभियान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के बिहार सीमा से सटे 11 जनपदों में लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए प्रदेश सरकार ने युद्धस्तर पर अभियान शुरू कर दिया है। पशुपालन विभाग के अनुसार इन जिलों में अब तक लगभग 9353 गोवंश प्रभावित पाए गए हैं, जिनमें से 6769 पशु उपचार के बाद स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 2584 का इलाज जारी है।

सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए पशुधन मंत्री ने बताया कि प्रदेश में लंपी बीमारी की रोकथाम के लिए 61.20 लाख डोज गोट पॉक्स वैक्सीन उपलब्ध कराई गई है। पूर्व में एलएसडी की समर्पित वैक्सीन न होने के कारण इसका उपयोग गोवंश में भी किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के निर्देश पर आईवीआरआई द्वारा विकसित नई लम्पी प्रोवैक वैक्सीन की 60 हजार खुराक विशेष रूप से बैंगलुरु से मंगाई गई हैं। इनका उपयोग गोरखपुर और आसपास के अत्यधिक प्रभावित जिलों में तेजी से किया जा रहा है।

प्रेसवार्ता करते मंत्री धर्मपाल सिंह।

- पशुधन मंत्री बोले, वैक्सीनेशन और उपचार से अब तक 6769 गोवंश हुए स्वस्थ

उन्होंने बताया कि अब तक 1447 ग्रामों में बेल्ट वैक्सीनेशन और 2558 ग्रामों में रिंग वैक्सीनेशन का कार्य पूरा हो चुका है। बिहार सीमा से लगे 10 किमी क्षेत्र में सभी गोवंश का टीकाकरण किया जा रहा है। बिहार से लगे 7 जनपदों में गोवंश के आवागमन पर रोक लगा दी गई है। देवरिया में 16 और कुशीनगर में 7 पशु चिकित्सकों की विशेष टीम संयुक्त निदेशक के नेतृत्व में कार्यरत है। प्रदेश और जनपद स्तर पर एलएसडी निगरानी सेल गठित की गई है। प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल वेटरनरी वाहनों (टोल फ्री 1962) के जरिये उपचार और टीकाकरण कराया जा रहा है। किसी भी जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 18001805141 जारी किया गया है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली।

पता :– ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल विकास भवन, बरेली।

पत्रांकः– 1660 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा–पत्रा0 / बाण्ड क्लर्क / 2025–26 दिनांकः– 03.09.2025

–:: निविदा सूचना ::–

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली में भवन / सडक निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उत्तर प्रदेश में पात्र ए0,बी0,सी0,डी0 एवं ई0 श्रेणी के निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता कार्य के लिये निविदा जमा कर सकते है।

2– तालिका के अनुसार कार्यो का विवरणः–

क्रम सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में) (GST सहित)	धरोहर धनराशि (रूपये में)	निविदा मूल्य समस्त करों सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	बरेली	सरस्वती शिशु विद्यालय फतेहगंज पूर्वी के प्रांगण में इण्टरलॉकिंग कार्य। (वि0ख0–फरीदपुर) एम0एल0सी0	4.986	10000.00	677.00	03 माह
2	बरेली	महारानी लक्ष्मीबाई इन्टर कॉलेज में पूर्वी शौचालय से साईकल स्टैंड तक इण्टरलॉकिंग व साइग्कल स्टैंड पर सी0सी0 निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र	2.942	5900.00	677.00	03 माह
3	बरेली	मो0 चौधरी मे गौरी शंकर मंदिर के सामने वाली गली में अरूण शुक्ल के मकान से नवीन तिर्वेदी के मकान तक सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र	5.071	10200.00	766.00	03 माह
4	बरेली	मो0 किला में किला टंकी मैंन रोड से साईं मेडिकल होते हुए किशन लाल के घर होते हुए मुन्ना लाल के घर तक सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र	5.735	11500.00	766.00	03 माह
5	बरेली	मो0 हजियापुर में स्टेडियम रोड से लोक खुशहाली चैरिटेबल कूड़ा संग्रह से मांगेराम दाल मिल के पीछे सी0सी0 निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र	9.997	20000.00	766.00	03 माह
6	बरेली	मो0 किला फाटक हनुमान मंदिर के निकट एक समरसेबिल का कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र	1.045	2100.00	589.00	03 माह
7	बरेली	सेंट्रल एस्टेट कालोनी के पार्क मे मिट्टी भराव, बौन्ड्रीवाल, एवं एक बड़ा गेट व 01 छोटा गेट का निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	6.837	13700.00	766.00	03 माह
8	बरेली	हर्ष इंकलेव स्थित पार्क में चारों ओर बौन्ड्रीवाल, रंगाई–पुताई एवं दो रिवोलविंग गेट व 02 मैंन गेट का निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	9.968	20000.00	766.00	03 माह
9	बरेली	मो0 कृष्णा नगर रोड नॉ – 07 पर एक स्टील शेड का निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	7.705	15500.00	766.00	03 माह
10	बरेली	मो0 परवाना नगर में चंद्रपाल फौजी के मकान से आकाश गुप्ता के मकान तक सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	3.245	6500.00	677.00	03 माह
11	बरेली	मो0 नर्सरी रोड रेलवे फाटक के पास मुख्य मार्ग से बाग चम्पत राय के मंदिर सीताराम झरोखे के मैंन गेट तक मिट्टी खडंजा कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	9.967	20000.00	766.00	03 माह
12	बरेली	मो0 बसंत विहार फेस 2 में जितेन्द्र मोहन के घर से शेर सिंह एडवोकेट के घर के निकट तक रोड के दोनों तरफ नाली व स्लैब कार्य एवं दीपेन्द्र गंगवार के घर के निकट एक तरफ नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	2.861	5800.00	677.00	03 माह
13	बरेली	मो0 बानखाना में पाल बस्ती में कैलाश बाबु वालों के घर से मामू परचून की दुकान तक एवं बिल्लू के घर से बिल्लू की डेयरी तक सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य।(वि0नि0–नगर क्षेत्र)	4.300	8600.00	677.00	03 माह
14	बरेली	मो0 एल0आई0सी0 कालोनी में हरि मोहन के घर से वी0के0गुप्ता के घर तक सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	4.500	9000.00	677.00	03 माह
15	बरेली	मो0 साहुकारा में सूरजपाल की दुकान से अभिषेक मित्तल किराना स्टोर होते हुए रजनीश सरिया की दुकान तक सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	7.980	16000.00	766.00	03 माह
16	बरेली	मो0 भूड मे विनय सक्सेना के घर से आलोक प्रकाश के मकान होते हुए वीसी बिसरया के मकान तकसी0सी0 व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	9.978	20000.00	766.00	03 माह
17	बरेली	मो0 किला छावनी में पप्पू पाल के घर से कृषण मुरारी पाण्डेय के घर तक एवं पप्पू के घर से मुसरफ के घर तक सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	4.834	9700.00	677.00	03 माह
18	बरेली	मो0 श्रीनाथ पुरम निकट सूर्या बैनकट हॉल मानस अग्रवाल के घर से एम0सी0शुक्ला के घर तक सी0सी0 निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	5.203	10500.00	766.00	03 माह
19	बरेली	मो0 किला छावनी में मंदिर के प्रागंण फर्श व चबूतरे पर टाइल्स व पत्थर का निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	3.306	6700.00	677.00	03 माह
20	बरेली	तुलाशेरपुर मे सनातन शिव मंदिर के गेट से साधुराम के घर तक सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	6.762	13600.00	766.00	03 माह
21	बरेली	सी0बी0 गंज डाकखाना के मुख्य दुआर से स्टेट हाईवे तक सी0सी0 व पुलिया निर्माण कार्य (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	3.000	6000.0	677.00	03 माह
22	बरेली	मो0 गाँधी नगर में पंडित जी की दुकान से गाँधी नगर चौराहे तक एक साइड इंटरलॉकिंग टाइल्स का निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	1.798	3600.00	589.00	03 माह
23	बरेली	सी0 बी0 गंज शिव ज्ञान इन्टर कॉलेज के सामने से राजमार्ग के निकट तक सी0सी0 निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	7.074	14200.00	766.00	03 माह
24	बरेली	नादौसी राजमार्ग से इस्लाम सबीर के गेट सी0सी0 निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	4.827	9700.00	677.00	03 माह
25	बरेली	लोहिया पार्क में एक तीन शेड एवं निचे चबूतरा का निर्माण कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	9.995	20000.00	766.00	03 माह
26	बरेली	मो0 बानखाना में चौराहे के निकट पक्का शेड व 01 शौचालय व एक स्नानघर निर्माण। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	9.997	20000.00	766.00	03 माह
27	बरेली	मो0 जनकपुरी स्थित श्री कैंलाशपति मंदिर में चारों तरफ बौन्ड्री वाल की मरम्मत एवं मंदिर एवं गेट पर रंगाई पुताई का कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	2.950	5900.00	589.00	03 माह
28	बरेली	गाँधी नगर स्थित पार्क का सोंदर्यकरण। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	4.970	10000.00	677.00	03 माह

3. निविदा विक्री की अवधि : दिनांकः– 08.10.2025 से 10.10.2025 तक (पूर्वान्ह 11.00बजे से अपरान्ह 4.00बजे तक)
4. निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 13.10.2025 को मध्याहन 12.00 बजे तक
5. निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन, जनपद–बरेली।
6. निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 13.10.2025 अपरान्ह 12:30 बजे
अधिक जानकारी के लिये अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग कार्यालय, द्वितीय तल, विकास भवन, बरेली से सम्पर्क कर सकते हैं।

नोट :–क्रमांक–01 पर अंकित कार्य को छोड़कर शेष समस्त निविदायें बजट की प्रत्याशा में आमंत्रित की जा रही हैं।

UP – 237758 **दिनांक:** 15/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(विनय कुमार शर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड, बरेली।

व अदालत उपजिलाधिकारी बहेड़ी (बरेली)

मु.नं. 219/13 धारा–116 उ.प्र.रा.स.

झांझन लाल बनाम छेदालाल आदि

पूरनलाल, लालता प्रसाद, नरेश पाल पुत्र श्री डोरीलाल निवासी:– ग्राम कर्मपुर पो. रिछा, तह. बहेड़ी, जिला बरेली

के विरूद्ध झांझन लाल ने आप लोगों के नाम एक नालिसवास्ते पुनर्विचार के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप तारीख 20.09.2025 असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात मुकदमा में बखूबी वाकिफ हो मय कागजात मुतलका के हाजिर हों। वरना आपकी गैर हाजिरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा। आज बतारीख 15.09.2025 को मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

आज्ञा से:– उपजिलाधिकारी बहेड़ी (बरेली)

कार्यालयः प्रधानाचार्य, पी.एम. श्री राजकीय इण्टर कॉलेज, बरेली

पत्रांक: वृक्ष पातन/463–सी/2025–26 दिनांक: 15.09.2025

नीलामी सूचना/प्रेस विज्ञप्ति

विद्यालय परिसर में यूकेलिप्टिस 02, अशोक 01, सेमल 02 एवं सागौन 01 के वृक्ष जो अयोग्य है, की नीलामी दिनांक 08.09.2025 की गयी जिसे अपरिहार्य कारणों से निरस्त कर दिया गया। पुन: उक्त पेड़ों के पातन हेतु खुली नीलामी/बोली जो दिनांक 21.09.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे से की जायेगी। इच्छुक ठेकेदार/व्यक्तियों को सूचना दी जाती है कि वे खुली नीलामी/बोली में प्रतिभाग कर सकते हैं। नीलामी हेतु शर्तें कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा है।

ओम प्रकाश राय (प्रधानाचार्य)
पी.एम. श्री राजकीय इन्टर कॉलेज, बरेली

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, सम्पूर्णानगर, लखीमपुर–खीरी (उ0प्र0)

अति अल्प–कालीन ई–निविदा सूचना

केवल अनुभवी ठेकेदारों से इस मिल समिति में निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा निर्धारित तिथि को सायंकाल 6:55 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

क्रम0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ई–निविदा की अन्तिम तिथि
1	Construction of 100 ton. Weighbridge foundation with room.	रू0 14000/-	रू0 590/-	25.09.2025
2	Construction of Evaporator body foundation work	रू0 21000/-	रू0 590/-	25.09.2025
3	Construction of Foundation for 10x30 size two new Weighbridge (for cattle tare and Gross)	रू0 22000/-	रू0 590/-	23.09.2025
4	Construction of Boundary wall length 185 mtr. New sugar godown to Cane office.	रू0 49000/-	रू0 590/-	23.09.2025
5	Repair and painting work for canteen.	रू0 12000/-	रू0 590/-	23.09.2025

उपरोक्त कार्य हेतु विस्तृत विवरण **http://etender.up.nic.in** वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। समस्त निविदा प्रक्रिया ई-निविदा के माध्यम से पूर्ण की जायेंगी आवश्यकतानुसार निगोशिएसन भी किया जा सकता है।

अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्वसुरक्षित होगा। **प्रधान प्रबन्धक**

कार्यालय जिला गन्ना अधिकारी, बरेली

पत्र संख्या : 1944/C समिति **सूचना** दिनांक : 16, सितम्बर 2025

समस्त सम्मानित गन्ना कृषक बन्धुओं को सूचित किया जाता है कि जनपद की सहकारी गन्ना विकास समितियों में पूराई सत्र 2025–26 में सुचारू रूप से गन्ना आपूर्ति करने हेतु समिति प्रांगण में सट्टा प्रदर्शन मेला समितिवार उनके नाम से सम्मुख अंकित तिथियों में (अवकाश को छोड़कर) आहूत किया जायेगा :–

क्र.सं.	नाम समिति	दिनांक
1.	फरीदपुर	दिनांक 17.09.2025 से 24.09.2025 तक
2.	मीरगंज	दिनांक 22.09.2025 से 29.09.2025 तक
3.	बरेली	दिनांक 22.09.2025 से 29.09.2025 तक
4.	बहेड़ी	दिनांक 22.09.2025 से 29.09.2025 तक
5.	नवाबगंज	दिनांक 22.09.2025 से 29.09.2025 तक
6.	भोजीपुरा	दिनांक 22.09.2025 से 29.09.2025 तक
7.	भुड़िया	दिनांक 22.09.2025 से 29.09.2025 तक

समस्त गन्ना कृषक बन्धुओं से अनुरोध है कि सट्टा प्रदर्शन मेला में उपस्थित होकर यदि सर्वे/सट्टा से सम्बन्धित कोई आपत्ति हो तो लिखित रूप से दर्ज कराकर समिति स्तरीय सट्टा प्रदर्शन मेले का लाभ उठायें। अन्यथा की स्थिति में आगामी पेराई सत्र के लिये कैलेण्डर को अन्तिम रूप से दे दिया जायेगा, जिसके उपरान्त कोई भी आपत्ति/शिकायत ग्राह्य नहीं होगी।

सचिव सहकारी गन्ना विकास समितियां बरेली/बहेड़ी/मीरगंज/फरीदपुर/नवाबगंज/भोजीपुरा/भुड़िया
ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक बरेली/बहेड़ी/मीरगंज/फरीदपुर नवाबगंज/सेमीखेड़ा
जिला गन्ना अधिकारी बरेली

नोडल अधिकारी के पहुंचने पर अल्ट्रासाउंड सेंटर हुए बंद

फरीदपुर,अमृत विचार : नगर में चल रहे फर्जी अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर निरीक्षण करने पहुंचे नोडल अधिकारी लईक अहमद अंसारी के पहुंचने पर सभी अल्ट्रासाउंड सेंटरो पर जांच टीम के नाम पर हड़कंप मच गया सेंटरों के संचालक अपना-अपना केंद्र के शटर गिरकर फरार हो गए।

न्यायालय श्रीमान तहसीलदार सदर बरेली
वाद संख्या 1202312130102579/2023 सन् 2025

गायत्री देवी पत्नी सूरज पाल निवासी ग्राम प्रकाश कालौनी चनेहटी, कैन्ट जिला बरेली... ..प्रार्थिनी बनाम भोना देवी पत्नी राम चन्द्र पुत्री लीलाधर निवासी करेली तहसील व जिला बरेली। धारा 34/35 उ.प्र.रा.सं.–2006 वावत ग्राम–करेली परगना तहसील व जिला बरेली।

बनाम–नोनी राम पुत्र रामचन्द्र निवासी करेली बरेली को सूचित किया जाता है कि गायत्री देवी ने उपरोक्त मुकदमे में पुर्नस्थापन प्रार्थना पत्र वावत उपरोक्त वाद पुर्नस्थापित प्रार्थना पत्र दिया है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप तारीख 26.09.2025 को असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात मुकदमा से बखूबी वाकिफ हो मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैर हाजिरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा। आज बतारीख 12.09.25 अदालत के आदेशानुसार जारी किया गया।

न्यायालय तहसीलदार सदर बरेली

न्यायालय श्रीमान् सिविल (जू.डी.) महोदय मोहम्मदी खीरी

मुत सक्शेसन वाद सं. 02/2025 ता. पेशी: 08.10.2025

जैतून बेगम उम्र 43 वर्ष पत्नी मसरूर बेग नि. इब्राहीमपुर पर. पसगवां तह. मोहम्मदी जिला बरेली

बनाम

1. जायदाद स्व. मसरूर बेग पुत्र फरमूद बेग नि.ग्रा. इब्राहीमपुर पर. पसगवां 2. तुफैल बेग उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र मसरूर बेग 3. सीमा उम्र लगभग 13 वर्ष पुत्र मसरूर बेग 4. रीना अवयस्क उम्र लगभग 15 वर्ष पुत्री मसरूर बेग 5. जुवैर वेग अवयस्क उम्र लगभग 14 वर्ष पुत्र मसरूर बेग 6. जुनैद बेग अवयस्क उम्र लगभग 8 वर्ष पुत्र मसरूर बेग समस्त निवासीगण ग्राम इब्राहीमपुर पर. पसगवां तह. मोहम्मदी खीरी 7. शाखा प्रबन्धक आर्यावत बैंक शाखा सिसोरा नासिर पर. पसगवां तह. मोहम्मदी खीरी 8. हर आम व खास व्यक्ति निवासीगण जिला लखीमपुर खीरी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मृतक मसरूर बेग पुत्र फरमूद बेग नि. ग्राम इब्राहीमपुर पर. पसगवां तह. मोहम्मदी जिला खीरी कि सम्पत्ति के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र हेतु श्रीमती जैतून बेगम पत्नी मसरूर बेग नि. ग्राम इब्राहीमपुर पर. पसगवां तह. मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी ने एक प्रार्थना पत्र इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है, जिसकी सुनवाई दिनांक 08.11.25 को निश्चित हुई है। अत: यदि किसी पक्ष को अथवा किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वहा नियत तिथि अथवा किसी भी कार्य दिवस में न्यायालय में आकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। अन्यथा प्रार्थना पत्र की सुनवाई एकपक्षीय रूप से निस्तारित कर दिया जायेगा।

सम्पत्ति का विवरण:– धनराशि 303815 आर्यावत बैंक शाखा सिसोरा नासिर खीरी बचत खाता सं. 614410100007050

न्यायालय की आज्ञानुसार
मुन्सरिम
न्यायालय सिविल (जू.डी.) महोदय मोहम्मदी खीरी

सेमीखेड़ा चीनी मिल की अधूरी तैयारियों पर डीएम हुए नाराज

चीनी मिल का निरीक्षण करते डीएम अविनाश सिंह। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- 21 अक्टूबर तक ट्रायल पूरा करने और 2 नवंबर से संचालन के निर्देश

अमृत विचार: जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मंगलवार को सेमीखेडा स्थित किसान सहकारी चीनी मिल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मिल संबंधी समस्त व्यवस्थाएं पूर्ण कराते हुए 2 नवंबर से मिल संचालन के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान मिल के प्रत्येक क्षेत्र का मुआयना किया और वित्तीय पत्रावलियों की जांच की। मिल की तैयारी से असंतुष्ट दिखते हुए जिलाधिकारी ने मिल हाउस, बॉयलिंग हाउस, पावर हाउस और बॉयलर की तैयारी युद्धस्तर पर करने के निर्देश दिए और 21 अक्टूबर तक फाइनल ट्रायल पूरा करने को कहा।

उन्होंने अधिक चीनी परता प्राप्त करने और कृषकों को प्रोत्साहन देने के लिए पुरस्कृत करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के समय जिला गन्ना अधिकारी दिलीप कुमार सैनी,चीनी मिल मीरगंज के चीफ इंजीनियर मो. सईद, प्रधान प्रबन्धक (वित्त) जयगोपाल चावला, चीनी मिल सेमीखेड़ा के प्रधान प्रबन्धक किशन लाल, चीफ केमिस्ट एवं चीफ इंजीनियर, चीनी मिल का अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

किसानों को नैनो उर्वरकों के फायदे बताए

किसानों को नैनो यूरिया की जानकारी देते अफसर। • अमृत विचार

बरेली, अमृत विचार: नैनो जागरूकता अभियान के तहत नवाबगंज की हाफिजगंज सहकारी समिति पर किसान सभा का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि समिति के चेयरमैन बुद्धसेन गंगवार रहे। इफको क्षेत्र प्रबंधक कार्तिक सिंह ने किसानों को नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के फायदों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अधिक रासायनिक उर्वरक फसल और मिट्टी दोनों को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रति टंकी में 75 मिली नैनो यूरिया और 15 मिली नैनो जिंक का प्रयोग करना चाहिए। प्रति एकड़ केवल 2 बोरी यूरिया पर्याप्त है। कार्यक्रम में इफको बाजार केंद्र के प्रभारी देवेश चौहान ने पौध संरक्षण और इफको उत्पादों के बारे में जानकारी दी। इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक सचिन कुमार ने जैव उर्वरक, सागरिका और जल-विलय उर्वरकों के उपयोग से होने वाले लाभों के बारे में बताया। सहकारिता विभाग के एडीसीओ उमेश यादव ने किसानों से संतुलित रासायनिक उर्वरकों के साथ नैनो उत्पादों के प्रयोग का आह्वान किया।

न्यूज ब्रीफ

पिता से विवाद के बाद युवक ने आत्महत्या की

बलिया, एजेंसी : जिले के बैरिया इलाके में एक युवक ने पिता से विवाद के बाद कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार शाम बैरिया कस्बे के रकबा टोला मोहल्ले में हुई, जहां धर्मेंद्र गुप्ता (30) ने अपने घर के एक कमरे में फांसी लगा ली। परिवार के सदस्य उसे सोनबरसा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए, जहां से डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) मोहम्मद फहीम कुरैशी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आरोपी कांस्टेबल के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज

प्रतापगढ़, एजेंसी : जिले के सांगीपुर थानाक्षेत्र में नौवीं कक्षा की एक नाबालिग छात्रा ने कथित रूप से प्रशिक्षु कांस्टेबल द्वारा दुष्कर्म से आहत होकर सोमवार शाम आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि छात्रा के भाई की तहरीर पर प्रशिक्षणरत कांस्टेबल के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) संजय राय ने बताया कि सांगीपुर थानाक्षेत्र के एक छात्रा (14) ने सोमवार शाम घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जिसका शव पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है।

मेरठ में हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

मेरठ एजेंसी : जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान हत्या के मामले में वांछित आरोपी वाजिद उर्फ भूरा पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। उसके साथी उवैश को भी तलाशी अभियान के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से अवैध हथियार, कारतूस और बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की है।

पीड़ितों को न्याय नहीं मिल रहा: अखिलेश

लखनऊ, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का आरोप है कि इस सरकार में पीड़ितों को न्याय नहीं मिल रहा है। प्रदेश में बड़े-बड़े खास लोगों के मामले में समझौते कराए जा रहे हैं और बेचारे आम लोगों को दरबार में बुलाकर धमकाया जा रहा है। पीड़ित लोगों के एक दिन दिये बयान को अगले दिन पलटवाया जा रहा हैं। अखिलेश यादव ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि, कहा कि जो आज सरकार के मुखर विरोध करते दिखते हैं, अगले दिन उन्हें घेर कर सत्ता के केन्द्रों तक ले जाया जा रहा है और दबाव बनाकर सत्ता के अन्याय के बाद सभी इंतजाम करने, का झूठा आश्वासन दिया जा रहा है।

16 शहरों में 21 को होगी नमो मैराथन

लखनऊ, अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से गांधी जयंती दो अक्टूबर तक आयोजित सेवा पखवाड़ा के तहत भाजपा 21 सितंबर को नमो मैराथन का आयोजन करने जा रही है। यह आयोजन प्रदेश के 16 शहरों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजधानी लखनऊ में नमो मैराथन का शुभारंभ करेंगे। यह आयोजन लखनऊ के अलावा आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, बरेली, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, गोरखपुर, झांसी, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, सहारनपुर, शाहजहांपुर, वाराणसी और मथुरा में होगा। यह दौड़ करीब पांच किलोमीटर की होगी।

समय पर दाखिल चार्जशीट के बाद डिफॉल्ट बेल का अधिकार समाप्त

भ्रष्टाचार के मुकदमें में दाखिल याचिका को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज किया

विधि संवाददाता, प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डिफॉल्ट बेल के संबंध में स्पष्ट किया है कि अभियोजन स्वीकृति के बिना भी अगर निर्धारित समयावधि के भीतर चार्जशीट दाखिल हो जाती है, तो आरोपी को सीआरपीसी की धारा 167(2) के अनुसार डिफॉल्ट बेल का लाभ नहीं मिलेगा।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ ने गोरखपुर के थाना कोतवाली में आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मुकदमे के खिलाफ आलोक सिंह द्वारा दाखिल याचिका को खारिज करते हुए पारित किया। याचिका में यह तर्क दिया गया था कि स्वीकृति के बिना दाखिल चार्जशीट अवैध है, इसलिए उसे अनिवार्य जमानत मिलनी चाहिए। हालांकि कोर्ट ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए कहा कि अभियोजन स्वीकृति लेना विवेचना का हिस्सा नहीं है। चार्जशीट दाखिल होते ही आरोपी का डिफॉल्ट बेल का अधिकार स्वतः समाप्त हो जाता है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के संजय दत्त बनाम राज्य के मामले में फैसले का हवाला देते हुए कहा कि यदि जांच निर्धारित समय में पूरी नहीं होती तो आरोपी को डिफॉल्ट बेल का अधिकार मिलता है, लेकिन यदि उसी अवधि में चार्जशीट दाखिल हो जाती है तो आरोपी का यह अधिकार समाप्त हो जाता है। कोर्ट ने आगे कहा कि आपराधिक प्रक्रिया में यह प्रावधान है कि जब आरोपी को हिरासत में चार्जशीट भेजी जाती है, तब अभियोजन जिन दस्तावेजों पर भरोसा करता है उन्हें भी अदालत में प्रस्तुत करना होता है।

एग्रीमेंट टू सेल से नहीं बनता ज़मीन पर हक़

विधि संवाददाता,प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक जमीनी विवाद से जुड़े एक मामले में स्पष्ट किया है कि केवल एग्रीमेंट टू सेल (विक्रय का करारनामा) होने से खरीदार को न तो ज़मीन पर मालिकाना हक़ मिलता है और न ही अधिग्रहण मुआवज़े में हिस्सा। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई फ़ैसलों का हवाला देते हुए कहा कि जब तक पंजीकृत बिक्री विलेख (सेल डीड) निष्पादित और दर्ज न हो, तब तक स्वामित्व विक्रेता के पास ही रहता है। मुआवज़े का हक़ उसी का है जो अधिग्रहण के समय भूमि का वास्तविक स्वामी है, न कि उस व्यक्ति का जिसके पास केवल "एग्रीमेंट टू सेल" है। पंजीकृत सेल डीड (विक्रय विलेख) ही स्वामित्व का असली आधार है, 'एग्रीमेंट टू सेल' केवल मुकदमेबाज़ी का अधिकार देता है। इसके अलावा याचियों का यह तर्क कि उनके लंबित वाद और स्थगन आदेश (इंजंक्शन) उन्हें "इच्छुक व्यक्ति" बना देते हैं, इसे खारिज करते हुए कोर्ट ने स्पष्ट किया कि लंबित मुकदमों या स्थगन आदेश (स्टे) के आधार पर मुआवज़े का दावा नहीं बनता। कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया कि भविष्य में यदि याची अपने दावे में सफल होते हैं तो उन्हें सिर्फ़ धनराशि (मनी डिक्री) मिलेगी, न कि भूमि-अधिग्रहण मुआवजा। उक्त आदेश न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की एकलपीठ ने हमीद और नौ अन्य द्वारा दाखिल याचिका को खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने मेरठ के भूमि अधिग्रहण पुनर्वास और पुनर्स्थापन प्राधिकरण द्वारा पारित आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि अधिकार का बंटवारा सिर्फ़ मौजूदा, वास्तविक स्वामियों के बीच हो सकता है, भविष्य में संभावित अधिकार रखने वालों के बीच नहीं। मामले के अनुसार मेरठ के बिजवाली गांव की ज़मीन (खसरा 346 व 426) गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए अधिग्रहित हुई।

घर में आग लगने से झुलसकर वृद्ध दंपती की मौत

आगरा, एजेंसी: आगरा जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मी नगर में सोमवार की देर रात एक घर में आग लगने से वृद्ध दंपति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार इस हादसे में मृतकों की पहचान लक्ष्मीनगर निवासी भगवती प्रसाद (90) और उनकी पत्नी उर्मिला देवी (85) के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, पहले शार्ट सर्किट से इलेक्ट्रिक स्कूटी में आग लगी और फिर स्कूटी की आग पूरे घर में फैल गई। पुलिस और दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

उन्होंने बताया कि प्रमोद अग्रवाल परिवार के साथ मकान की ऊपरी मंजिल पर रहते हैं, जबकि प्रमोद के माता-पिता भगवती प्रसाद (90) और उर्मिला देवी (85) नीचे की मंजिल पर रहते थे। आग लगने से नीचे सो रहे दंपती बुरी तरह से झुलस गए। जगदीशपुर थाना के प्रभारी निरीक्षकने बताया कि भगवती प्रसाद की जलने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उर्मिला देवी को गंभीर अवस्था में एसएन मेडिकल कालेज भेजा गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

देहरादून में भारी बारिश के बाद बादल फटने से एक पुल का क्षतिग्रस्त हिस्सा।

नैनीताल में बारिश से 12 फीट नीचे धंसा मार्ग

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: सात नंबर व्यू प्वाइंट मार्ग मंगलवार तड़के फिर 12 फीट नीचे धंस गया है। जिसके चलते मार्ग के नीचे व ऊपर रहने वाले लोगों के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है। धंस रहा हिस्सा कभी भी बड़ी दुर्घटना को अंजाम दे सकता है। आगे भी सड़क भूस्खलन की चपेट में है।

यह मार्ग पिछले सप्ताह धंसना शुरू हुआ था और सोमवार रात भीषण बारिश को बर्दाश्त नहीं कर सका। जिसके चलते करीब 25 मीटर मार्ग का धंस रहा हिस्सा करीब 12 फीट और धंस गया। इस मार्ग के निचले हिस्से में रिहायशी क्षेत्र है। यदि मार्ग पूरी तरह होता है तो कुछ मकान मलबे की चपेट में आ सकते हैं। जिस कारण क्षेत्र के लोगों में भय व्याप्त है। मार्ग का ऊपरी क्षेत्र भी रिहायशी इलाका है, जोकि इसकी जद में आ सकता है। फिलहाल इस मार्ग पर चार पहिया वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई है। मार्ग धंसने की सूचना मिलते ही लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता रत्नेश कुमार सक्सेना ने धंस रहे मार्ग का निरीक्षण किया।

वन निगम डिपो में बाघ का शव मिला, हड़कंप

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: रामनगर वन प्रभाग की कालाढूंगी रेंज के वन निगम डिपो में बाघ का शव मिलने से विभाग में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंचे वन कर्मियों ने बाघ के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। दो डॉक्टरों के पैनल ने पोस्मार्टम किया। विसरा जांच के लिए बरेली भेज दिया है। मंगलवार को गश्त के दौरान चकलुवा बीट के कंपाटमेंट संख्या 2 सी के निगम डिपो प्लाट संख्या एक में कर्मचारियों ने बाघ का शव देखा। इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को दी।

डीएफओ ध्रुव सिंह मर्तोलिया ने बताया कि बाघ के सभी अंग सुरक्षित हैं। नर बाघ की उम्र करीब 6 से 7 वर्ष होगी। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया बाघ की मौत कोई बीमारी से होना प्रतीत हो रहा है। असल कारणों का पता बिसरा रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। डॉ. नीरज व डॉ. राजीव ने बाघ के शव का पोस्टमार्टम किया। पीएम के बाद बाघ के शव को जलाकर नष्ट कर दिया गया।

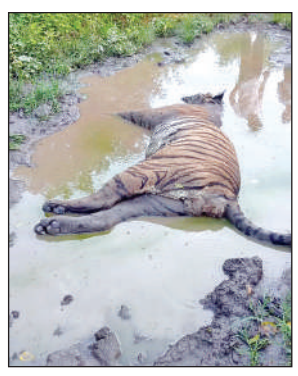

वन निगम डिपो में मिला बाघ का शव।

एमपी-एमएलए कोर्ट से आजम को राहत, अवमानना केस में बरी

मुरादाबाद, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी की सरकार में मंत्री रहे रामपुर के पूर्व सांसद आजम खां को मुरादाबाद की एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने छजलैट थाने में दर्ज कोर्ट की अवमानना के मामले में उन्हें बरी कर दिया।

जनपद के थाना छजलैट के सामने 2 जनवरी 2008 को वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने आजम खां की गाड़ी रोकी थी। उस समय आजम खां अपने परिवार के साथ मुजफ्फरनगर में कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इस मामले में आजम खां, अब्दुल्ला आजम समेत अन्य सपाइयों के खिलाफ केस दर्ज किया था। कई बार समन जारी होने के बाद भी आजम खां कोर्ट में हाजिर नहीं हुए थे। इसके बाद रामपुर के गंज थाने के तत्कालीन प्रभारी रामवीर सिंह ने 2020 में आजम खां के खिलाफ छजलैट थाने में मुकदमा दर्ज कराया था।

मदरसों पर कार्रवाई के बाद नेपाल सीमा के स्कूलों का कायाकल्प

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **229 स्कूलों में स्मार्ट क्लास और टैबलेट से शिक्षा**
- **सीमावर्ती इलाकों पर सीएम का खास ध्यान**

अमृत विचार: नेपाल के सीमाई इलाकों में अवैध मदरसों पर सख्त कार्रवाई के बाद योगी सरकार ने शिक्षा की तस्वीर बदलने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 के अंतर्गत ऑपरेशन कायाकल्प के जरिए सात जिलों बहराइच, बलरामपुर, खीरी, महाराजगंज, पीलीभीत, श्रावस्ती और सिद्धार्थनगर के 198 गांवों के 229 स्कूलों का कायाकल्प किया गया है। अब यहां बच्चों को सिर्फ टाट-पट्टी पर बैठकर पढ़ना नहीं पड़ता, बल्कि वे स्मार्ट क्लास और टैबलेट्स की मदद से आधुनिक तरीके से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

शिक्षा विभाग का मानना है कि स्मार्ट क्लास और टैबलेट्स से सीखने-समझने की क्षमता में तेजी आई है, जिससे ड्रॉपआउट दर कम होगी और नामांकन और बढ़ेगा। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि सीमावर्ती जिलों में अब शिक्षा का आधारभूत ढांचा पूरी तरह बदल चुका है। 152 स्कूल सभी 19 पैरामीटर्स पर सैचुरेटेड हो चुके हैं, जबकि बाकी स्कूल भी क्रमशः 16 से 18 पैरामीटर्स तक सुसज्जित हैं। इन स्कूलों में पीने का पानी, शौचालय, बिजली और फर्नीचर की व्यवस्था बेहतर हुई है। साथ ही 21 ब्लॉक्स के विद्यालयों में 2-2 टैबलेट्स वितरित किए गए हैं। बच्चे खुशी जाहिर करते हुए कहते हैं कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि गांव के स्कूल में टैबलेट मिलेगा। अब वे उसमें कहानियां पढ़ते हैं और खेल-खेल में गणित सीखते हैं।

नामांकन में आई तेजी

सीमावर्ती जिलों में विद्यालयों में नामांकन का परिदृश्य तेजी से बदला है। 2024-25 में नामांकन बढ़कर 38.45 लाख हो गया है। इनमें सबसे अधिक 8.9 लाख छात्र खीरी जिले में नामांकित हैं। बहराइच, बलरामपुर और सिद्धार्थनगर जैसे जिलों में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। यह दर्शाता है कि सरकारी प्रयासों और डिजिटल शिक्षा प्रोजेक्ट्स का असर जमीन पर दिखने लगा है।

संभल जिले में 35 अस्पतालों पर छापेमारी कई हिरासत में

संभल/ बहजोई, अमृत विचार: मुकदमा दर्ज कराने के बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा सील करने के बावजूद संचालित व अन्य अवैध अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग व पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। चिन्हित किए गए 35 में से 32 अस्पतालों और क्लीनिकों पर छापेमारी में सील तोड़कर तमाम अस्पताल संचालित मिले। कार्रवाई की भनक लगने से बिना रजिस्ट्रेशन वाले डॉक्टर अस्पतालों से गायब मिले। इसके अलावा भी भारी अनियमितता पाई गईं। कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। बुधवार को इस मामले में बड़ा खुलासा किया जा सकता है।

जनपद में मेडिकल माफियाओं पर शिकंजा कसने को लेकर पुलिस व प्रशासन ने तैयारी कर ली गई थी।

संत कबीर के नाम पर जिलों में बनेंगे वस्त्र,परिधान पार्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रदेश में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र को नई उड़ान देने के लिए बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संत कबीर वस्त्र एवं परिधान पार्क योजना के तहत विभिन्न जिलों में बड़े पैमाने पर टेक्सटाइल और अपैरल पार्क स्थापित किए जाएंगे। योजना का मुख्य लक्ष्य युवाओं के लिए रोजगार सृजन और परंपरागत उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना है। कहा कि 3.5 अरब डॉलर निर्यात के बाद अब निवेश की बारी है।

आवास मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रस्तावित योजना को महान संत कबीर के नाम पर समर्पित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संत कबीर ने अपने जीवन दर्शन में श्रम, सादगी और आत्मनिर्भरता को सर्वोपरि माना और यही भाव इस योजना का आधार बनेगा। वित्त वर्ष 2023-24 में प्रदेश से 3.5 अरब अमेरिकी डॉलर का वस्त्र एवं परिधान निर्यात हुआ, जो देश के कुल निर्यात का 9.6 प्रतिशत है। इस क्षेत्र का राज्य की जीडीपी में 1.5 प्रतिशत योगदान है और करीब 22 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वस्त्र एवं परिधान का वैश्विक बाजार वर्ष 2030 तक 2.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है और भारत इसमें 8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ सबसे तेज़ी से बढ़ते देशों में है।

ऐसे परिदृश्य में प्रदेश की भागीदारी इस क्षेत्र में निर्णायक सिद्ध हो सकती है। वाराणसी, मऊ, भदोही, मिर्जापुर, सीतापुर, बाराबंकी, गोरखपुर और मेरठ जैसे पारंपरिक क्लस्टरों ने उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय परिधान मानचित्र पर विशेष स्थान दिलाया है।

लखनऊ में मंगलवार को अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

15,431 करोड़ निवेश से बदलेगी बुनकरों की किस्मत

बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, निवेश सारथी पोर्टल पर अब तक 659 प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें 15,431 करोड़ रुपये निवेश का अनुमान है। इनसे प्रदेश में बुनकरों का किस्मत बदलेगी, साथ ही 1 लाख से अधिक रोजगार अवसर सृजित होंगे। प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए करीब 1,642 एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी। प्रत्येक पार्क न्यूनतम 50 एकड़ भूमि पर विकसित होगा और इसमें कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) सहित बटन, ज़िपर, लेबल, पैकेजिंग और वेयरहाउस जैसी सहायक इकाइयों की भी व्यवस्था की जाएगी।

ऑनलाइन गेम में 14 लाख हारने पर किशोर ने की आत्महत्या

लखनऊ, एजेंसी : लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र में 13 वर्षीय एक किशोर ने ऑनलाइन गेम में 14 लाख रुपये हारने के बाद सोमवार को फांसी लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के धनुवासाढ़ गांव निवासी यश कुमार (13) के रूप में हुई है। मोहनलालगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक डी.के. सिंह ने बताया कि यश कुमार के ऑनलाइन गेम खेलने के कारण हुए आर्थिक नुकसान की जानकारी जब उसके पिता को हुई, तो डर के कारण यश ने यह कदम उठा लिया। पुलिस के अनुसार, छठी कक्षा में पढ़ने वाले यश कुमार ने अपने पिता सुरेश कुमार यादव के बैंक खाते से कुल 14 लाख रुपये खर्च कर दिए थे।

एक ही बूथ पर हों परिवार के सभी सदस्यों के नाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **एक बूथ पर 1200 मतदाता ही रखने पर दिया गया जोन**

अमृत विचार: विधानसभा मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए राजधानी में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में अधिकारियों को तमाम बारीक जानकारियां दी गईं। प्रत्येक मतदेय स्थल पर अधिकतम 1200 मतदाता और परिवार के सदस्यों का नाम एक ही पोलिंग बूथ पर सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। सूची को त्रुटिरहित बनाने, बीएलओ की नियुक्ति नियमानुसार करने और राजनीतिक दलों के साथ बैठक करने पर जोर भी दिया गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रशिक्षण में भारत निर्वाचन आयोग के कार्यक्रमों और दिशा-निर्देशों से भी अवगत कराया गया। मतदाता सूची अपडेट करने, मतदेय स्थलों का संभाजन करने और निर्वाचन संबंधी कानूनों की भी जानकारी दी गई। निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों को ईआरओ नेट, बीएलओ एप और वोटर हेल्पलाइन एप की जानकारी दी गई। नागरिकों से फार्म भरवाते समय सही जानकारी दर्ज कराने और फार्म-6, 7 व 8 से संबंधित जानकारी प्रसारित करने के लिए कहा गया। इससे पूर्व अब तक सभी जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों और 403 विधानसभाओं के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

नहीं सुधरे तो महापौर के अधिकारों को लेकर किया जाएगा पुनर्विचार:योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **नगरीय अवस्थापना के कार्यों में देरी और पारदर्शिता के मद्देनजर योगी ने दी कड़ी चेतावनी**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क मरम्मत और गड्ढामुक्ति अभियान की समीक्षा बैठक में साफ चेतावनी दी है कि नगरीय अवस्थापना से जुड़े कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि नगर निगम पारदर्शिता और समयबद्धता नहीं दिखाते हैं तो महापौरों के अधिकारों पर पुनर्विचार करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने दुर्गा पूजा, दशहरा, दीपावली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों से पहले प्रदेश की सभी प्रमुख सड़कों को पूरी तरह दुरुस्त करने के सख्त निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को आवास बैठक के दौरान कहा कि गड्ढामुक्ति और सड़क नवीनीकरण अभियान सीधे जनता की सुविधा और सुरक्षा से जुड़ा है। उन्होंने अधिकारियों को पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही दैनिक निगरानी और नियमित रिपोर्ट शासन को भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी बल दिया।

योगी ने प्रदेश में उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर की रूपरेखा पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि अब तक अधिकतर एक्सप्रेसवे और हाईवे पूर्व-पश्चिम दिशा में बने हैं, जबकि आवश्यकता है कि नेपाल सीमा से लेकर प्रदेश के दक्षिणी जिलों तक एक मजबूत कॉरिडोर तैयार किया जाए। इसके लिए एनएचएआई के सहयोग से राष्ट्रीय राजमार्गों में सुधार और राज्य सरकार द्वारा अन्य मार्गों का चौड़ीकरण किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर ग्रीनफील्ड परियोजनाएं भी प्रस्तावित होंगी।

धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश की कुल 6,78,301 सड़कों (लंबाई 4,32,989 किमी) में से 44,196 किमी सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस दिशा में अब तक औसतन 21.67% प्रगति दर्ज हुई है। मुख्यमंत्री ने इसे बेहद धीमा बताया और निर्देश दिया कि एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, नगर विकास, सिंचाई, गन्ना एवं चीनी विकास विभाग अपनी रफ्तार तेज करें।

वाल्मीकि गैंग से गठजोड़ में दो सिपाही पकड़े गए

देहरादून, अमृत विचार : हरिद्वार के कुख्यात वाल्मीकि गैंग से गठजोड़ के आरोप में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने दो सिपाहियों को गिरफ्तार किया है। दोनों वर्तमान में पिथौरागढ़ में तैनात थे।

एसएसपी नवनीत सिंह ने मंगलवार को बताया कि, प्रवीण वाल्मीकि गैंग की गतिविधियों की जांच के बाद एसटीएफ ने बीती 27 अगस्त को थाना गंगनहर, रुड़की में गैंगस्टर प्रवीण वाल्मीकि, उसके भतीजे मनीष बॉलर और पंकज अष्टवाल सहित छह बदमाशों पर संगीन धाराओं में केस दर्ज कराया था, जिसके बाद मनीष और पंकज को गिरफ्तार किया था। यह गैंग बेशकीमती जमीनों पर फर्जी कागजों से अवैध कब्जा करने के लिए हत्या करने और धमकी देने जैसे मामलों के बाद सुर्खियों में आया था।

पिथौरागढ़ जिले में तैनात सिपाही शेर सिंह और हसन अब्बास जैदी के गैंगस्टर प्रवीण और मनीष बॉलर से संबंध हैं।

मनुष्य पर नियंत्रण करने का साधन न बने एआई : ओम बिरला

संवाददाता, हरिद्वार

- **लोस अध्यक्ष व सीएम ने किया एआई पर अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन को संबोधित**

अमृत विचार : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को सदैव मानवता की सेवा करनी चाहिए और इसे मनुष्य पर नियंत्रण का साधन नहीं बनने देना चाहिए। एआई को आध्यात्मिक ज्ञान और नैतिक जिम्मेदारी से जोड़ा जाना आवश्यक है, तभी यह समाज के लिए कल्याणकारी शक्ति बन सकता है।

देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार में मंगलवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई): विश्वास एवं भविष्य विषय पर अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन में दो नोबेल पुरस्कार विजेता सहित बीस देशों के एआई विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्राचीन भारतीय संस्कृति में ज्ञान विज्ञान और अध्यात्म का एक अद्वितीय संगम देखने को मिलता है। हमारी सनातन संस्कृति केवल आस्था और विश्वास पर आधारित नहीं है बल्कि एक गहरे वैज्ञानिक दृष्टिकोण चिंतन और शोध का परिणाम है। आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के साथ-साथ एआई भी व्यापक रूप से हमारे जीवन के हर पहलुओं को प्रभावित कर रहा है। एआई तकनीक हमारे दैनिक जीवन को आसान बना रही है बल्कि उद्योग, चिकित्सा, शिक्षा, कृषि और अनेक क्षेत्रों में नवाचार की प्रगति का भी प्रमुख कारण बन गई है।

सम्मेलन की शुरूआत करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और मुख्यमंत्री धामी।

पूर्व सदस्यों ने मांगी मौजूदा विधायकों जैसी सुविधाएं

लखनऊ, अमृत विचार: वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना से मंगलवार को उनके कार्यालय कक्ष में प्रदेश के पूर्व विधायक एवं पूर्व विधान परिषद सदस्य वेलफेयर सोसाइटी के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की।

इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक ज्ञापन दिया। पत्र में मुख्यमंत्री से अनुरोध किया गया है कि पूर्व विधायक प्रकोष्ठ का भी गठन किया जाए ताकि उनके द्वारा उठाए गए जन समस्याओं का समय-समय पर निस्तारण होता रहे।

पूर्व विधायकों के पेंशन जो आपके द्वारा अभी हाल ही में बढ़ाया गया है, उससे कोई विशेष लाभ पूर्व विधायकों को नहीं मिला पाया है जिन पूर्व सदस्यों का प्रथम कार्यकाल पूरा है उन्हें मात्र 2 हजार रु. का ही आर्थिक लाभ मिल पाया है।

अमृत विचार

बुधवार, 17 सितंबर 2025

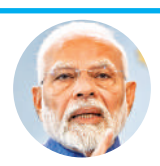

लोग कहते हैं, कड़ी मेहनत थकान लाती है। मैं कहता हूं, कड़ी मेहनत संतोष लाती है।
–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

वक्फ कानून पर संतुलन

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को लेकर एक अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने अधिनियम के कुछ महत्वपूर्ण प्रावधानों पर तो स्थगन आदेश दिया, लेकिन पूरे कानून को निलंबित करने से इंकार कर दिया। यह फैसला न्यायपालिका की उस संतुलित भूमिका को दर्शाता है, जिसमें वह कानून निर्माण की संसद की शक्ति को चुनौती नहीं देती, परंतु यह भी सुनिश्चित करती है कि कोई भी कानून संविधान की मूल भावना से विपरीत न हो। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन का इतिहास भारत में हमेशा विवादास्पद रहा है। वक्फ अधिनियम, 1995 के तहत बने नियमों का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय की धार्मिक और सामाजिक संपत्तियों की रक्षा करना था, लेकिन समय के साथ इन पर पारदर्शिता की कमी और राजनीतिक दखल के आरोप लगते रहे। संशोधन अधिनियम 2025 इन्हीं खामियों को दूर करने के लिए लाया गया, जिसमें पारदर्शिता बढ़ाने और गैर-मुस्लिम प्रतिनिधियों को बोर्ड में शामिल करने जैसे बदलाव किए गए।

सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि किसी कानून पर पूरी रोक सिर्फ दुर्लभ परिस्थितियों में लगाई जा सकती है। अदालत ने माना कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर असर डालने वाले कुछ प्रावधानों पर अंतरिम आदेश जरूरी था, लेकिन पूरे कानून को रोकना न्यायसंगत नहीं होगा। इस प्रकार अदालत ने संतुलन साधते हुए धारा 3(आर) और धारा 83 की कुछ उपधाराओं को अस्थायी रूप से स्थगित किया, जबकि अधिनियम की बाकी धाराएं प्रभावी बनी रहीं। साथ ही, केंद्र सरकार से विस्तृत जवाब तलब किया गया है। इससे यह संकेत भी मिलता है कि मामला अभी परीक्षण के अधीन है और अंतिम निर्णय आने में समय लगेगा। राजनीतिक दृष्टि से यह फैसला अपेक्षित प्रतिक्रियाओं को जन्म देने वाला था। कांग्रेस ने इसे सरकार की मंशा पर आंशिक रोक करार देते हुए कहा कि यह न्यायपालिका का हस्तक्षेप उचित है। वहीं भाजपा ने विपक्ष पर भय और भ्रम की राजनीति करने का आरोप लगाया और अधिनियम को सुधारात्मक कदम बताया। वस्तुतः वक्फ कानून हमेशा धार्मिक भावनाओं और राजनीतिक समीकरणों से जुड़ा मुद्दा रहा है। ऐसे में किसी भी संशोधन या न्यायालय के हस्तक्षेप का समाज और राजनीति पर असर होना स्वाभाविक है।

यह निर्णय लोकतंत्र और संविधान की कसौटी पर भी परखा जाना चाहिए। संसद को कानून बनाने का अधिकार है, लेकिन संविधान यह भी कहता है कि हर कानून समानता, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के अनुरूप होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यही संदेश दिया कि अगर किसी कानून के प्रावधान इन मूल्यों से टकराते हैं, तो अदालत हस्तक्षेप करने से पीछे नहीं हटेगी। यह नागरिकों के विश्वास को मजबूत करता है कि न्यायपालिका केवल तकनीकी व्याख्या नहीं करती, बल्कि मूल अधिकारों की रक्षा भी करती है। आगे की राह सरकार और संसद के सामने है। वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन केवल कानूनी प्रश्न नहीं है, यह सामाजिक न्याय और पारदर्शिता का भी मुद्दा है। सरकार को चाहिए कि अधिनियम में ऐसे प्रावधान लाए जाएं जो निष्पक्ष और धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण को और मजबूत करें।

प्रसंगवश

अमर चित्रकथा वाले बच्चों के अनंत चाचा

कहानी पढ़ना किसे अच्छा नहीं लगता! शायद ही कोई बच्चा हो, जिसने अपनी दादी-नानी या मां से कहानी न सुनी हो। बड़े होने पर अपने विद्यालय की पुस्तकों के साथ ही पत्र-पत्रिकाओं में छपने वाली कहानी और कविताएं भी बच्चे बड़ी रुचि से पढ़ते हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें चित्र देखने में भी बहुत मजा आता है। इसमें से ही साहित्य की चित्रकथा विधा का जन्म हुआ। भारतीय इतिहास तथा पौराणिक पात्रों के आधार पर चित्रकथा बनाने वाले अनंत पै का जन्म 17 सितंबर, 1929 को करकाला (कर्नाटक) में वैंकटार्य एवं सुशीला पै के घर में हुआ था। दो वर्ष के होते-होते उनके माता-पिता का देहांत हो गया। अनंत 12 वर्ष की अवस्था में मुंबई आ गए और माहिम स्थित ओरियेंट स्कूल में पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से भौतिकी, रसायन और रसायन तकनीक में एक साथ दो उपाधियां प्राप्त कीं।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

चित्र और छपाई कला में रुचि होने के कारण अनंत पै ने 1954 में 'मानव' नामक बाल पत्रिका निकाली, पर उसमें सफल न होने पर वे 'टाइम्स ऑफ इंडिया' में काम करने लगे। उन दिनों उसमें बेताल और फैंटम जैसे विदेशी पात्रों पर आधारित 'इंद्रजाल कामिक्स' नामक चित्रकथा छपती थी। 1967 में अनंत पै ने दूरदर्शन के एक प्रश्नोत्तर कार्यक्रम में देखा कि बच्चे विदेशी नायकों के बारे में तो जानते हैं, पर श्रीराम और श्रीकृष्ण के बारे में नहीं। इससे उनके मन को चोट लगी और उन्होंने नौकरी छोड़कर कुछ नया करने का फैसला किया।

अब वे स्वतंत्र रूप से इस दिशा में काम करना चाहते थे, पर उनके पास इतना धन नहीं था। अनेक प्रकाशकों ने उनके विचारों को ठुकरा दिया। 'इंडिया बुक हाउस' के मीरचंदानी के सहयोग से 'अमर चित्रकथा' प्रकाशित होने लगी। बच्चों के साथ ही उनके अभिभावक और अध्यापकों ने भी इनका भरपूर स्वागत किया। भारत के महापुरुष, वीर महिलाएं, पौराणिक पात्र, प्रख्यात वैज्ञानिक, स्वाधीनता सेनानी आदि विषयों पर उन्होंने लगभग 450 पुस्तकें बनाईं। इनकी देश की 20 भाषाओं में दस करोड़ प्रतियां बिकीं।

अब वे बच्चों में 'अनंत चाचा' के नाम से प्रसिद्ध हो गए। 1969 में उन्होंने 'रंग रेखा फीचर्स' तथा 1980 में अंग्रेजी बाल पत्रिका 'टिंकल' प्रारंभ की। इसके पहले अंक की 40 हजार प्रतियां बिकीं। इसके कार्टून पात्र कपीश, रामू और शामू, सुपंडी, शिकारी शंभू और तंत्री दि मंत्री आदि बच्चों में खूब लोकप्रिय हुए। इसके 'अनु क्लब' द्वारा उन्होंने बच्चों में विज्ञान को लोकप्रिय बनाया। उनके पास हर माह चार से पांच हजार पाठकों के पत्र आते थे।

अनंत चाचा की सफलता का कारण उनकी विशिष्ट शैली थी। वे काम करते समय स्वयं बच्चों की मानसिकता में डूब जाते थे। उन्होंने अनेक साथी बनाए, जिनमें राम वेरकर प्रमुख हैं। उन्होंने हिंदी तथा अंग्रेजी में बच्चों के लिए सफलता के रहस्य, व्यक्तित्व विकास, स्मृति शास्त्र आदि पुस्तकें तथा वेदों की जानकारी देने के लिए 'एकम् सत्' नामक वीडियो फिल्म भी बनाई। कहानी सुनाते हुए उनके कई आडियो टेप भी लोकप्रिय हुए।

अनंत पै सदा नये विचारों पर काम करते रहते थे। वृद्ध होने पर भी वे भारत के विभिन्न तीर्थों तथा भारतीय इतिहास की 40 महत्वपूर्ण घटनाओं पर आधारित एक बड़े प्रकल्प पर काम कर रहे थे। सीढ़ियों से गिर जाने के कारण उनकी कूल्हे ही हड्डी टूट गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। वहीं 24 फरवरी, 2011 को हुए भीषण हृदयाघात से बच्चों के प्रिय अनंत चाचा सचमुच अनंत की यात्रा पर चले गए। दूरदर्शन और अंतरजाल के वर्तमान दौर में भी उनकी पुस्तकों की लगभग तीन लाख प्रतियां प्रतिवर्ष बिकती हैं।

नरेंद्र मोदी: संघ से प्रधानमंत्री तक की यात्रा

चंद्रशेखर चतुर्वेदी
बीएचयू, वाराणसी

'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर, नरेंद्र मोदी ने शासन में एक आदर्श बदलाव की शुरुआत की है, जिससे समावेशी, विकासोन्मुख और भ्रष्टाचार मुक्त शासन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। प्रधानमंत्री ने अंत्योदय के उद्देश्य को साकार करने और समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को सरकार की योजनाओं और पहल का लाभ सुनिश्चित करने के लिए स्पीड और स्केल पर काम किया है। प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने इस बात को माना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत रिकॉर्ड गति से गरीबी को खत्म कर रहा है। नीति आयोग की नवीनतम रिपोर्ट '2005-06 से भारत में बहुआयामी गरीबी' के निष्कर्षों के अनुसार, पिछले नौ वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। इसका श्रेय केंद्र सरकार द्वारा गरीबों के हित को ध्यान में रखते हुए लिए गए विभिन्न निर्णयों को जाता है।

आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम 'आयुष्मान भारत' सफलतापूर्वक चला रहा है। 50 करोड़ से अधिक भारतीयों को कवर करते हुए आयुष्मान भारत, गरीब और नव-मध्यम वर्ग को उच्च गुणवत्ता और सस्ती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित कर रहा है। गरीबों को वित्तीय धारा से जोड़ने के लिए पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री जन-धन योजना शुरू की, जिसका उद्देश्य प्रत्येक भारतीय का बैंक खाता खोलना था। अब तक 51 करोड़ से अधिक जन-धन खाते खोले जा चुके हैं।

जन-धन से एक कदम आगे बढ़ते हुए श्री मोदी ने समाज के सबसे कमजोर वर्गों को बीमा और पेंशन कवर देकर जन सुरक्षा पर जोर दिया। JAM ट्रिनिटी (जन धन- आधार-मोबाइल) ने बिचौलियों को समाप्त कर दिया और प्रौद्योगिकी के माध्यम से पारदर्शिता और गति सुनिश्चित की है। 2016 में गरीबों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना शुरू की गई थी। यह योजना 10 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को धुआं मुक्त रसोई प्रदान करने में गेम-चेंजर साबित हुई है। इसकी अधिकांश लाभार्थी महिलाएं हैं।

आजादी के 70 साल बाद भी जिन 18,000 गांवों में बिजली नहीं थी, उनमें बिजली पहुंचा दी गई है। 2014 और 2024 के बीच पीएम आवास योजना के तहत 4.2 करोड़ से अधिक घरों को मंजूरी दी गई। जून 2024 में तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता संभालने के बाद पहली कैबिनेट के निर्णयों में से एक- तीन करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण और शहरी परिवारों को घरों के निर्माण के लिए सहायता प्रदान करना था,

कृषि एक ऐसा क्षेत्र है जो श्री नरेंद्र मोदी के बहुत करीब है। 2019 के अंतरिम बजट के दौरान सरकार ने किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में एक मौद्रिक प्रोत्साहन योजना की घोषणा की। 24 फरवरी 2019 को योजना के शुरू होने के बाद लगभग हर तीन महीने में नियमित रूप से किश्तों का भुगतान किया जा रहा है। पीएम मोदी के दूसरे कार्यकाल की पहली कैबिनेट बैठक के दौरान इस योजना में पांच एकड़ की सीमा को हटाते हुए सभी किसानों को पीएम किसान का लाभ देने का फैसला किया गया। जून 2024 में श्री मोदी ने वाराणसी में पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी की, जिसमें 9.2 करोड़ से अधिक किसानों को 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ मिला।

श्री मोदी ने सॉयल हेल्थ कार्ड, बेहतर बाजारों के लिए ई-NAM और सिंचाई पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने जैसी किसान कल्याण की दिशा में विभिन्न पहलों की शुरूआत की। 30 मई 2019 को पीएम मोदी ने जल संसाधनों से संबंधित सभी पहलुओं की देख-रेख करने के लिए एक नया जल शक्ति मंत्रालय बनाकर एक बड़ा वादा पूरा किया। दो अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की जयंती पर प्रधानमंत्री ने पूरे देश में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए 'स्वच्छ भारत मिशन' का शुभारंभ किया। इस जन आंदोलन का बड़े पैमाने पर ऐतिहासिक प्रभाव पड़ा है। आज स्वच्छता कवरेज 2014 में 38% से बढ़कर 2019 में 100% हो गया है। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को खुले में शौच मुक्त घोषित किया गया है। स्वच्छ गंगा के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वच्छ भारत मिशन की सराहना की और कहा कि इससे तीन लाख लोगों की जान बच सकती है।

श्री मोदी का मानना है कि परिवहन, परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण साधन है, इसीलिए भारत सरकार हाई-वे, रेलवे, आई-वे और वॉटर-वे के रूप में अगली पीढ़ी का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए काम कर रही है। UDAN (उड़े देश के आम नागरिक) योजना ने उड्डयन क्षेत्र को लोगों के अधिक अनुकूल बनाया है और कनेक्टिविटी को बढ़ावा दिया है। पीएम ने भारत को अंतर्राष्ट्रीय विनिर्माण पॉवरहाउस में बदलने के लिए 'मेक इन इंडिया' पहल शुरू की। इस प्रयास से परिवर्तनकारी परिणाम सामने आए हैं। भारत ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में महत्वपूर्ण प्रगति की है। 2014 में भारत की रैंकिंग 142 थी, जो 2019 में 63 हो गई। 2017 में भारत सरकार ने जीएसटी लागू किया, जिसने 'वन नेशन, वन टैक्स' के सपने को साकार किया।

पीएम मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में श्री मोदी ने जलवायु परिवर्तन के अभिनव समाधान तैयार करने के लिए अलग जलवायु परिवर्तन विभाग बनाया था। इस भावना को पेरिस में 2015 के COP21 शिखर सम्मेलन में भी देखा गया था, जहां पीएम मोदी ने पर्यावरण से जुड़े मुद्दों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके प्रयासों को देखते हुए पीएम मोदी को संयुक्त राष्ट्र के 'चैंपियंस ऑफ अर्थ अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर, नरेंद्र मोदी ने शासन में एक आदर्श बदलाव की शुरुआत की है।

आमने

जन्मदिन उनका (ओम प्रकाश राजभर) है तो मैं इसके लिए क्या करूं। सौ रुपये से काम चलता है तो भिजवा दें। हम तो 100 रुपये ही देते हैं, चाहे जिनका जन्मदिन हो। उनके बारे में चर्चा करके भाव न बढ़ाएं।
–अखिलेश यादव
अध्यक्ष
समाजवादी पार्टी

सामने

सत्ता से दूर हुए साढ़े आठ साल बीत चुके हैं। कमाई का रास्ता बंद हो गया है, इसलिए अब 100 की बात कर रहे हैं। अगर सत्ता में बने रहते तो करोड़ों-अरबों से नीचे बात ही नहीं करते। ईश्वर करे जनता के पैसों से महलों में ऐश करने वाले अब पाई-पाई का हिसाब रखें।
–ओम प्रकाश राजभर, काबीना मंत्री

बदलते अमेरिकी सुर और भारत संग व्यापार

विवेक सक्सेना
अयोध्या

इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक चालों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उलझे दिखते हैं। यही कारण है कि उनका बयान बार-बार बदल रहा है, हालांकि यह ट्रंप की पुरानी आदत है, लेकिन नई परिस्थिति में भारत-अमेरिका के रिश्तों में जो खटास महसूस की गई, उसमें भारत के साथ संबंध और भारत जैसे देश के बड़े बाजार को साध पाना ट्रंप के लिए बहुत आसान नहीं कहा जा सकता है। भारत का बाजार चीन और दूसरे देशों के हाथ न चला जाए, यह अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए संकट का कारण माना जा रहा है। रिश्ते मधुर होने के बाद भी वह प्रोफेशनल ही हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कनाडा से अमेरिका आ जाने के ट्रंप का प्रस्ताव भी ठुकरा दिया था। मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर लंबी वार्ता में जो कुछ कहा, उससे भी यह स्पष्ट हो गया कि भारत कश्मीर अथवा अन्य किसी भी मामले में किसी के दबाव में आने वाला नहीं है। ट्रंप ने अगस्त में भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया, साथ ही भारत के रूसी तेल खरीदने के चलते 25 फीसदी अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया, जिससे अमेरिका-भारत संबंधों के भविष्य पर सवाल उठने लगे, जो हाल के वर्षों में, ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान मजबूत हुए थे।

एक माह में ऐसा रुख बदला कि अब ट्रंप न सिर्फ भारत के साथ अपने संबंधों की सराहना कर रहे हैं, अपितु ट्रेड डील की गुहार भी लगा रहे हैं। इसके पीछे भी कहीं न कहीं उनकी कोई कमजोरी ही है, जिसे वो भारत से डील करके कम करना चाहते हैं। ट्रंप के बड़बोलेपन पर मोदी की चुप्पी का ही असर कहा जाएगा कि दुनिया के सबसे ताकतवर देश का राष्ट्रपति प्रधानमंत्री से बातचीत करने के लिए उत्सुकता दिखा रहा है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में जल्द ही ट्रेड डील पर बातचीत करने की न सिर्फ इच्छा जताई है, अपितु विश्वास जताते हुए कहा कि दोनों पक्ष प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में सफल होंगे। पीएम मोदी ने भी ट्रंप के पोस्ट पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार हैं। मुझे विश्वास है कि हमारी व्यापार वार्ताएं भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं को उजागर करने का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ता है, तो निश्चित रूप से इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। अमेरिकी मांग के अनुसार, भारत अगर रूस से खरीदारी बंद भी कर देता है, तो इससे ग्लोबल ऑयल सप्लाई बाधित होगी और तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं, हालांकि इस बदलाव के पीछे अमेरिका की कई आर्थिक और वाणिज्यिक मजबूरियां भी हैं। भारत, अमेरिका को स्टील, एल्युमीनियम, दवाइयां, टेक्सटाइल और डिजिटल सेवाएं निर्यात करता है, जबकि अमेरिका से भारत ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और रक्षा उपकरण आयात करता है।

2025 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर सात फीसदी रही, जो वैश्विक अनुमानों से अधिक है। दोनों देशों के बीच एक दशक में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दोगुना हो गया है और इसे 2030 तक पांच सौ बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन यह तभी संभव है, जब मौजूदा गतिरोध खत्म हो। इसके लिए अमेरिका को भारतीय नजरिया समझने की जरूरत है। भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। यह वृद्धि भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाती है। भारत-अमेरिका का रिश्ता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। दोनों ने सुरक्षा, तकनीक, ऊर्जा समेत दूसरे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाया है। चीन की मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को भारतीय सहयोग की जरूरत है।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं। 2024 में द्विपक्षीय व्यापार 212 बिलियन डॉलर तक पहुंचा। भारत जैसे बड़े और तेजी से बढ़ते बाजार को नजरअंदाज करना अमेरिकी कंपनियों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। भारत की करीब 140 करोड़ जनसंख्या अमेरिकी उत्पादों और सेवाओं के लिए एक आकर्षक बाजार है। ट्रंप ने 2019 में जब भारत का जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज (जीएसपी) दर्जा खत्म किया, तो भारत ने अमेरिकी बादाम, सेब और रासायनिक उत्पादों पर शुल्क बढ़ा दिया। इस बार भी भारत ने जीएसटी सुधार करके अमेरिकी कोला कंपनियों के लिए भी मुश्किल खड़ी कर दी। भारत जैसे बड़े बाजार के साथ तनाव बढ़ाना ट्रंप की घरेलू लोकप्रियता को नुकसान पहुंचा सकता है। अमेरिकी थिंक टैंक भारत को लेकर ट्रंप के रवैये की आलोचना भी कर रहा है। इसके चलते ट्रंप घरेलू मोर्चे पर विलेन बनते जा रहे हैं। जाहिर है कि यह बात समझते ही ट्रंप के तेवर टैरिफ पर इतनी जल्दी ठंडे पड़ गए।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की यह उम्मीद कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। अच्छी बात यह है कि ट्रंप के मनमाने टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद बातचीत का रास्ता बंद नहीं हुआ। अब त्यौहारों का सीजन भी शुरू हो रहा है। अगर इस दौरान कोई डील होती है या ट्रंप टैरिफ में कटौती करते हैं, तो ये ट्रेडर्स के लिए दिवाली उपहार से कम नहीं होगा।

भारत के बड़े बाजार को साध पाना अमेरिका के लिए चुनौतीपूर्ण बन गया है। अब ट्रंप न सिर्फ भारत के साथ अपने संबंधों की सराहना कर रहे हैं, बल्कि ट्रेड डील की भी गुहार लगा रहे हैं।

सोशल फोरम

टॉल्स्टॉय को सभी जानते हैं, लेकिन सोफिया को!

इतिहास ने लियो टॉल्स्टॉय को याद रखा है, लेकिन उस आदमी के पीछे, जिसने 'वॉर एंड पीस' और 'अन्ना कारेनिना' जैसी अमर रचनाएं लिखीं, एक औरत खड़ी थी, जिसकी बात अक्सर सिर्फ एक फुटनोट बनकर रह जाती है। सोफिया टॉल्स्टॉय सिर्फ टॉल्स्टॉय की पत्नी नहीं थीं, वो उनकी संपादक थीं। उनकी प्रबंधक थीं। उनकी टाइपिस्ट, उनकी कॉपी करने वाली, उनकी प्रकाशक और उनके 13 बच्चों की मां। वो उस भावनात्मक तूफान को झेलने वाली थीं, जो एक बेहद प्रतिभाशाली लेकिन बेचैन आत्मा के भीतर लगातार मचलता रहता था।

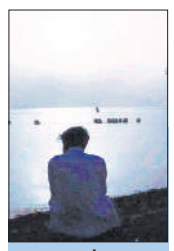

कलम रंगदार
फेसबुक

जब टॉल्स्टॉय ने उन्हें 'वॉर एंड पीस' की पांडुलिपि थमाई, तो वह कोई साफ-सुथरा ड्राफ्ट नहीं था। वो तो बिखरे हुए पन्नों का एक पहाड़ था, जीनियस की उलझी हुई परतें। सोफ़िया हर रात जाग-जागकर उसे हाथ से साफ-साफ सात बार कॉपी करती रहीं। उनके रेखाचित्रों को पढ़तीं, उनकी उलझी सोच को क्रम में लातीं और जो कोई और नहीं कर सकता था वो करतीं। उनकी प्रतिभा को पढ़ने लायक बनातीं।

पर कहानी यहीं खत्म नहीं होती।

सोफिया सिर्फ एक 'सहायक' नहीं थीं। उनका खुद का मन था, खुद की कलम थी, खुद का दुःख। वो खुद भी लेखिका थीं। वो टॉल्स्टॉय से बेहद प्यार करती थीं। पर उस प्यार की कीमत बहुत भारी थी।

जब टॉल्स्टॉय की मौत एक ठंडे रेलवे स्टेशन पर हुई, तो वो वहां पहुंचीं, लेकिन देर से। उन्हें कमरे में घुसने तक नहीं दिया गया। वो दृश्य हृदय विदारक है। वो औरत, जिसने उन्हें सब कुछ दिया, दरवाजे के बाहर खड़ी रही, जबकि उनके जीवन का अंत हो गया।

लेकिन शायद असली त्रासदी ये नहीं है। असली त्रासदी ये है कि दशकों तक हमने इस महिला को भी उनके जीवन की कहानी से बाहर ही रखा। सोफिया सिर्फ एक महान लेखक की पत्नी नहीं थीं, वो खुद भी उस महानता का हिस्सा थीं। वो उस जीनियस के पीछे का स्थिर हाथ थीं। वो एक ऐसी सहलेखिका थीं, जिनका नाम कभी किताब के कवर पर नहीं आया।

टॉल्स्टॉय को याद करना अगर जरूरी है, तो सोफिया को याद करना उससे भी जरूरी है, क्योंकि जब टॉल्स्टॉय इतिहास लिख रहे थे, सोफिया वो जमीन थीं, जिस पर वो इतिहास उग सका।

सामयिकी

जाम में जकड़ा भारत

भारत की सड़कों पर हर दिन एक अदृश्य संघर्ष होता है- समय, संयम और व्यवस्था के बीच। यह संघर्ष किसी एक शहर या महानगर तक सीमित नहीं, बल्कि गांवों, कस्बों, छोटे-बड़े शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों तक फैला हुआ है। जर्जर सड़कों, अनियंत्रित ट्रैफिक और घंटों लंबे जाम की स्थिति अब हमारे राष्ट्रीय जीवन का स्थायी हिस्सा बन चुकी है। यह केवल एक दैनिक असुविधा नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और मानसिक संकट का रूप ले चुकी है। दफ्तर जाने वाले कर्मचारी हों या ट्रक-टैंपो और टैक्सी चालक, डिलीवरी एजेंट हों या छात्र-छात्राएं, समय से अस्पताल पहुंचने की कोशिश में फंसे मरीज और उनके परिजन हों या किसी जरूरी बैठक की ओर दौड़ते व्यावसायिक यात्री, हर कोई गड्ढों, अतिक्रमण, धूल और जाम से दो-चार होता है। कस्बों और गांवों में टूटी-फूटी सड़कें, नागरिकों को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बाजार जैसी बुनियादी सुविधाओं तक भी पहुंच से वंचित कर देती हैं। यह स्थिति अब हमारे सार्वजनिक जीवन की 'नई सामान्य स्थिति' बन गई है, जबकि न तो यह सामान्य है और न ही स्वीकार्य।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए यूनिवर्सिटी

जब सड़कें बदहाल हों और यातायात व्यवस्था चरमराई हो, तो रेंगते वाहनों की कतारें केवल समय नहीं, ऊर्जा और ईंधन की भी भारी बर्बादी करती हैं। महंगे पेट्रोल-डीजल की खपत इस अव्यवस्थित गति में कई गुना बढ़ जाती है, लेकिन नुकसान यहीं तक सीमित नहीं रहता। लगातार ब्रेक, क्लच और एक्सीलेरेटर के इस्तेमाल से गाड़ियों की माइलेज घटती है, रख-रखाव की लागत बढ़ती है और वाहन समय से पहले जवाब दे देते हैं। इसका सीधा असर उस मध्यमवर्ग, श्रमिक वर्ग और छोटे व्यवसायी पर पड़ता है, जिसकी जेब पहले से ही महंगाई के बोझ तले दबी है।

जाम में फंसे हजारों वाहनों से निकलता धुंआ हवा में कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कणों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा देता है। यह न केवल पर्यावरण को दीर्घकालिक क्षति पहुंचाता है, बल्कि प्रतिदिन सांस लेने वाले नागरिकों के फेफड़ों को जहर से भर देता है। बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा या ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियों से ग्रस्त लोगों के लिए यह स्थिति अत्यंत घातक बन चुकी है।

इसी के साथ, ध्वनि प्रदूषण भी अब केवल शोरगुल नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर सीधा आघात है। ट्रैफिक जाम में फंसे वाहन चालकों की अधीरता हर दिशा से बजते हॉर्न और इंजन की गूंज में तब्दील हो जाती है। यह शोर न केवल कानों को पीड़ा देता है, बल्कि मानसिक तनाव, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप और चिड़चिड़ेपन जैसी समस्याओं को जन्म देता है। लगातार शोर में रहने वाले लोगों की सुनने की क्षमता तक प्रभावित होने लगती है। छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक, अब यह ध्वनि प्रदूषण नागरिकों की शांति और स्वास्थ्य दोनों को लील रहा है।

ट्रैफिक और खराब सड़कों से उपजे तनाव का सबसे गहरा असर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है, जो अक्सर अनदेखा रह जाता है। नागरिक केवल देरी से गंतव्य नहीं पहुंचते, वे हर दिन एक मानसिक थकावट, असहायता और चिड़चिड़ेपन का बोझ भी ढोते हैं। यही बोझ धीरे-धीरे सामाजिक व्यवहार में उतरता है। गुस्सा, रोडरेज, पारिवारिक कलह और सामाजिक असहिष्णुता जैसी प्रवृत्तियां इसी दबाव की उपज हैं। जब कोई मरीज समय पर अस्पताल न पहुंच पाए, जब किसी छात्र की परीक्षा छूट जाए या कोई परिवार संकट की घड़ी में रास्ते में ही फंसा रह जाए, तो यह जाम केवल ट्रैफिक का नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनशीलता और प्रशासनिक सजगता की भी असफलता बन जाता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हैदराबाद की पहचान चारमीनार

सुल्तान मुहम्मद क़ुली क़ुतुब शाह, क़ुतुब शाही वंश के पांचवें शासक ने गोलकुंडा से नवनिर्मित हैदराबाद में अपनी राजधानी को स्थानांतरित करने के बाद 1591 ई. में चारमीनार का निर्माण कराया था। यह ऐतिहासिक धरोहर तेलंगाना प्रांत के हैदराबाद में स्थित एक स्मारक और मस्जिद है। यह विश्व स्तर पर हैदराबाद के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। इसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा तैयार आधिकारिक स्मारकों की सूची में एक पुरातात्विक और वास्तुशिल्प खजाने के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इसे देखने के लिए भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कोने-कोने से पर्यटक आते हैं।

रोहित टंडन
उद्यमी

हैदराबादी मोती पूरी दुनिया में प्रसिद्ध

चारमीनार के लंबे इतिहास में 400 से अधिक वर्षों से इसकी शीर्ष पर एक खूबसूरत मस्जिद खुले छत के पश्चिमी छोर पर स्थित है। ऐतिहासिक और धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण, यह संरचना के आसपास के लोकप्रिय और व्यस्त स्थानीय बाजारों के लिए भी जाना जाता है, और हैदराबाद में सबसे अधिक बार आने वाले पर्यटक आकर्षणों में से एक बन गया है। इसके पश्चिम स्थित बाज़ार और दक्षिण पश्चिम में सबसे बड़ी और सुंदर मक्का मस्जिद स्थित है। अपने सुनहरे दिनों में चारमीनार बाजार में लगभग 14,000 दुकानें थीं। इस बाजार में पर्यटक और स्थानीय लोग विशेष रूप से आभूषण, उत्तम चूड़ियां और प्रसिद्ध हैदराबादी मोती के लिए आते हैं।

मूसी नदी के तट पर है स्थित

चारमीनार मूसी नदी के पूर्वी तट पर स्थित है। चारमीनार एक चौकोर संरचना है। जिसकी हर एक वर्ग 20 मीटर (लगभग 66 फीट) लंबा है। प्रत्येक वर्ग के पास चारों में से एक भव्य मेहराब है तथा प्रत्येक ऐसे मुख्य बिंदुओं के सामने है जो सीधा अपने-सामने वाली सड़क के सामने खुलते हैं। प्रत्येक कोने पर एक उत्कृष्ट मीनार 159.77 फीट ऊंची एक डबल छज्जे के साथ खड़ी है। जिसे आधार पर डिजाइन की तरह एक बल्बनुमा गुंबद द्वारा ताज पहनाया गया है। चारमीनार के ऊपर पहुंचने के लिए 149 घुमावदार सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं।

चूना- पत्थर और ग्रेनाइट से है बना

चारमीनार ग्रेनाइट, चूना पत्थर, मोर्टार और चूर्णित संगमरमर से बना है। शुरूआत में इसके चार मेहराब के साथ स्मारक के लिए ऐसी सटीक योजना बनाई थी कि जब चारमीनार खोला गया था तब प्रत्येक मेहराब से हैदराबाद शहर के चारों कोनों की झलक मिलती थी, क्योंकि प्रत्येक मेहराब किसी एक सबसे सक्रिय शाही सड़कों के सामने था। वहां भी एक भूमिगत सुरंग की भी योजना का जिक्र है। संभवतः घेराबंदी के समय कुतुब शाही शासकों के लिए भागने के एक मार्ग के रूप में इरादा गोलकुंडा से इसे सुरंग से जोड़ने का रहा होगा, हालांकि सुरंग का स्थान अज्ञात है।

आधार पर स्थित है भाग्यलक्ष्मी मंदिर

भाग्यलक्ष्मी मंदिर भी चारमीनार के आधार पर स्थित है। चारमीनार का प्रबंधन करने वाले हैदराबाद उच्च न्यायालय ने मंदिर के आगे विस्तार को रोक दिया है। जबकि वर्तमान में मंदिर की उत्पत्ति विवादित नहीं है। यह मंदिर भी पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन है।

कानपुर को 40 फीसदी भी नहीं दिखा पाता मुंबई

मुंबई फिल्म इंडस्ट्री को कानपुर शहर की लैंग्वेज, यहां का रहन-सहन और परिवेश बहुत सूट कर रहा है। शहर के अलग-अलग विषय को देश दुनिया में पसंद किया जाता है, इसीलिए फिल्म निर्माता तेजी से शहर की ओर रुख कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वह अपनी फिल्मों में शहर को 40 फीसदी भी नहीं दिखा पाते हैं। यह कहना है शहर के युवा एक्टर अजय मिश्रा का। अक्षय, अरशद और सौरभ शुक्ला स्टारर फिल्म जॉली एलएलबी 3 के प्रोमोशन वीडियो में दिखे शहर के अजय मिश्रा ने बॉलीवुड फिल्मों के साथ ही एक दर्जन से अधिक टीवी शो व वेब सीरीज में भी कार्य किया है। *प्रस्तुति: अभिषेक वर्मा*

शहर के बर्रा में रहने वाले अजय मिश्रा का किसान परिवार भीतरगांव में रहता है। उन्होंने बताया कि महाभारत, शक्तिमान जैसे शो को देखने के बाद बचपन से ही एक क्रेज था कि एक दिन बड़े पर्दे पर दिखना है। टीवी देखने के चलते मां से कई बार मार खाया, इस दौरान मां से भी डॉयलाग मारता था कि 'मर्द के दर्द नहीं होता है' 2003 से स्ट्रगलर कर रहे अजय मिश्रा ने बताया कि पढ़ाई और दूसरे कार्य के साथ एक्टिंग के लिए दिल्ली-मुंबई के चक्कर लगता रहा।

टीवी पर आने वाले शो जमुनिया, जोधा अकबर के साथ ही क्राइम पेट्रोल व अन्य टीवी शो में जो भी छोटे रोल मिले किए। उन्होंने बताया कि 2018 में पहली बार फैमिली ऑफ ठाकुरगंज में जिम्मी शेरगिल और सौरभ शुक्ला स्टारर फिल्म से पहचान मिली। इस फिल्म में सौरभ शुक्ला का राइट हैंड 'लल्ला' नाम के किरदार को निभाया। अजय कहते है कि 2 घंटे की फिल्म में 15 मिनट स्क्रीन पर रहना मेरे लिए बड़ा सुखद रहा। इसके बाद अजय देवगन की फिल्म भोला ने भी अच्छी टीआरपी दी। राजकुमार राव की फिल्म मालिक, सुबेदार में भी किरदार मिल चुका है।

साल के अंत में रिलीज होगी 'द हिस्ट्रीशीटर'

अजय मिश्रा ने बताया कि एक्टिंग के साथ ही कास्टिंग और लाइन प्रड्यूसर का कार्य भी कर रहे हैं। बताया कि 2017 से एक फिल्म 'द हिस्ट्रीशीटर' पर कार्य कर रहे थे, बजट व अन्य आभाव के चलते यह फिल्म रिलीज नहीं हो सकी थी, लेकिन अब यह बनकर तैयार है। अजय ने बताया कि सस्पेंस थ्रिलर फिल्म में कानपुर और आस-पास की कहानी देखने को मिलेगी। इसी साल के अंत में फिल्म को रिलीज करने की तैयारी है।

551
रुपये का है जॉली पान

हाल में ही जॉली एलएलबी 3 का प्रोमोशन वीडियो लांच हुआ है। इसमें शहर के अजय मिश्रा जॉली पान बेचते दिखाई दे रहे हैं। अजय मिश्रा डॉयलॉग बोल रहे हैं कि जॉलीपान है देख नहीं रहे हैं, इसमें बनारस का पत्ता है, इलायची दुबई की है और चूना है जापान का। इस प्रोमोशन वीडियो को भी खूब देखा जा रहा है।

मुंबई में कंपटीशन के साथ विश्वासघात बड़ी चुनौती

अजय मिश्रा ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री इतनी जल्द किसी को अपनाती नहीं है। बहुत कंपटीशन है। चप्पलें घिसकर यहां तक पहुंच पाया हूं। उन्होंने कहा कि यहां चुनौती तो है, इसके साथ ही विश्वासपात्र लोग मिल पाना बड़ा मुश्किल टास्क है। जिसको आगे बढ़ाने की सोचा वह आपको अगले कदम पर गिराने के लिए खड़ा है। लेकिन, इन बुराइयों को भूल जाओ तो बहुत से बेहतर लोग भी यहां हैं जो गिरते समय आपका हाथ भी पकड़ते हैं। ऐसे ही कुछ लोगों की मदद और अपनी मेहनत से यहां तक पहुंच पाया हूं।

यूं ही नहीं कहते हैं, राधा के बिना श्याम आधा

राधे-राधे और जयश्री राधे का बढ़ते महिमा गान के बीच राधा रानी के अनन्य भक्त वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज द्वारा राधा नाम जप की महत्ता स्थापित करने के बाद तमाम लोगों के मन में राधा की शक्ति और भक्ति को लेकर अनेक प्रकार के प्रश्न हैं। आइए जानते हैं कि कौन हैं राधा और कैसे हुआ प्रादुर्भाव।

नमिता त्रिपाठी
लेखिका

राधा का जन्म शक्ति और भक्ति का अवतार

राधा का जन्म शक्ति और भक्ति के अवतार के रूप में हुआ। वे परम प्रेम, समर्पण और भक्ति की मूर्ति हैं। श्रीकृष्ण और राधा का संबंध जीव और परमात्मा के मिलन का प्रतीक है, इसीलिए राधा को कृष्ण से भी बढ़कर पूज्य माना जाता है, क्योंकि राधा के बिना कृष्ण की लीला अधूरी है। राधा रानी के जन्म को लेकर शास्त्रों और पुराणों का सार यही है कि राधा स्वयं श्रीकृष्ण की अनन्त शक्ति-ह्लादिनी शक्ति का अवतार हैं। उनका जन्म माता के गर्भ से नहीं बल्कि योगमाया से हुआ था। एक प्रसिद्ध मान्यता के अनुसार, रावली ग्राम (बरसाना के समीप) में वृषभानु और उनकी पत्नी कीर्ति देवी रहते थे। कीर्ति देवी धर्मपरायण होकर भी संतान-सुख से वंचित थी। एक दिन उन्होंने यमुना तट पर तपस्या की, तभी आकाशवाणी हुई, हे देवी, तुम्हें स्वयं लक्ष्मी स्वरूपा कन्या प्राप्त होगी, जो श्रीकृष्ण की अनन्त प्रेयसी और शक्ति का अवतार होगी। कुछ समय बाद कीर्ति देवी ने एक कन्या को कमल के फूल पर प्रकट होते हुए देखा। उसे वह अपने घर ले आईं। यही राधा थीं। एक अन्य किवंदती के अनुसार बाबा वृषभानु यमुना में स्नान कर रहे थे। एक कमल का फूल पानी में तैरता हुआ उनके पास आया। जिस पर राधा थीं। उन्हें वह भगवान का प्रसाद मानकर अपनी पुत्री बनाकर घर ले आए।

श्रीकृष्ण और राधा का संबंध आत्मा और परमात्मा का

कहते है, कि भगवान का असली स्वरूप भक्ति के द्वारा प्रकट होता है और राधा उस भक्ति की सर्वोच्च मूर्ति हैं। जब हम राधा का नाम लेते हैं तो हम अपने भीतर प्रेम और समर्पण को जगाते हैं और जब उस भाव के साथ कृष्ण का नाम लिया जाता है तो वह सच्ची पुकार बन जाती है। इसलिए भगवान श्रीकृष्ण के नाम के आगे राधा का नाम लेना चाहिए। श्रीकृष्ण और राधा का संबंध एक नारी और पुरुष का नहीं बल्कि आत्मा और परमात्मा का है। श्रीकृष्ण भगवान हैं, तो राधा उनकी सर्वोच्च भक्त है। इसलिए जब राधारानी का नाम पहले लिया जाता है तो इसका अर्थ होता है कि, परमात्मा तक पहुंचने के लिए हमें पहले भक्ति और प्रेम का सहारा लेना पड़ता है। बिना भक्ति के भगवान तक पहुंचना असंभव है। भक्तों की आराधना से श्रीकृष्ण तब ही खुश होते है जब भक्त प्रीति और समर्पण से उनका अनुसरण करते है। राधा रानी ने अपने जीवन में कृष्ण के प्रति पूर्ण समर्पण और निष्काम प्रेम दिखाया। उनके प्रेम में कोई स्वार्थ नहीं था। राधा ने कभी कृष्ण से कुछ मांगा नहीं बल्कि हर पल केवल उनका स्मरण और आराधना की। यही वजह है कि श्रीकृष्ण का नाम राधा नाम के बिना अधूरा है।

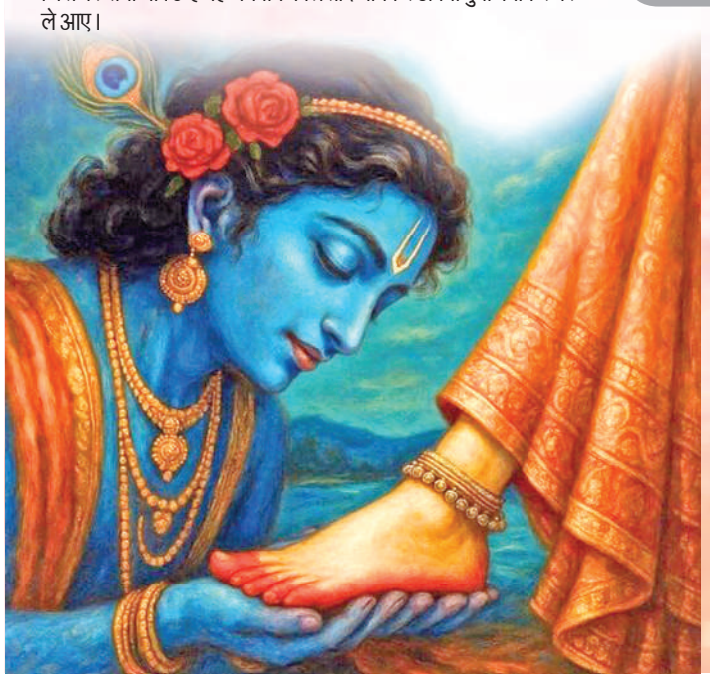

पुराणों ही नहीं, वेदों में भी है राधा रानी का गुणगान

ऋषि वेद व्यास ने भागवत की रचना की, लेकिन उसमें राधा का उल्लेख नहीं है, तो वेद व्यास की लेखनी से भागवत ही नहीं, कई अन्य पुराण भी निकले हैं, जिनमें उन्होंने राधा रानी का गुणगान किया है। पद्म पुराण में कहा गया है, हजारों लक्ष्मी राधा के ही विस्तार हैं, जो उनसे प्रकट हुई हैं। नारद पुराण में राधा रानी के बायीं ओर से महालक्ष्मी के प्रकट होने की बात है। आदि पुराण में वेद व्यास कहते हैं कि राधा शाश्वत हैं। मत्स्य पुराण में कहा गया है कि रुक्मिणी तो द्वारिका में रहती हैं, लेकिन राधा सदैव वृन्दावन में रहती हैं। देवी भागवत पुराण में सीख दी गई है कि श्रीकृष्ण से पहले राधा नाम का उच्चारण करें। ब्रह्म वैवर्तक पुराण के अनुसार श्रीकृष्ण राधा के पुरुष रूप हैं, और अंत में, वेदों में भी राधा जी का उल्लेख है। ऋग्वेद में उल्लेख है कि मैं वृषभानु (राधा के पिता) की पुत्री को प्रणाम करता हूं। राधिकोपनिषद में कहा गया है कि राधा वह सत्ता हैं, जिनके चरण कमलों की धूल को जगत के स्वामी अपने मस्तक पर धारण करते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,380.69	25,239.10
बढ़त	594.95	169.90
प्रतिशत में	0.73	0.68

सोना : 1,15,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,32,870 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 17 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2615, राज श्री 1830, फ़ॉर्चून कि. 2220, रविन्द्रा 2550, फॉर्चुन 13केजी 1950, जय जवान 1960, सचिन 2040, सूरज 1960, अवसर 1885, उजाला 1920, गृहणी 13 केजी 1880, क्लासिक (केजी) 2095, मोर 2150, चक्र टिन 2375, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2475, स्वास्तिक 2555

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली, 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 7050, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4380, पीलीभीत 4280, सितारगंज 4260, धामपुर 4360

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5200, मसूरी- 3600 बासमती- 9300, परमल- 3100

दाल दलहन : काला चना- 7000, साबुत चना दाल- 7200, मूंग साबुत- 9100 राजमा- 12400-14100, दाल उड़द- 9100, साबुत मसूर दाल- 7200 मसूर दाल- 7000, उड़द साबुत- 8000 काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 11100, लोबिया/करमानी- 9100

व्यापार वार्ता बहाल होने की उम्मीद से झूमा बाजार

सेंसेक्स 595 अंक चढ़ा मुंबई, निफ्टी में 170 अंक की बढ़त दर्ज

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स करीब 595 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी में 170 अंक की बढ़त दर्ज की गई। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत का सिलसिला फिर से शुरू होने से बाजार ने तेजी दिखाई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 594.95 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,380.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 657.74 अंक तक चढ़ गया था।

एनएसई का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी 169.90 अंक यानी 0.68 प्रतिशत चढ़कर 25,239.10 अंक पर बंद हुआ। बाजार में रौनक लौटने के पीछे का कारण भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर फिर से बातचीत का सिलसिला शुरू होना रहा। भारत और अमेरिका के मुख्य वार्ताकारों ने प्रस्तावित व्यापार समझौते से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए मंगलवार को बातचीत शुरू कर दी। इस सप्ताह होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले एशियाई और अमेरिकी बाजारों में तेजी रही जिसका सकारात्मक असर घरेलू बाजार पर पड़ा। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, भारती एयरटेल और टाटा स्टील प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स और बजाज फाइनेंस शामिल हैं।

आगामी फेड के नीतिगत निर्णय में प्रमुख ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत कटौती की उम्मीद और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता फिर से शुरू होने को लेकर नई उम्मीद बंधने और अनुकूल वैश्विक संकेतों से घरेलू बाजार में सुधार का रुख रहा। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, नई जीएसटी दरों के लागू होने और त्योहारों के दौरान मांग की उम्मीद से वाहन और टिकाऊ उपभोक्ता सामान क्षेत्र के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। व्यापक बाजार में बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.66 प्रतिशत चढ़ गया जबकि मिडकैप में 0.62 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। क्षेत्रवार सूचकांकों में सेवा खंड 1.67 प्रतिशत की बढ़त लेने में सफल रहा जबकि दूरसंचार खंड में 1.50 प्रतिशत, वाहन खंड में 1.43 प्रतिशत और प्रौद्योगिकी खंड में 1.05 प्रतिशत की तेजी रही।

भारत बातचीत की मेज पर आ रहा है : नवारो

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। राजधानी दिल्ली में भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों के बीच व्यापार वार्ता से पहले व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा है कि भारत 'बातचीत की मेज पर आ रहा है। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि दुनिया के प्रमुख देशों की तुलना में भारत सबसे ज्यादा शुल्क लगाता है। उनकी यह टिप्पणी डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच की मंगलवार को प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर दिन भर चलने वाली वार्ता से पहले आई है। नवारो ने कहा, भारत बातचीत की मेज पर आ रहा है... शुल्क का महाराजा।

भारत-अमेरिका के बीच सकारात्मक बातचीत दोनों देश जल्द समझौते के पक्ष में

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर मंगलवार को हुई एक-दिवसीय बातचीत सकारात्मक रही और दोनों पक्षों ने समझौते को जल्द निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए प्रयास तेज करने पर सहमति जताई। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान यह निर्णय लिया गया कि दोनों पक्षों के लिए परस्पर लाभकारी व्यापार समझौते को जल्द निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए प्रयास तेज किए जाएंगे। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने भी भारतीय अधिकारियों के साथ हुई बातचीत के सकारात्मक रहने की जानकारी दी। इस बातचीत में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुख्य वार्ताकार एवं सहायक व्यापार प्रतिनिधि (दक्षिण एवं पश्चिम एशिया) ब्रेंडन लिंच ने किया जबकि भारत की ओर से वाणिज्य मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने अगुवाई की। एक अधिकारी ने बताया कि समझौते पर आगे की चर्चा डिजिटल माध्यम से भी जारी रहेगी और आमने-सामने की अगली बैठक के लिए आपसी सहमति से तारीख तय की जाएगी। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक का आयात शुल्क लगा दिया है। भारत पहले ही इस भारी-भरकम शुल्क को अनुचित और असंगत बता चुका है। व्यापार समझौते पर दोनों देशों के बीच अब तक पांच दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं जबकि 25-29 अगस्त को प्रस्तावित छठा दौर ऊंचे आयात शुल्क लगाए जाने के बाद टाल दिया गया था। लिंच के साथ अग्रवाल की यह बातचीत व्यापार वार्ता को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश मानी जा रही है।

सोना रिकॉर्ड 1.15 लाख के पार, चांदी भी नए शिखर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

● फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से चमका सोना

कमजोर अमेरिकी डॉलर और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,800 रुपये उछलकर 1,15,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, इसके अलावा 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,800 रुपये बढ़कर 1,14,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गयी।

स्थानीय सर्राफा बाजार में, पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 500-500 रुपये गिरकर क्रमशः 1,13,300 रुपये और 1,12,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, कमजोर डॉलर और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर कटौती की बढ़ती उम्मीदों के चलते मंगलवार को सोना एक और रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके अलावा, मंगलवार को चांदी 570 रुपये चढ़कर 1,32,870 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई।

रुपया आठ पैसे चढ़कर 88.08 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के पटरी पर लौटने की उम्मीदें बढ़ने से मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे मजबूत होकर 88.08 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि सकारात्मक घरेलू बाजारों और कमजोर डॉलर के कारण रुपये में मजबूती आई। अमेरिकी डॉलर फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक और निराशाजनक आर्थिक आंकड़ों से पहले दो महीने के निचले स्तर पर आ गया।

बीस वर्ष की सेवा के बाद होंगे सुनिश्चित पेंशन के हकदार

● वीआरएस लेने वाले कर्मियों के लिए व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। कार्मिक मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि हाल ही में अधिसूचित नियमों के तहत, केंद्र सरकार के ऐसे कर्मचारी जो 20 वर्ष या अधिक की सेवा पूरी करने के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) का विकल्प चुनते हैं, वे अनुपातिक आधार पर सुनिश्चित भुगतान के हकदार हैं।

पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने दो सितंबर को आधिकारिक राजपत्र में केंद्रीय सिविल सेवा नियम, 2025 अधिसूचित किए हैं। ये नियम राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को विकल्प चुनने वाले केंद्रीय कर्मचारियों के संबंध में एकीकृत पेंशन योजना के तहत लाभ से संबंधित मामलों को विनियमित करने के लिए हैं। ये नियम, यूपीएस ग्राहकों को 20 वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के विकल्प प्रदान करते हैं। मंत्रालय ने कहा कि 20 वर्ष या उससे अधिक की सेवा पूरी करने के बाद वीआरएस विकल्प चुनने पर, अंशदाता को आनुपातिक आधार पर सुनिश्चित भुगतान देय होगा।

आउट ऑफ स्टॉक हुआ कॉस्मिक ऑरेंज आईफोन प्रो मैक्स-17

नई दिल्ली। कॉस्मिक ऑरेंज रंग वाले एप्पल के आईफोन प्रो मैक्स-17 की मांग में भारी उछाल आया है। कंपनी के कर्मचारियों द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, अमेरिका और भारत में कंपनी के आधिकारिक स्टोर पर इस उपकरण को लेने के लिए बुकिंग शुरू होने के तीन दिन के भीतर ही 'यह आउट ऑफ स्टॉक' हो गया है। एप्पल इंडिया वेबसाइट से प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारत में पूरी आईफोन प्रो मैक्स श्रृंखला एप्पल स्टोर्स पर पिक-अप विकल्प के साथ पूर्व-ऑर्डर के साथ उपलब्ध नहीं है।

जीएसटी छूट को प्रमुखता से प्रदर्शित करें खुदरा विक्रेता

नई दिल्ली, एजेंसी

● वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी किए निर्देश

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने खुदरा विक्रेताओं को निर्देश दिया है कि वे हाल ही में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में किए गए संशोधन के कारण मिलने वाली छूट को प्रमुखता से प्रदर्शित करें और उसका विज्ञापन करें।

भारतीय खुदरा विक्रेता संघ को भेजे एक पत्र में, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने कहा कि खुदरा विक्रेताओं को रसीद/बिल में जीएसटी में कमी को जीएसटी छूट के रूप में दर्शाना चाहिए और उच्च प्रभाव वाले उत्पादों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। डीपीआईआईटी ने कहा, अपने नेटवर्क के माध्यम से वे जीएसटी के कारण छूट को प्रमुखता से प्रदर्शित करें और उसका विज्ञापन करें। उदाहरण के लिए- अपने खुदरा नेटवर्क के माध्यम से पोस्टर/फ्लायर्स और विज्ञापन के माध्यम से ऐसा किया जाना चाहिए। विभाग ने यह भी सुझाव दिया है कि इस त्योहारी सीजन के दौरान बिक्री के आंकड़ों पर नजर रखी जाए।

व्यक्तिगत स्वास्थ्य, जीवन बीमा पॉलिसी मामले में कमीशन पर जीएसटी के लिए आईटीसी का लाभ नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने मंगलवार को कहा कि बीमा कंपनियां 22 सितंबर से व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसी के लिए कमीशन और ब्रोकरेज जैसे 'इनपुट' यानी कच्चे माल के लिए चुकाए गए जीएसटी पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा नहीं कर पाएंगी। सीबीआईसी ने 22 सितंबर से नए जीएसटी स्लैब लागू होने पर विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं पर कराधान के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) की सूची जारी की है। जीएसटी परिषद ने तीन सितंबर को अपनी बैठक में व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसी पर चुकाए गए प्रीमियम को जीएसटी से छूट देने का निर्णय लिया। फिलहाल इस पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगता है। छूट 22 सितंबर से प्रभावी होगी। इस सवाल के जवाब में कि बीमा कंपनियों की कौन सी 'इनपुट' सेवाएं जीएसटी से मुक्त हैं, सीबीआईसी ने कहा कि वर्तमान में, बीमा कंपनियां कमीशन, ब्रोकरेज और पुनर्बीमा जैसे कई इनपुट और इनपुट सेवाओं पर आईटीसी का लाभ उठा रही हैं। सीबीआईसी ने कहा, इन इनपुट सेवाओं में से, पुनर्बीमा सेवाओं को छूट दी जाएगी।

राष्ट्रीय

विवाहघर बनाने के लिए श्रद्धालु मंदिरों को नहीं देते दान

सुप्रीम कोर्ट की तमिलनाडु सरकार को फटकार, कहा- मंदिर के धन को सार्वजनिक या सरकारी नहीं माना जा सकता

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया धन विवाह समारोह स्थलों के निर्माण के लिए नहीं होता। न्यायालय ने उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया जिसमें कहा गया था कि मंदिर के धन को सार्वजनिक या सरकारी धन नहीं माना जा सकता। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने तमिलनाडु के विभिन्न स्थानों पर पांच मंदिरों के धन से शादी स्थलों के निर्माण की अनुमति देने वाले सरकारी आदेशों को रद्द करते हुए फटकरा लगाई।

गत 19 अगस्त के अपने आदेश में, उच्च न्यायालय ने कहा कि विवाह समारोहों के लिए किराए पर देने के लिए मैरिज हॉल का निर्माण करने का सरकार का निर्णय धार्मिक उद्देश्यों की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आता। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी और उसने कहा, भक्त इन विवाह स्थलों के निर्माण के लिए मंदिर को अपना धन नहीं देते हैं। यह मंदिर के सुधार के लिए हो सकता है। पीठ ने पूछा, यदि मंदिर परिसर में विवाह समारोह चल रहा हो और सभी प्रकार के अश्लील गाने बजाए जा रहे हों, तो क्या मंदिर का यही उद्देश्य है? शीर्ष अदालत ने इसके बजाय सुझाव दिया कि इस धन का उपयोग शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों जैसे धर्मार्थ कार्यों के लिए किया जाए। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और अन्य वकील याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। पीठ ने कहा कि मुद्दा यह है कि सरकार द्वारा लिया गया निर्णय सही था या गलत। हालांकि, शीर्ष अदालत ने चुनौती पर सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की और इसे 19 नवंबर के लिए स्थगित कर दिया। पीठ ने कहा, हम इस मामले की सुनवाई करेंगे। हम याचिकाकर्ताओं को कोई स्थगन आदेश नहीं दे रहे हैं।

उच्च न्यायालय का यह निर्णय मंदिर के धन से विवाह मंडपों के निर्माण की अनुमति देने वाले सरकारी आदेशों को चुनौती देने वाली याचिका पर आया है। सरकारी आदेशों में हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री के बयान का खुलासा किया गया है, जिन्होंने विधानसभा में बजट भाषण के दौरान मंदिर के धन से 80 करोड़ रुपये खर्च करके 27 मंदिरों में विवाह मंडपों के निर्माण की घोषणा की थी। हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम और उसके नियमों के प्रावधानों के तहत, सरकार को मंदिर के धन या अधिशेष धन का उपयोग विवाह मंडपों के निर्माण के लिए करने का कोई अधिकार नहीं है।

खजुराहो में भगवान विष्णु की मूर्ति पुन: स्थापित कराने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने यूनेस्को की विश्व विरासतों में शुमार मध्य प्रदेश में स्थित खजुराहो मंदिर के परिसर में मौजूद जावरी मंदिर में भगवान विष्णु की सात फुट ऊंची प्रतिमा को पुन: स्थापित करने के अनुरोध से जुड़ी एक याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि यह याचिका चर्चा में आने के लिए दायर की गई है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्र ने राकेश दलाल नामक व्यक्ति की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें छतरपुर जिले के जावरी मंदिर में क्षतिग्रस्त मूर्ति को बदलने और उसकी प्राण प्रतिष्ठा कराने का अनुरोध किया गया था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, यह पूरी तरह से प्रचार पाने के लिए दायर याचिका है... जाकर स्वयं भगवान से कुछ करने के लिए कहिए। अगर आप कह रहे हैं कि आप भगवान विष्णु के प्रति गहरी आस्था रखते हैं, तो प्रार्थना करें और थोड़ा ध्यान लगाएं।

मोदी को उपहार में मिली 1,300 से अधिक वस्तुओं की आज से की जाएगी ई-नीलामी

नई दिल्ली, एजेंसी

पेंटिंग, कलाकृतियां और देवी-देवताओं की मूर्तियां शामिल

शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री को मिले 1,300 से ज्यादा उपहारों की ऑनलाइन नीलामी की जाएगी। इन वस्तुओं में पेंटिंग, कलाकृतियां, प्रतिमाएं, देवी-देवताओं की मूर्तियां और कुछ खेल सामग्री शामिल हैं। मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने अपने सभी स्मृति चिह्न इस नेक काम के लिए समर्पित कर दिए हैं। ई-नीलामी में, कढ़ाई वाली पश्मीना शॉल, राम दरबार की तंजौर पेंटिंग, नटराज मूर्ति, गुजरात की रोगन कला, एक हाथ से बुनी हुई नगा शॉल आदि शामिल की गई हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उपहार में मिली 1,300 से अधिक वस्तुओं की यहां सत्रह सितंबर से दो अक्टूबर तक ई-नीलामी की जाएगी। इनमें राम दरबार की तंजौर पेंटिंग, धातु की नटराज प्रतिमा और हाथ से बुनी हुई नगा शॉल शामिल हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ऑनलाइन नीलामी के सातवें संस्करण की शुरुआत मोदी के जन्मदिन पर होगी, जो बुधवार को 75 वर्ष के हो जाएंगे।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने यहां राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एनजीएमए) में आयोजित एक प्रेस वार्ता में, प्रधानमंत्री के स्मृति चिह्नों की ई-नीलामी के नवीनतम संस्करण की शुरूआत किये जाने की घोषणा की। ई-नीलामी का पहला संस्करण जनवरी 2019 में आयोजित किया गया था। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, तब से, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेंट किये गए हजारों अद्वितीय उपहारों की नीलामी की जा चुकी है, जिनसे नमामि गंगे परियोजना के समर्थन में 50 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई गई है।

केंद्र से सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सुविधाएं नहीं दे सकते तो अधिकरणों को समाप्त कर दो

नई दिल्ली, एजेंसी

● कहा-- वे आवेदन क्यों कर रहे हैं, साक्षात्कार क्यों दे रहे हैं और फिर कार्यभार क्यों नहीं संभाल रहे हैं

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति के बाद, अधिकरणों में उनके पदभार ग्रहण करने को इच्छुक नहीं होने के लिए सुविधाओं की कमी को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि यदि सरकार स्थिति में सुधार करने में असमर्थ है, तो ऐसे सभी अर्ध-न्यायिक निकायों को समाप्त कर देना जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि अगर केंद्र सरकार सुविधाएं नहीं दे सकती, तो उसे सभी अधिकरणों को समाप्त कर देना चाहिए और सभी मामलों को उच्च न्यायालयों में भेज देना चाहिए। न्यायालय ने कहा, वे आवेदन क्यों कर रहे हैं, साक्षात्कार क्यों दे रहे हैं और फिर कार्यभार क्यों नहीं संभाल रहे हैं? एक कारण यह है, उन्हें तब जाकर इसकी वास्तविकता का पता चलता है कि अधिकरण का सदस्य होना क्या होता है।

उनमें से कुछ, अगर वे अध्यक्ष होते हैं, तो वे उच्च न्यायालयों के पूर्व मुख्य न्यायाधीश या उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश होते हैं। उन्हें कोई भी सुविधा नहीं दी जाती। यहां तक कि स्टेशनरी के लिए भी उन्हें लगातार अनुरोध करना पड़ता है। आप अधिकरणों के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? दोष आपका (केंद्र का) है। आपने ही अधिकरण बनाए हैं। पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल विक्रमजीत बनर्जी से कहा, संसद ने अधिनियम पारित किए हैं। न्यायिक प्रभाव पर ध्यान नहीं दिया गया है। कोई खर्च नहीं दिया गया है।

उन्हें दूसरों के भरोसे रहना पड़ता है- हमें स्टेशनरी दो, हमें आवास दो, हमें यह दो, हमें कार दो। आपके विभाग की सबसे खटारा कार अधिकरण के अध्यक्ष को दी गई है। न्यायालय ने कहा, आप पूर्व मुख्य न्यायाधीशों और पूर्व न्यायाधीशों के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? इसलिए, उनके पास इसे (अधिकरण में पदभार) स्वीकार न करने का एक कारण है, क्योंकि वास्तविकता उनके सामने आ गई है।

आरोपियों पर सबूतों से छेड़छाड़ के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

बीएमडब्ल्यू दुर्घटना

वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी की मोटरसाइकिल को टक्कर मारने वाली बीएमडब्ल्यू कार चलाने के आरोप में गिरफ्तार महिला और उसका पति मोटरसाइकिल सवार घायल दंपति को दूर स्थित एक अस्पताल ले जाते समय पुलिस को सूचित करने में विफल रहे, जिसके बाद जांचकर्ताओं ने दोनों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और सबूतों से छेड़छाड़ के आरोप जोड़े हैं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग में उप सचिव सिंह (52) की मोटरसाइकिल को रविवार दोपहर एक बीएमडब्ल्यू कार ने टक्कर मार दी थी। वह अपनी पत्नी के साथ गुरुद्वारा बंगला साहिब से घर लौट रहे थे। इस घटना में सिंह की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के दौरान कार चला रही गगनप्रीत के साथ उसके पति, दो बच्चे और एक घरेलू सहायिका भी थी। गुरुग्राम में रहने वाला यह परिवार विनिर्माण का कारोबार करता है। मामले में बीएनएस की धारा 281 125बी (दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना), 105 (गैर इरादतन हत्या) और 238 (सबूतों को मिटाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

एनएसई को-लोकेशन घोटाले में सीबीआई ने आरोप-पत्र किया दाखिल

नई दिल्ली। सीबीआई ने राष्ट्रीय शेयर बाजार (एनएसई) 'को-लोकेशन' घोटाले में कई दलालों के विरुद्ध विशेष अदालत में एक पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इससे पहले वर्ष 2022 में पूर्व प्रबंध निदेशक (एनएसई) चित्रा रामकृष्ण तथा अन्य पर आरोप लगाए गए थे। सोमवार को दायर नये आरोप-पत्र में दलाल फर्मों की भूमिका और उनके काम करने के तरीकों का उल्लेख किया गया है। जांच एजेंसी ने 2018 में संजय गुप्ता तथा ओपीजी प्रतिभूति के विरुद्ध आपराधिक साजिश, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की थी।

अफसर के घर से मिले एक करोड़ के जेवर और नकदी

गुवाहाटी, एजेंसी

● हिंदुओं की जमीन विदेशियों को कर रही थीं हस्तांतरित

● सीएम हिमंत सरमा के सतर्कता प्रकोष्ठ ने की छापेमारी

असम में मुख्यमंत्री सतर्कता प्रकोष्ठ ने असम सिविल सेवा (एसीएस) की एक अधिकारी को जमीन घोटाले में गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा कल हुआ जब मुख्यमंत्री के सतर्कता प्रकोष्ठ ने गुवाहाटी और बारपेटा में एक सर्किल अधिकारी के घरों पर छापा मारा और एक करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी और हीरे के आभूषण बरामद किए। इस कार्रवाई में हिंदू समुदाय की जमीनें संदिग्ध अवैध विदेशियों को हस्तांतरित करने का पता चला है।

2019 बैच की एसीएस अधिकारी नुपुर बोरा के घर से एक करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी और आभूषण जब्त किए गए हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को मीडिया को बताया कि बोरा के बारे में शिकायतें मिलने के बाद मुख्यमंत्री सतर्कता विभाग ने छह महीनों से उन पर निगरानी रखी हुई थी। इसी आधार पर छापेमारी की गई है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ऑस्कर विजेता निर्देशक रॉबर्ट रेडफोर्ड का निधन

प्रोवो। ऑस्कर विजेता अभिनेता, निर्देशक और सनडांस के संस्थापक तथा स्वतंत्र सिनेमा के जनक रॉबर्ट रेडफोर्ड का मंगलवार को निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। प्रचारक सिंडी बर्गर ने एक बयान में कहा, रेडफोर्ड का निधन उताह के पहाड़ों में स्थित उनके आवास पर हुआ। वर्ष 1960 के दशक में पहचान बनाने वाले रेडफोर्ड 70 के दशक के सबसे बड़े सितारों में से एक थे, जिन्होंने 'द कैंडिडेट', 'ऑल द प्रेसिडेंट्स मैन' और 'द वे वी वर' जैसी फिल्मों में काम किया। रेडफोर्ड ने 1980 में आई फिल्म 'ऑर्डिनरी पीपल' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का ऑस्कर पुरस्कार जीता था।

पाकिस्तान में पोलियो टीम के 3 सदस्य अगवा

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हथियारबंद लोगों ने पोलियो निगरानी टीम के तीन सदस्यों का अपहरण कर लिया। यह घटना सोमवार को दक्षिणी वजीरिस्तान की सीमा से लगे टैंक जिले यूनियन काउंसिल ऑफ उमरखेल में हुई। जिला निगरानी अधिकारी डॉ. इहसानुल्लाह उन लोगों में शामिल हैं, जिनका अपहरण किया गया। पुलिस के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन से संबद्ध पोलियो निगरानी दल, 15 से 18 सितंबर तक यूनियन ऑफ काउंसिल में चार दिवसीय पोलियो विरोधी अभियान की निगरानी कर रहा था।

जेलेंस्की ने यूरोपीय वायु रक्षा प्रणाली मांगी

कीव। रूसी सेना ने दक्षिणी यूक्रेनी शहर ज़ापोरिज्जिया पर रात भर रॉकेट से बमबारी की, जिसमें दो बच्चों सहित 13 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार यह जानकारी। वहीं, राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने यूरोपीय नेताओं से महाद्वीप को सुरक्षित बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी वायु रक्षा प्रणाली तैयार करने की गुजारिश की। ज़ेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा कि पिछले दो सप्ताह में रूस ने यूक्रेन के भीतर लक्ष्यों पर 3,500 से अधिक ड्रोन, 2,500 से अधिक शक्तिशाली ग्लाइड बम और लगभग 200 मिसाइलें दागी हैं।

फिलीपींस के पोत ने चीन के जहाज को मारी टक्कर

बीजिंग। दक्षिण चीन सागर में मंगलवार सुबह फिलीपींस के एक जहाज ने जानबूझकर एक चीनी तट रक्षक जहाज को टक्कर मार दी। सीसीजी प्रवक्ता ने कहा कि मंगलवार को फिलीपींस के दस पोत चीन के हुआंग्यान दाओ के पास चीनी जलक्षेत्र में घुस आए। सीसीजी ने कानून के मुताबिक उन्हें चेतावनी दी और उन पर पानी की बौछार की। सुबह करीब 10 बजे एक फिलीपीनी पोत ने चेतावनी को नजरंदाज करते हुए एक जहाज को जोरदार टक्कर मारी।

ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स पर किया 15 अरब डॉलर का मानहानि का केस

न्यूयॉर्क, एजेंसी

● चुनाव से पहले दुर्भावनापूर्ण मानहानि करने का आरोप

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार और उसके चार पत्रकारों के खिलाफ सोमवार को 15 अरब डॉलर का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। अदालत के दस्तावेजों से यह जानकारी मिली।

फ्लोरिडा स्थित अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर मुकदमे में अखबार के दो पत्रकारों द्वारा लिखे गए और 2024 के चुनाव से पहले प्रकाशित कई लेखों और एक किताब का जिक्र है। इसमें कहा गया है कि ये ट्रंप के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण मानहानि करने की न्यूयॉर्क टाइम्स की दशकों पुरानी प्रवृत्ति का हिस्सा हैं। प्रतिवादियों ने ऐसे बयानों को लापरवाही से, बयानों के झूठ होने की जानकारी के साथ और/या उनकी सच्चाई या झूठ की बेपरवाही से अनदेखी करते हुए प्रकाशित किया। मुकदमे की घोषणा करते हुए 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स पर उनके बारे में झूठ बोलने और उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया और कहा कि यह रेडिकल लेफ्ट डेमोक्रेट पार्टी का एक आभासी मुखपत्र बन गया है।

सबसे धीमे शहर भारत में

भारत के शहरों में ट्रैफिक जाम में कब कोई एंबुलेंस फंस जाए और कब किसी की जान चली जाए, कुछ नहीं कहा जा सकता। ट्रैफिक जाम पर कई शोध हुए जिनसे पता चलता है कि भारत के प्रमुख शहर दुनिया के सबसे धीमे शहरों में शामिल हैं। कोलकाता, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहर ट्रैफिक जाम से गंभीर रूप से प्रभावित हैं। इस समस्या के कारणों में बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या, अपर्याप्त सार्वजनिक परिवहन, और सड़कों पर बेतहाशा अतिक्रमण शामिल है। ट्रैफिक जाम लोगों के समय और पैसे की बर्बादी का भी बड़ा कारण बन चुका है। प्रदूषण इसका सबसे बड़ा साइड इफेक्ट है जो सीधे तौर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। सरकार की ओर से फिलहाल इस विकराल समस्या के समाधान के लिए न गंभीरता दिखती है, न ही पर्याप्त कोशिशें।

कितनी बड़ी मुसीबत

- वर्ष 2016, गुरुग्राम में एनएच 48 पर 20 घंटे तक ट्रैफिक जाम रहा जिसमें लाखों लोग फंसे रहे।
- वर्ष 2018 मुंबई अंधेरी ब्रिज गिरा, ट्रैफिक जाम की वजह से एंबुलेंस और बचाव दल नहीं पहुंचे।
- वर्ष 2020–21 के कोविड काल में ट्रैफिक जाम में एंबुलेंसों के फंसने से कई मरीजों की मौत हुई।
- वर्ष 2022 में बेंगलुरु में भारी बारिश के दौरान आईटी कॉरिडोर में कई किलोमीटर लंबा जाम।
- वर्ष 2023 में दिल्ली–गुरुग्राम टोल पर कई घंटों तक जाम लगा जिसमें कई मरीजों की मौत हो गई।

ट्रैफिक जाम की समस्या पूरे देश में

क्यों इस कदर जाम होती हैं सड़कें

- मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे और नीति आयोग के मुताबिक भारतीय महानगरों में हर साल 7 से 10% की दर से निजी वाहन बढ़ रहे हैं।
- वाहनों के पंजीकरण की तुलना में सड़क नेटवर्क की लंबाई काफी कम है, इन पर बसें, मेट्रो, लोकल ट्रेन जैसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट की भी कमी है।
- अनियोजित हाउसिंग और कम चौड़ी सड़कों के कारण अनियंत्रित शहरीकरण, इन पर अवैध पार्किंग की वजह से सड़कें और संकरी हो जाती हैं।
- नियमों के पालन की कमी भी बड़ा कारण, भारत में लेन अनुशासन नहीं, गलत जगह पर रुकना और वाहनों को पार्क करने से जाम लगता है।

वाहन और सड़कें

- 1951 में भारत में लगभग 3 लाख वाहन थे जो 2001 में 5.5 करोड़ हो गए।
- मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे के मुताबिक 2023 तक 40 करोड़ से अधिक वाहन हो गए हैं।
- भारत 64 लाख किमी का दुनिया का दूसरा बड़ा सड़क नेटवर्क है लेकिन सड़कें संकरी और भीड़भरी।
- दिल्ली जैसे शहर में वाहनों की संख्या 1.4 करोड़ से ऊपर है लेकिन सड़क नेटवर्क लगभग स्थिर है।

पैसे-समय की बड़ी बर्बादी

- नीति आयोग के अनुसार दिल्ली–बेंगलुरु–मुंबई में ट्रैफिक जाम से हर साल 1.5–2 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होता है।
- टॉम टॉम ट्रैफिक इन्डेक्स 2022 के मुताबिक बेंगलुरु के लोग रोजाना औसतन 70 से 80 मिनट तक जाम में फंसते हैं।
- स्टॉप एंड गो ट्रैफिक से उत्सर्जन दो से तीन गुना तक बढ़ता है। सीएसई के मुताबिक ट्रैफिक से 40% शहरी प्रदूषण होता है।
- तनाव, उच्च रक्तचाप और श्वसन रोगों जैसे स्वास्थ्य दुष्प्रभाव भी ट्रैफिक जाम के कारण।

सरकारी प्रयास

राष्ट्रीय शहरी परिवहन नीति 2006 में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट, ई-बस, स्मार्ट सिग्नल लेकिन कई जगह विफल। मेट्रो रेल नीति 2017 के तहत शहरों में मेट्रो विस्तार और टोल पर जाम कम करने के लिए फास्टैग। प्रदूषण और तेल खपत घटाने के लिए ई-वाहन नीति।

गाजा पर कब्जे की तैयारी शुरू, इजराइल ने बड़े पैमाने पर शुरू किए जमीनी हमले

रात भर हुई बमबारी में 20 की मौत और 90 से ज्यादा घायल, कई इमारतें मलबे में तब्दील

यरुशलम, एजेंसी

गाजा में रात भर हुए हवाई हमलों के बीच इजराइल की सेना ने मंगलवार को घोषणा की कि गाजा शहर में हमास के सैन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए उसका विस्तारित अभियान शुरू हो चुका है। सेना ने गाजा के लोगों को दक्षिण की ओर जाने की भी चेतावनी दी। गाजा पर इसके साथ कब्जे के लिए जमीनी हमले भी शुरू कर दिए गए हैं। ताजा हमलों में 20 की मौत और 90 से ज्यादा के घायल होने की खबर है।

संयुक्त राष्ट्र ने सोमवार को अनुमान लगाया था कि पिछले एक महीने में दो लाख 20 हजार से अधिक फलस्तीनी उत्तरी गाजा से पलायन कर चुके हैं। इजराइल की सेना ने बड़ा अभियान शुरू करने से पहले लोगों को गाजा शहर छोड़ देने के लिए चेताया था। इससे पहले गाजा शहर के आसपास के क्षेत्र में करीब 10 लाख फलस्तीनी रह रहे थे। गाजा के शिफा अस्पताल ने बताया है कि वहां 20 लोगों के शव और 90 घायलों को लाया गया है। दूसरी ओर गाजा में बंधक बनाए गए बंधकों के परिवारों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आवास के बाहर एकत्र होकर गाजा में अभियान रोकने की गुहार लगाई।

गाजा शहर में इजराइली हवाई हमलों के बाद आसमान में छाया धुआं।

गाजा जल रहा है, मिशन पूरा होने तक तरस नहीं खाएंगे: इजराइली रक्षामंत्री

गाजा शहर में हवाई हमलों और बमबारी के बाद इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने मंगलवार सुबह एक बयान में कहा गया कि गाजा जल रहा है। काट्ज ने कहा कि आईडीएफ आतंकवादी बुनियादी ढांचों पर कड़े हमला कर रही है और हमास को हराने और बंधकों की रिहाई की दिशा में काम कर रही है। काट्ज ने कहा, जब तक मिशन पूरा नहीं हो जाता हम न तरस खाएंगे और न पीछे हटेंगे। फलस्तीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी वाफा ने बताया कि इजराइली सेना सोमवार रात से गाजा शहर पर लगातार हमले कर रही है। इजराइल के लड़ाकू विमान बिना रुके लगातार हमले कर रहे हैं।

समय निकलता जा रहा है: रूबियो

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कतर रवाना होने से पहले इजराइल में पत्रकारों से बात करते हुए संकेत दिया कि गाजा शहर पर आक्रमण शुरू हो गया है। हमें लगता है कि हमारे पास समझौते के लिए बहुत कम समय बचा है। शायद कुछ दिन या कुछ हफ्ते। उन्होंने गाजा के लिए तीव्र सैन्य अभियान से उत्पन्न खतरों को स्वीकार करते हुए कहा, हमारी प्राथमिकता यह है कि यह बातचीत के जरिए और समाधान के जरिए समाप्त हो।

गाजा में नरसंहार कर रहा है इजराइल : संयुक्त राष्ट्र

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की ओर से नियुक्त स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक टीम ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा है कि इजराइल गाजा में नरसंहार कर रहा है। टीम ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इसे रोकने तथा दोषियों को दंडित करने की अपील की है। तीन सदस्यीय टीम द्वारा तैयार की गई यह विस्तृत और दस्तावेज़ आधारित रिपोर्ट प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार पर अब तक के सबसे गंभीर आरोपों में शामिल है। गाजा में जारी इजराइली अभियान में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इजराइल ने इस रिपोर्ट को तोड़मरोड़कर तैयार की गई झूठी रिपोर्ट बताते हुए खारिज कर दिया है। कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्र और इजराइल पर गठित जांच आयोग ने रिपोर्ट में कहा कि उसने 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इज़राइल में किए गए हमले के बाद से गाजा और अन्य फलस्तीनी क्षेत्रों में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों का बार-बार दस्तावेजीकरण किया है।

इजराइल को अंतरराष्ट्रीय खेलों से किया जाए प्रतिबंधित : स्पेन

मैड्रिड। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने इजराइल को अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं से बाहर करने का आह्वान किया है। उन्होंने अपनी पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों से कहा, इजराइल अपने गलत कार्यों पर पर्दा डालने को किसी अंतरराष्ट्रीय मंच का इस्तेमाल नहीं कर सकता। 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के लिए इजराइल के साथ भी वैसा ही व्यवहार किया जाना चाहिए जैसा रूस के साथ किया गया है।

भारतीय मिसाइलों ने मसूद अजहर के परिवार के टुकड़े-टुकड़े कर दिए

● जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर ने यूट्यूब पर अपलोड किए एक वीडियो में किया स्वीकार

लाहौर। जैश-ए-मोहम्मद के एक कमांडर ने स्वीकार किया है कि सात मई को पाकिस्तान के बहावलपुर स्थित संगठन मुख्यालय पर भारतीय मिसाइल हमलों में आतंकवादी समूह के प्रमुख मसूद अजहर के परिवार के टुकड़े-टुकड़े हो गए।.

मंगलवार को एक यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए वीडियो में जैश-ए-मोहम्मद कमांडर इलियास कश्मीरी को भारतीय हमले के खिलाफ जहर उगलते सुना जा सकता है, जिसमें अजहर के परिवार के सदस्य मारे गए थे। साथ ही वह पड़ोसी देशों में पाकिस्तान के लिए लड़ने की शेखी भी बघार रहा है। यह वीडियो छह सितंबर को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में हुए मिशन मुस्तफा सम्मेलन का बताया जा रहा है। कई बंदूकधारियों के बीच खड़े जैश कमांडर ने कहा, इस देश की वैचारिक और भौगोलिक सीमाओं की रक्षा के लिए हमने दिल्ली, काबुल और कंधार पर हमला किया। और अपना सब कुछ कुर्बान करने के बाद सात मई को बहावलपुर में मौलाना मसूद अजहर के परिवार के सदस्यों को भारतीय हमलों में टुकड़े-टुकड़े कर दिया गया।

पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 पर्यटकों की हत्या का जवाब देते हुए भारतीय सशस्त्र बलों ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ बहावलपुर समेत कई आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। अजहर के हवाले से जारी एक बयान में कहा गया था कि लाहौर से 400 किमी दूर बहावलपुर में जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह पर भारत के हमले में उसके परिवार के 10 सदस्य और चार करीबी सहयोगी मारे गए। इनमें अजहर की बड़ी बहन और उसका पति, एक भतीजा और उसकी पत्नी, एक भतीजी और परिवार के पांच बच्चे शामिल थे।

भारत ने नहीं मंजूर की द्विपक्षीय मुद्दों में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा है कि भारत ने द्विपक्षीय मुद्दों पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, भारत सहित सभी पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहता है। डार ने यह टिप्पणी दोहा में अल जजीरा के साथ एक साक्षात्कार में की। उनसे भारत के साथ वार्ता या तीसरे पक्ष की भागीदारी को लेकर पाकिस्तान के रुख के बारे में पूछा गया तो डार ने जवाब दिया, हमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन भारत स्पष्ट रूप से कह रहा है कि यह एक द्विपक्षीय मामला है। डार ने याद दिलाया कि जब उन्होंने जुलाई में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की थी और भारत के साथ बातचीत के बारे में पूछा था तो शीर्ष अमेरिकी नेता ने स्पष्ट किया था कि भारत ने कहा है कि यह एक द्विपक्षीय मुद्दा है।

रूस ने परमाणु शक्ति का प्रदर्शन किया, नाटो के साथ तनाव बढ़ा

मास्को। रूस ने बेलारूस के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान पारंपरिक और परमाणु सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, इससे पूर्वी यूरोप में नाटो के साथ तनाव और गहरा हो गया। हाल के सप्ताहों में कई घटनाओं ने क्षेत्रीय अस्थिरता को और बढ़ा दिया है। अपनी सीमा में रूसी ड्रोन घुसने को पोलैंड ने उकसावा करार दिया है। रूस और बेलारूस के बीच सैन्य अभ्यास जापाद 2025 में परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बमवर्षकों, युद्धपोतों, हजारों सैनिकों और सैकड़ों युद्ध वाहनों ने भाग लिया। अभ्यास में परमाणु हथियारों के उपयोग की योजना और रूस की नई 'ओरेशनिक' इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल भी शामिल है।

मादक पदार्थों से लदे पाकिस्तानी ड्रोन भारत की आंतरिक सुरक्षा को बड़ा खतरा: रिपोर्ट

नई दिल्ली। नॉरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की ओर से जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब में पिछले चार साल में पाकिस्तान से सीमा पार कर मादक पदार्थों से लदे ड्रोनों के भारत में आने की घटनाओं में तेज वृद्धि हुई है। इसने देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करदिया है।

एनसीबी ने 2024 की वार्षिक रिपोर्ट में बताया कि एजेंसियों ने 2019-24 के बीच सिंथेटिक मादक पदार्थों की जब्ती में छह गुना वृद्धि हुई है। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को विभिन्न राज्यों के एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स के प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान यह रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के

● पांच साल में छह गुना बढ़ी मादक पदार्थों की बरामदगी

मुताबिक, इस नए तरीके ने पारंपरिक तस्करी के तरीकों की जगह ले ली है और कानून प्रवर्तन व सीमा सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक जटिल चुनौती बन गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में इस तरह की जब्ती की संख्या कई गुना बढ़कर 179 मामलों तक पहुंच गई थी जबकि 2021 में यह सिर्फ तीन थी। बरामद किए गए मादक पदार्थों की खेपों में मुख्य रूप से हेरोइन और अफीम शामिल थी। पिछले साल भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी के 179 मामलों में से 163 पंजाब में, 15 राजस्थान में सीमा पर और एक जम्मू-कश्मीर में सामने आए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, मादक पदार्थों की कुल बरामदगी 236 किलोग्राम थी। देश में 2019 से 2024 के बीच छह गुना ज्यादा सिंथेटिक मादक पदार्थों की जब्ती हुई है। इन मादक पदार्थों में एटीएस, एमडीएमए, मेफेड्रोन और मेथाक्वालोन शामिल हैं, जिनका मुख्य रूप से युवा इस्तेमाल करते हैं।

ट्रंप ने अमेरिका में टिकटॉक के लिए समयसीमा बढ़ाई

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया ऐप टिकटॉक को अमेरिका में उपलब्ध रखने की समयसीमा 16 दिसंबर तक बढ़ा दी है। इससे अमेरिकी और चीनी सरकारी अधिकारियों के बीच वार्ता के बाद सोमवार को घोषित समझौते की रूपरेखा को पूरा करने का समय मिल गया है। ट्रंप ने मंगलवार को चौथी बार कार्यकारी आदेश जारी किया, जिसके जरिये संघीय कानून को दरकिनार करते हुए चीन से जुड़ी टिकटॉक के लिए अपनी संपत्ति किसी अमेरिकी कंपनी को बेचने या प्रतिबंध का सामना करने के लिए समय सीमा बढ़ाई गई है।

धर्मांतरण कानूनों पर राज्यों को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कई राज्यों को उनके धर्मांतरण विरोधी कानूनों पर रोक लगाने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर जवाब देने को कहा। राज्यों को नोटिस जारी करते हुए, सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने साफ किया कि जवाब आने के बाद वह ऐसे कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने के अनुरोध पर विचार करेगी। राज्यों को जवाब देने के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया। याचिकाकर्ता उसके दो सप्ताह बाद प्रत्युत्तर दाखिल कर सकेंगे। अगली सुनवाई छह सप्ताह बाद निर्धारित की गई।

पीठ ने धर्मांतरण विरोधी कानूनों के खिलाफ याचिकाकर्ताओं में से एक की

● जवाब देने के लिए शीर्ष कोर्ट ने दिया चार सप्ताह का समय

ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह को मौजूदा कानून में उत्तर प्रदेश द्वारा किए गए बेहद कठोर बदलावों को ध्यान में रखते हुए याचिका में संशोधन करने की अनुमति दे दी। पीठ उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक समेत कई राज्यों में लागू धर्मांतरण विरोधी कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

कोर्ट ने विवाह या अन्य माध्यमों से होने वाले धर्मांतरण के विवादास्पद मुद्दे पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं की दलीलें सुनी। सिंह ने मामले की तात्कालिकता पर जोर देते हुए चेतावनी दी कि जो कोई भी अंतरधार्मिक विवाह करेगा, उसे जमानत मिलना असंभव हो जाएगा। उन्होंने रेखांकित किया कि कई राज्य पहले ही ऐसे कानून बना चुके हैं, और राजस्थान ने भी हाल में इस संबंध में कानून पारित किया है। सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लाए गए संशोधनों के तहत तीसरे पक्ष को शिकायत दर्ज कराने की अनुमति दी गई, जिससे अंतरधार्मिक विवाहों में बड़े पैमाने पर उत्पीड़न हुआ।

श्रद्धालु विवाह स्थलों के निर्माण के लिए मंदिरों को धन नहीं देते : कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया धन विवाह स्थलों के निर्माण के लिए नहीं होता। कोर्ट ने उस आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया जिसमें कहा गया था कि मंदिर के धन को सार्वजनिक या सरकारी धन नहीं माना जा सकता। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने तमिलनाडु के पांच मंदिरों के धन से शादी स्थलों के निर्माण की अनुमति देने वाले सरकारी आदेशों को रद्द कर दिया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी और उसने कहा कि भक्त इन विवाह स्थलों के निर्माण के लिए मंदिर को अपना धन नहीं देते हैं। यह मंदिर के सुधार के लिए हो सकता है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 17 सितंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 11.39 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

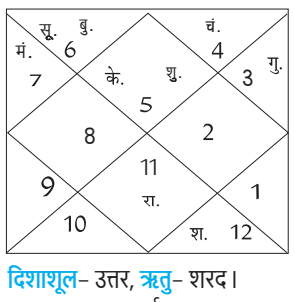

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भर।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-पुनर्वसु 06.26 तक तत्पश्चात पुष्य।

मेष आज प्रेम-संबंधों में गलतफहमियां आने की आशंका है। मेहनत से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। कुछ मित्र आपसे नाराज हो सकते हैं। भारी उद्योग से जुड़े लोगों को मशीनरी से संबंधित समस्या हो सकती है।

वृष आज आपके स्वाभिमान और आत्मबल में वृद्धि होगी। परिवार में अनुशासन बनाए रखें। सभी कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से करें। सोशल मीडिया के माध्यम से शुभ सूचना मिल सकती है। भाई-बहनों के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें।

मिथुन आज परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा। आवश्यक कार्यों को दिन के पहले भाग में ही पूर्ण कर लेना हितकर होगा। बच्चे आज मस्ती के मूड में रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आय की दृष्टि से दिन सन्तोषजनक रहेगा।

कर्क आज आपके काम समय पर पूरे हो जायेंगे। मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। रचनात्मक योजनाओं से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। वैवाहिक जीवन को लेकर थोड़ी परेशानियां रहेंगी। पैर और कमरदर्द की शिकायत हो सकती है।

सिंह आज नशे से पूरी तरह दूरी बनाकर रखें। घर में रिश्तेदारों का आगमन हो सकता है। मन में नकारात्मक विचार जन्म ले सकते हैं। स्वास्थ्य में थोड़ी नरमी हो सकती है। आज लंबी दूरी की यात्रा करने से बचें। प्रेमीजन के ऊपर धन खर्च करेंगे।

कन्या आज का दिन खुशियों और उत्साह से भरपूर रहेगा। अविवाहित लोगों को विवाह के अवसर मिल सकते हैं। मन में पुरानी स्मृतियां दोबारा ताजा होंगी। आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। व्यापार में बिक्री बढ़ने से आप अत्यन्त प्रसन्न रहेंगे।

तुला आज आपकी सेहत थोड़ी प्रतिकूल हो सकती है। आज आप घर में अधिक समय बिताना पसंद करेंगे। अपने प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोग नए टूर की योजना बनायेंगे। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।

वृश्चिक आज रुका हुआ धन मिलने में कठिनाई होगी। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से मतभेद उभर सकते हैं। विद्यार्थी नए कोर्स में प्रवेश को लेकर योजना बनायेंगे। दिखावे के चक्कर में आप थोड़ी गलतियां करेंगे। धर्म-कर्म पर धन खर्च कर सकते हैं।

धनु आज व्यवसाय में आपकी अपेक्षा के अनुसार बिक्री न होने से मन अप्रसन्न हो सकता है। उधार लिया हुआ धन मिलने में कठिनाई होगी। अपना खानपान संतुलित रखें। महत्वपूर्ण कार्य लंबित हो सकते हैं। मित्रों के व्यवहार से आपको दुख हो सकता है।

मकर आज आपकी दिनचर्या थोड़ी व्यस्त रहेगी। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय से धन लाभ होगा। ऑफिस में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं। छात्र पढ़ाई में अत्यधिक रुचि लेंगे।

कुंभ आज कार्यक्षेत्र में काम का दबाव बढ़ेगा। शुगर के रोगियों को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। परिजनों के साथ नोक-झोंक हो सकती है। आर्थिक मामलों को लेकर थोड़ी परेशानियां हो सकती हैं। व्यवसाय में नये विरोधी सक्रिय हो सकते हैं।

मीन आज कार्यक्षेत्र में बिक्री बढ़ने के योग बन रहे हैं। सरकारी कार्यों के लिए दिन बहुत शुभ है। घरेलू कलह का निवारण होगा। वैवाहिक जीवन खुशियों से भरपूर रहेगा। आपकी बातों से लोग आकर्षित रहेंगे। नई स्किल सीखने का प्रयास कर सकते हैं।

सुडोकू-102

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			2		6			3
6		8			1			
	7		6					1
		6			4	5		
	9						7	
		1	8			3		
4			3		2		9	
						6		2
3			9		7			

सुडोकू-101 का हल

1	5	6	7	9	4	2	3	8
8	4	7	1	2	3	6	9	5
9	3	2	8	5	6	4	1	7
6	9	8	5	3	1	7	2	4
4	2	3	6	7	9	5	8	1
7	1	5	4	8	2	3	6	9
2	6	4	9	1	5	8	7	3
5	8	1	3	6	7	9	4	2
3	7	9	2	4	8	1	5	6

दो वर्षों में मुझे काफी अनुभव हासिल हुआ। इस बीच कई ऐसे मुश्किल क्षण आए जिन्होंने मुझे खिलाड़ी और इंसान के रूप में मजबूत बनाया। अब मैं पहले से बेहतर खिलाड़ी बन गई हूं।

आर वैशाली, भारतीय ग्रैंडमास्टर

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 17 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारत के वेलकुमार ने स्पीड स्केटिंग में पहला विश्व स्वर्ण पदक जीता

बीजिंग। भारत के स्पीड स्केटर आनंदकुमार वेलकुमार ने स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर देश के लिए स्वर्णिम अध्याय लिखा। वेलकुमार ने सीनियर पुरुषों की 1,000 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा में 1 मिनट 24 .924 सेकंड का समय लेकर जीत हासिल की और प्रतिस्पर्धी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सबसे आगे रहे। उनकी यह जीत भारतीय रोलर स्पोर्ट्स के लिए महत्वपूर्ण क्षण था, जो लंबे समय से वैश्विक मंच पर पहचान बनाने की कोशिश कर रहा था। तमिलनाडु के 23 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले हफ्ते बेइदाईहे में 500 मीटर स्प्रिंट में 43 .072 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीतकर इसी प्रतियोगिता में भारत के लिए पहला सीनियर पदक हासिल किया था।

पॉडकास्ट की दुनिया में उतरीं सेरेना-वीनस

न्यूयॉर्क। टेनिस कोर्ट पर लंबे समय तक धूम मचाने के बाद विलियम्स बहनें सेरेना और वीनस अब पॉडकास्ट की दुनिया में उतर रही हैं। यह दोनों टेनिस जगत की महान खिलाड़ियों में हैं और उन्होंने लंबे समय तक महिला टेनिस में अपना दबदबा बनाए रखा था। सेरेना ने 2022 में अमेरिकी ओपन के रूप में अपना आखिरी टूर्नामेंट खेला था जबकि वीनस ने हाल में वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम के एकल, महिला युगल और मिश्रित युगल में प्रतिस्पर्धा की थी। सेरेना और वीनस बुधवार को एक्स पर अपने पॉडकास्ट का पहला एपिसोड लॉन्च करेंगी।

एशिया कप से मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट को नहीं हटाएगा आईसीसी

भारत के हाथ न मिलाने पर रेफरी को जिम्मेदार ठहरा टूर्नामेंट छोड़ने की पीसीबी ने दी है धमकी

दुबई, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को पाकिस्तान की उस मांग को खारिज कर दिया, जिसमें उसने एशिया कप के लिए अधिकारियों के पैनल से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने को कहा था। हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टूर्नामेंट से हटने की धमकी दी है लेकिन इससे उसको भारी वित्तीय नुकसान होगा।

पीसीबी ने आईसीसी को शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि पाइक्रॉफ्ट ने रविवार को एशिया कप मैच में टॉस के समय पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा से भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से हाथ नहीं मिलाने के लिए कहा था। आईसीसी के एक सूत्र ने बताया कि कल देर रात आईसीसी ने पीसीबी को जवाब भेजा था कि पाइक्रॉफ्ट को नहीं हटाया जाएगा और उनकी याचिका खारिज कर दी गई है। जिंबाब्वे के 69 वर्षीय पाइक्रॉफ्ट बुधवार को यूएई के खिलाफ पाकिस्तान के ग्रुप चरण के अंतिम मैच में रेफरी होंगे। पाकिस्तान ने मंगलवार को यहां मैच से पहले होने वाली प्रेस कांफ्रेंस रद्द कर दी।

टीम सूत्रों ने बताया कि ऐसा मैच से हटने की धमकी पर सवालों से बचने के लिए किया गया। पाकिस्तानी टीम के मैनेजर नावेद चीमा ने भी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि पाइक्रॉफ्ट के जोर देने पर ही रविवार को दोनों कप्तानों के बीच टीम की जानकारी का आदान-प्रदान नहीं किया गया जैसा कि आमतौर पर होता है। भारत की सात विकेट से जीत के बाद सूर्यकुमार और उनकी टीम ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। टूर्नामेंट से हटने का फैसला पाकिस्तान के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि उसे एसीसी से 10 लाख 60 हजार डॉलर का नुकसान हो सकता है।

उस्मान वाल्हा की वजह से पैदा हुई यह स्थिति

विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि यह स्थिति पीसीबी के क्रिकेट परिचालन निदेशक उस्मान वाल्हा की वजह से पैदा हुई जिन्होंने अपने कप्तान को टूर्नामेंट के दौरान लागू होने वाले नियमों के बारे में जानकारी नहीं दी। पता चला है कि पीसीबी के नाराज प्रमुख मोहसिन नकवी ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम और उसके कप्तान को हुई शर्मिंदगी के लिए सोमवार को वाल्हा को बर्खास्त करने का आदेश दिया। नकवी एसीसी के मौजूदा अध्यक्ष भी हैं।

सलमान को नहीं थी नीति की जानकारी

सूत्रों के अनुसार यह वाल्हा की जिम्मेदारी थी कि वह सलमान को 'हाथ नहीं मिलाने' की नीति के बारे में सूचित करें लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पाकिस्तानी कप्तान को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। पीसीबी के सूत्र ने कहा कि वाल्हा को टॉस के समय ही बयान जारी कर देना चाहिए था जब दोनों कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाया था। नकवी जाहिर तौर पर गुस्से में थे क्योंकि उन्होंने इस मामले को अच्छी तरह नहीं संभाला।

रिचर्डसन को रेफरी के रूप में चाहता है पीसीबी

पीसीबी चाहता था कि पाइक्रॉफ्ट को पूरे टूर्नामेंट से हटा दिया जाए लेकिन अब यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत के जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी द्वारा उनकी मांग को सिरे से खारिज करने के बाद वे खेलना जारी रखते हैं या नहीं। समझा जाता है कि पीसीबी सम्मानजनक समाधान निकालने की कोशिश कर रहा है, जिसके तहत वह चाहता है कि पाइक्रॉफ्ट उनके मैचों में मैच रेफरी की भूमिका नहीं निभाएं। पीसीबी ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि बुधवार को यूएई के खिलाफ मैच में रिची रिचर्डसन रेफरी की भूमिका निभाए, लेकिन ऐसा होगा या नहीं यह बड़ा सवाल है।

भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी का नया प्रायोजक अपोलो टायर्स

नई दिल्ली। ऑनलाइन गेम मंच ड्रीम 11 के बाहर होने के बाद अपोलो टायर्स भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी का नया प्रायोजक होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को पीटीआई को यह जानकारी दी।

सरकार द्वारा पेश किए नए कानून के तहत ड्रीम 11 सहित वास्तविक धनराशि वाले गेमिंग मंच पर प्रतिबंध लगाने के बाद बीसीसीआई के पास टीम की जर्सी के लिए कोई प्रायोजक नहीं था। भारतीय टीम वर्तमान में दुबई में एशिया कप में बिना किसी जर्सी प्रायोजक के खेल रही है। बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अपोलो टायर्स से करार हो गया है।

ओमान के खिलाफ बुमराह को मिल सकता है विश्राम

दुबई, एजेंसी

- टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने पर भारत को खेलने होंगे चार मैच

भारतीय टीम प्रबंधन शुक्रवार को ओमान के खिलाफ होने वाले एशिया कप के ग्रुप चरण के आखिरी मैच के लिए अंतिम एकादश में जसप्रीत बुमराह को विश्राम देने के अलावा कोई और बदलाव करने से बचना चाहेगा।

भारत सुपर चार में 21, 24 और 26 सितंबर को अपने मैच खेलेगा इसके बाद 28 सितंबर को फाइनल होगा। ऐसे में टूर्नामेंट यह टीम अगर क्वालीफाई करती है तो उसे सात दिनों में चार मैच खेलने पड़ सकते हैं। टीम प्रबंधन अपने तेज गेंदबाज को आगे के चुनौतीपूर्ण दौर के लिए तरोताजा रखने के महत्व को समझता है। बुमराह खुद मैच से बाहर रहना चाहते हैं या नहीं, इसका पता नहीं चला है लेकिन यह फैसला व्यावहारिक होने की उम्मीद है क्योंकि उन्हें किसी कम महत्व वाले मैच की जगह टूर्नामेंट के आखिरी चरण के लिए तैयार रखना बेहतर विकल्प है। ऐसी स्थिति में अर्शदीप सिंह या हर्षित राणा में से किसी एक के खेलने की संभावना है। अर्शदीप का दावा हालांकि मजबूत होगा क्योंकि वह अधिक अनुभवी है और टी20 अंतर्राष्ट्रीय में 100 विकेट पूरा करने के करीब है। मोर्चे के दौरान शीर्ष और मध्यक्रम के बल्लेबाज क्रीज पर अधिक समय बिताना पसंद करेंगे।

पाकिस्तान को जीतना होगा यूएई से मैच

एशिया कप

दुबई, एजेंसी

कमजोरियों और विवादों से जूझ रही पाकिस्तान की टीम को बुधवार को एशिया कप में अपने अभियान को बनाए रखने के लिए ग्रुप ए के मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ करो या मरो मैच में हर विभाग में सुधार करना होगा।

भारतीयों के पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने से पैदा हुए विवाद के बीच पीसीबी ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की है और पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार धमकी दी है कि यदि जिम्बाब्वे के रेफरी को नहीं हटाया गया तो वह टूर्नामेंट से हट जाएगा। पाइक्रॉफ्ट को टूर्नामेंट के पाकिस्तान के अंतिम लीग मैच के दौरान रेफरी की भूमिका निभानी है। पाकिस्तान ने दो मैचों में एक जीत और एक हार दर्ज की है और फिलहाल वह दो अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। नेट रन रेट के आधार पर वह यूएई (दो अंक) से आगे है, लेकिन यहां एक भी चूक उसे बाहर कर देगी। भारत से मिली हार ने पाकिस्तानी टीम की कमजोरी को उजागर कर दी है। ओमान जैसी टीम को हराने के बाद पाकिस्तान को अपने बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से भारत के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तान : सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी, सुफयान मोकिम।

संयुक्त अरब अमीरात : मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान। **मैच रात 8 बजे।**

विश्व चैंपियनशिप में खिताब बचाने के लिए उतरेंगे चोपड़ा

तोक्यो, एजेंसी

भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा बुधवार को क्वालीफिकेशन राउंड के साथ विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करने का अभियान शुरू करेंगे, जिसमें उन्हें पाकिस्तान के ओलंपिक स्वर्ण विजेता अरशद नदीम और जर्मनी के डायमंड लीग चैंपियन जूलियन वेबर की चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

चोपड़ा का लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने वाला तीसरा खिलाड़ी बनना होगा। उन्होंने 2023 में बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। चेक गणराज्य के दिग्गज और वर्तमान में चोपड़ा के कोच जान जेलेंजी (1993, 1995) और ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (2019, 2022) ने दो मौकों पर विश्व चैंपियनशिप का ताज जीता है। चोपड़ा 2024 पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार नदीम का सामना करेंगे, जिससे उन्हें पेरिस में दूसरे स्थान पर रहने का बदला लेने का मौका मिलेगा। नदीम ने पेरिस में 92.97 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण, जबकि चोपड़ा ने 89.45 मीटर का थ्रो कर रजत जीता था। दोनों दो अलग-अलग ग्रुप में है। गुरुवार को फाइनल में उनका सामने होने की उम्मीद है।

नीरज के साथ होंगे सचिन यशवीर और रोहित

यह भारत के लिए ऐतिहासिक प्रतियोगिता होगी क्योंकि सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव मैदान पर नीरज के साथ होंगे, जो प्रतियोगिता में भाग लेने वाले देशों में सबसे बड़ी संख्या है। चोपड़ा को गत विजेता के रूप में वाइल्ड कार्ड दिया गया है, जबकि अन्य तीन ने विश्व रैंकिंग के जरिए क्वालीफाई किया।

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को आठ रन से हराया

अबुधाबी। तंजीद हसन (52) की अर्धशतकीय पारी के बाद नासुम अहमद की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से बांग्लादेश ने एशिया कप टी-20 के ग्रुप बी मैच में मंगलवार को अफगानिस्तान को आठ रन से हराकर सुपर चार चरण में पहुंचने की अपनी उम्मीदें जीवंत रखी है।

बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 154 रन बनाने के बाद अफगानिस्तान की पारी को 146 रन पर समेट दिया। बांग्लादेश की यह ग्रुप चरण में दूसरी जीत है, जिससे अफगानिस्तान को सुपर चार में पहुंचने के लिए श्रीलंका को हराना होगा। नासुम ने चार ओवर में एक मेडन के साथ सिर्फ 11 रन खर्च कर दो विकेट लेकर मैच पर टीम का दबदबा बनाया। उन्हें रिशाद हुसैन (दो विकेट), मुस्ताफिजूर रहमान (तीन विकेट) व तस्कीन अहमद (दो विकेट) का साथ मिला। अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह ओमरजई ने 30 और राशिद खान ने 20 रन की पारी खेली।

चीन मास्टर्स: सिंधु पहले दौर में जीतीं

शेनझेन (चीन), एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने बुधवार को पहले दौर में डेनमार्क की जूली डावाल जैकबसन को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। आयुष शेट्टी को पुरुष एकल के पहले दौर में दुनिया के पांचवें नंबर के चीनी ताइपे के खिलाड़ी चाउ टिएन चेन के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी।

रुतविका गाडे और रोहन कपूर की मिश्रित युगल जोड़ी भी युइची शिमोगामी और सयाका होबारा की जापान की जोड़ी के खिलाफ हार के साथ बाहर हो गई। सिंधु ने जैकबसन को सिर्फ 27 मिनट में हराया। भारतीय खिलाड़ी को यह जीत हांगकांग ओपन के शुरुआती दौर में डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसन के खिलाफ हार के 10 दिन से भी कम समय बाद मिली है।

शेट्टी बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ 27वें स्थान पर

शेट्टी ने चुनौती पेश की लेकिन चेन ने निर्णायक गेम जीत लिया। शेट्टी की चेन के खिलाफ यह तीसरी हार है। इस साल ताइपे और अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में शेट्टी को चेन ने मात दी है। निर्णायक गेम में दोनों 13-13 से बराबर थे, जिसके बाद चेन ने चार अंक के साथ बढ़त बनाई और मैच जीत लिया। शेट्टी को हालांकि उस समय सांत्वना मिली जब वह बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ 27वें स्थान पर पहुंच गए। वह हांगकांग ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे और दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी जापान के कोडाई नेराओका को भी हराया था।

इस साल हांगकांग ओपन सहित छह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं के पहले दौर में हारने वाली सिंधु लय में दिखीं और ही समय में अच्छी बढ़त बना ली और पहला गेम 10 मिनट में जीत लिया। दूसरे गेम में भी यही क्रम जारी रहा। मैच के दौरान सिंधु ने बेहतरीन तकनीक का नजारा पेश करते हुए प्रतिद्वंद्वी की चुनौती को ध्वस्त किया। पिछली बार योनेक्स स्विस ओपन में जैकबसन ने सिंधु को कड़ी टक्कर दी थी।